स्वचालन बढ़ा लेकिन स्वामित्व हो रहा है कम : आरबीआई डिप्टी गर्वनर स्वामी नाथन जे - 12

भारत-ईयू के बीच अब तक 12 दौर की हो चुकी है वार्ता : जितिन प्रसाद - 12

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में फिर सेवाएं देंगी गीता गोपीनाथ - 13

अपना सब कुछ झोंक दो या ठीक से आराम करो इरफान पठान ने बुमराह से कहा- 14

आज का मौसम

33.0⁰ अधिकतम तापमान

27.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.29

सूर्यास्त 07.08

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 02:29 तक उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2082

बुधवार, 23 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 243, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

सूरत हवाई अड्डे पर 24 किग्रा सोना जब्त

अहमदाबाद। सीमा शुल्क विभाग के अधीन काम करने वाली एजेंसी एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) की अहमदाबाद यूनिट ने गुजरात में सूरत अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पश्चिम एशिया से आ रहे पति-पत्नी के पास से 25.57 करोड़ रुपये मूल्य का 24.827 किलोग्राम सोना जब्त कर दोनों को गिरफ्तार किया है। यह अहमदाबाद सीमा शुल्क आयुक्तालय द्वारा गुजरात में की गई सोने की बड़ी ज़ब्ती में एक है।

पोत निर्माण पर चर्चा करेगी नौसेना

नई दिल्ली। नौसेना का युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो बुधवार को यहां एक संगोष्ठी का आयोजन करेगा जिसमें प्रतिभागी जहाज निर्माण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर इस्तेमाल की जा रहीं भविष्य की तकनीकों पर प्रकाश डालेंगे। अधिकारियों ने कहा कि संगोष्ठी में प्रतिभागी जहाजों की आपूर्ति में भारतीय शिपयार्ड एवं उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करेंगे। सेमिनार में केंद्र सरकार, नौसेना, शिपयार्ड, उद्योग जगत, वर्गीकरण समितियों और शिक्षा जगत के प्रमुख एक साथ होंगे।

नागपुर हवाई अड्डे को उड़ाने की धमकी

नागपुर। महाराष्ट्र में नागपुर के डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को मंगलवार को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय पुलिस ने तुरंत हरकत में आईं। सूत्रों के अनुसार यह ईमेल सुबह लगभग साढ़े सात बजे मिला, जिसमें दावा किया गया था कि हवाई अड्डे के टर्मिनल में एक आईईडी छिपाया गया है।

अंदर देखें ... रंगोली

महिलाओं को एक करोड़ रुपये तक की रजिस्ट्री पर स्टाम्प शुल्क में 1 फीसदी छूट

अभी तक 10 लाख रुपये तक की रजिस्ट्री के स्टाम्प पर था 6 फीसदी शुल्क

- योगी कैबिनेट ने लगाई 37 अहम प्रस्तावों पर मुहर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार ने मंगलवार को एक बड़ा फैसला लिया है। अब प्रदेश में एक करोड़ रुपये तक मूल्य की संपत्ति (जैसे मकान, जमीन आदि) यदि किसी महिला के नाम खरीदी जाती है, तो उस पर स्टाम्प शुल्क में एक फीसद की छूट मिलेगी। अब तक राज्य में यह छूट केवल 10 लाख रुपये तक की संपत्ति पर ही लागू थी, जिसमें अधिकतम 10 हजार रुपये तक की छूट मिलती थी।

लोकभवन में अपरान्ह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 37 प्रस्ताव पारित किए गए। निर्णय की जानकारी देते हुए प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि रजिस्ट्री पर शुल्क सात प्रतिशत है। जिसमें अभी तक 10 लाख रुपये की संपत्ति पर महिलाओं को छह प्रतिशत शुल्क देना पड़ता था, अब यह सीमा एक करोड़ रुपये तक बढ़ा दी गई है। योगी कैबिनेट ने मंगलवार को 15 वर्ष पुराने सरकारी वाहनों को कबाड़ घोषित किए जाने पर मुहर लगा दी। सरकार ने पहले ही एक अप्रैल, 2023 को 15 वर्ष पुराने हो चुके सरकारी वाहनों के पंजीकरण का नवीनीकरण नहीं करने का निर्णय लिया था। अब मूल्यांकन करके नीलामी का रास्ता साफ हो गया है।

लोकभवन में कैबिनेट की बैठक में प्रस्तावों पर चर्चा करते मुख्यमंत्री योगी व अन्य।

विधानमंडल का मानसून सत्र 11 अगस्त से

योगी कैबिनेट ने राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों का वर्ष 2025 का द्वितीय (मानसून) सत्र 11 अगस्त से आहूत करने का निर्णय लिया है। पिछला सत्र 18 फरवरी को आरंभ होकर 5 मार्च, 2025 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुआ था। 12 मार्च को सत्रावसान की अधिसूचना जारी की गई थी। नियमानुसार 5 सितंबर से पूर्व नए सत्र का आयोजन जरूरी था।

चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे को मंजूरी

योगी कैबिनेट ने चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे के निर्माण को भी मंजूरी दे दी है। यह परियोजना 939.67 करोड़ रुपये की लागत से इंजीनियरिंग-प्रोक्योरमेंट-कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) पद्धति पर पूरी की जाएगी। 15.172 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे चित्रकूट के भरतकूप से शुरू होकर ग्राम अहमदगंज तक जाएगा। एक्सप्रेस-वे को प्रारंभ में 4 लेन और भविष्य में 6 लेन तक विस्तार योग्य बनाया जाएगा। यह वाराणसी-बांदा राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़कर राष्ट्रीय राजमार्ग 135 बीजी से संपर्क स्थापित करेगा। इसे 548 दिनों में पूरा किया जाएगा। पांच वर्षों तक अनुरक्षण कार्य किया जाएगा। इस परियोजना में केंद्र सरकार की कोई वित्तीय भागीदारी नहीं होगी।

स्मार्टफोन की जगह युवाओं को टैबलेट

कैबिनेट ने निर्णय लिया है कि स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के तहत अब युवाओं को स्मार्टफोन की जगह टैबलेट दिए जाएंगे। यह योजना पांच वर्षों तक लागू रहेगी। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने बताया कि टैबलेट की बड़ी स्क्रीन, बेहतर बैटरी, मल्टीटास्किंग क्षमता और प्रोडक्टिविटी एप्स की सुगमता से योजना के शैक्षिक उद्देश्य बेहतर तरीके से पूरे हो सकेंगे।

121 पॉलिटेक्निक किए जाएंगे उन्नत

योगी सरकार ने प्रदेश के डिप्लोमा सेक्टर में तकनीकी शिक्षा को उद्योगों की मांग के अनुरूप उन्नत बनाने के लिए टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से राज्य के 121 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में टाटा टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना का निर्णय लिया है। परियोजना की अनुमानित लागत 6935.86 करोड़ है, जिसमें से 6034.20 करोड़ टीटीएल देगा।

टीजीटी, पीजीटी व प्रधानाचार्य पदों पर भर्ती का रास्ता साफ

संवाददाता, प्रयागराज

- उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग 35 हजार रिक्त पदों पर करेगा भर्ती
- अधियाचन का प्रारूप फाइनल शासन को भेजने की तैयारी

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज डेढ़ वर्ष बाद अब रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। क्योंकि अधियाचन का प्रारूप अब तैयार हो गया है जिसे मंजूरी के लिए शासन को भेजा जाएगा। टीजीटी, पीजीटी और प्रधानाचार्यों के रिक्त पदों की संख्या 35 हजार से अधिक है। भर्ती प्रक्रिया शुरू होने की संभावना से लाखों अभ्यर्थियों में शिक्षक बनने की आस जग गई है।

उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज का गठन हुए करीब डेढ़ वर्ष हो गया है। जिसमें अध्यक्ष, सचिव, दो उप सचिव और सभी सदस्यों ने कार्यभार संभाल लिया है। लेकिन अभी तक कोई भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक (एडी) सुरेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि टीजीटी, पीजीटी और प्रधानाचार्यों के रिक्त पदों का अधियाचन जिस प्रारूप पर जाना है वह तैयार हो गया है। कार्मिक विभाग और उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज फाइनल करके रिक्त पदों का अधियाचन इसी प्रारूप पर लेगा। अधियाचन का स्वरूप फाइनल हो गया है। इसे शासन को जल्द ही भेज दिया जाएगा।

मालूम हो कि टीजीटी परीक्षा की तिथि 20 और 21 जुलाई 2025 घोषित की गई थी। लेकिन परीक्षा तिथि बीतने के बाद भी 10 लाख परीक्षार्थियों और मीडिया को परीक्षा स्थगित करने की कोई जानकारी नहीं दी गई।

राज्यसभा में धनखड़ के इस्तीफे की घोषणा एसआईआर पर हंगामा, दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

विपक्ष के प्रदर्शन के चलते प्रश्नकाल, शून्यकाल भी नहीं चले

नई दिल्ली, एजेंसी

- उपसभापति ने किया सदन की कार्यवाही का संचालन

केंद्र सरकार ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को अधिसूचित कर दिया। एक दिन पहले धनखड़ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए तत्काल प्रभाव से पद छोड़ने की जानकारी दी थी।

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन द्वारा हस्ताक्षरित एक राजपत्र अधिसूचना में गृह मंत्रालय ने धनखड़ के इस्तीफे के पत्र को सार्वजनिक किया, जिसे उन्होंने सोमवार शाम जारी किया था। अधिसूचना में कहा गया है कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा प्रकाशित किया जाता है। इससे पहले राज्यसभा में गृह मंत्रालय की अधिसूचना के बारे में जानकारी दी गई। प्रश्नकाल के लिए उच्च सदन की बैठक दोपहर बारह बजे जब शुरू हुई तो पीठासीन अध्यक्ष घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि गृह मंत्रालय ने संविधान के अनुच्छेद 67 (ए) के तहत उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के तत्काल प्रभाव से इस्तीफे की 22 जुलाई 2025 को एक अधिसूचना जारी की है। उपराष्ट्रपति पद से धनखड़ के इस्तीफा देने के बाद मंगलवार को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने सदन की सुबह की कार्यवाही की अध्यक्षता की। हरिवंश ने सदस्यों को बताया कि उपराष्ट्रपति पद पर चयन किए जाने की संवैधानिक प्रक्रिया के बारे में उन्हें जानकारी मिलेगी तो वह बताएंगे। उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं। आमतौर पर धनखड़ दिन की शुरुआत में राज्यसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता करते थे।

उपसभापति ने की राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात

नई दिल्ली। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह मुलाकात उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के पदेन सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंपने के एक दिन बाद हुई है। राष्ट्रपति भवन ने बैठक की एक तस्वीर भी एक्स पर साझा की। इसमें कहा गया है कि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

मानसून सत्र

- रीजीजू बोले-सरकार चर्चा को तैयार फिर क्यों कर रहे हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। मानसून सत्र के दूसरे दिन दोनों सदनों की कार्यवाही दो बजे बुधवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गईं। दोनों ही सदनों में प्रश्नकाल-शून्यकाल नहीं चल सके।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने निचले सदन में विपक्ष पर दोहरे मानदंड का आरोप लगाया और कहा कि एक तरफ कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में वे पोस्टर नहीं लाने की बात करते हैं, लेकिन अब सदन में तख्तियां लहरा रहे हैं। लोकसभा में दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे बैठक शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों का हंगामा शुरू हो गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में यह तय हुआ था कि सबसे पहले ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होगी और उसका समय भी निर्धारित किया गया है। लेकिन आप एक साथ सारे मुद्दे पर चर्चा करना चाहते हैं, यह कैसे संभव हो सकता है। रीजीजू ने कहा कि सरकार ने बार-बार कहा है कि हम चर्चा करना चाहते हैं। चर्चा के लिए तैयार भी हैं। फिर वे हंगामा क्यों कर रहे हैं।

संसद परिसर में प्रदर्शन करते विपक्षी दलों के सांसद। ● एजेंसी

विपक्ष गुंडागर्दी कर रहा, भारत धर्मशाला नहीं

नई दिल्ली। भाजपा ने मंगलवार को बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण का विरोध करने पर विपक्षी दलों की कड़ी आलोचना की और उन पर 'गुंडागर्दी' का सहारा लेने का आरोप लगाया ताकि बांग्लादेशी और रोहिंग्या 'घुसपैठियों' सहित विदेशी लोगों को चुनावों में वोट देने का अधिकार मिल सके। वरिष्ठ भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि बिहार में एसआईआर को लेकर इतना हंगामा इसलिए हो रहा है क्योंकि बांग्लादेशियों और घुसपैठियों के दम पर अपनी राजनीति चमकाने वाले डरे हुए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने संसद परिसर में कहा कि संविधान के अनुसार, केवल भारतीय नागरिक ही चुनाव में मतदान कर सकते हैं। अगर इसकी जांच हो रही है तो इसमें क्या समस्या है? भारत कोई धर्मशाला नहीं है।

उप्र, हरियाणा के टॉप बिल्डरों-बैंकों पर 22 केस दर्ज करने की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट सख्त

- सांठगांठ कर घर खरीदारों के साथ ठगी करने का मामला

कोर्ट में दाखिल की गई हैं 84 अपीलें

सुप्रीम कोर्ट ने रियलिटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सुपरटेक लिमिटेड के खिलाफ एक प्रारंभिक जांच दर्ज करने की अनुमति दी थी, जिसके खिलाफ 799 घर खरीदारों ने आठ शहरों में परियोजनाओं से जुड़ी 84 अपीलों के माध्यम से शीर्ष कोर्ट का रुख किया था। कोर्ट ने मंगलवार को सीबीआई की रिपोर्ट का अवलोकन किया।

उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई को एनसीआर में घर खरीदारों के साथ ठगी करने को लेकर बैंकों और रियल एस्टेट कंपनियों के बीच सांठगांठ के संबंध में 22 मामले दर्ज करने की मंगलवार को अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सीबीआई को विभिन्न बिल्डरों और बैंकों के खिलाफ की गई छह प्रारंभिक जांच को प्राथमिकी के समान 22 नियमित मामलों में तब्दील करने की अनुमति दे दी, जिनमें आगे की जांच के लिए संज्ञेय मामले बने हैं।

जांच के दायरे में एनसीआर के बिल्डर और उत्तर प्रदेश एवं हरियाणा के विकास प्राधिकरण शामिल हैं। आर्थिक सहायता योजना के तहत, बैंक स्वीकृत राशि सीधे बिल्डरों के खातों में जमा करते हैं, जिन्हें स्वीकृत ऋण राशि पर ईएमआई का भुगतान करना होता है जब तक कि फ्लैट घर खरीदारों को नहीं सौंप दिए जाते। बिल्डर जब बैंकों को किस्त का भुगतान नहीं करने लगे तो बैंकों ने घर खरीदारों से ईएमआई जमा करने को कहा। पीठ ने मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, 1,000 से अधिक व्यक्तियों की जांच करने एवं 58 परियोजना स्थलों का दौरा करके मामले को अपने हाथ में लेने के लिए केंद्रीय एजेंसी की सराहना की। शीर्ष अदालत ने कहा कि सीबीआई द्वारा दर्ज सातवीं प्रारंभिक जांच, जो सुपरटेक लिमिटेड को छोड़कर विभिन्न बिल्डरों की परियोजनाओं से संबंधित है और मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता, मोहाली एवं इलाहाबाद में हैं, अब भी जारी है। न्यायालय 1,200 से अधिक घर खरीदारों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है।

खेत में छिपे तेंदुए ने किसान को मार डाला

संवाददाता, धौरहरा (लखीमपुर खीरी)

- अन्य किसानों ने शोर-शराबा करते हुए भागकर जान बचाई

अमृत विचार : धौरहरा वन रेंज के गांव मल्लाबेहड़ में केले के खेत में काम कर रहे एक किसान पर छिपे बैठे तेंदुए ने हमला कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

किसान की चीख पुकार पर साथी मजदूरों ने किसी तरह से शोर शराबा किया और भागकर अपनी जान बचाई। शोर-शराबा होने पर तेंदुआ किसान को छोड़कर गन्ने के खेत में छिप गया। सूचना पर वन विभाग के साथ पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। धौरहरा वन रेंज के लखनपुरवा गांव निवासी सोबरन लाल केवट (70) शाम मल्लबेहड़ गांव के पास के खेत में काम करने गया था। खेत में छिपे तेंदुए ने हमला कर उसे मार डाला। शोर शराबा करते हुए अन्य किसानों ने भागकर अपनी जान बचाई। तेंदुए के हमले में किसान की मौत की खबर से क्षेत्र में दहशत व्याप्त हो गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंच गए और वन विभाग को सूचना दी।

वन विभाग की टीम पुलिस के साथ पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। क्षेत्रीय वनाधिकारी नृपेंद्र चतुर्वेदी ने बताया तेंदुए के हमले से बुजुर्ग की मौत हुई है। अहेतुक सहायता दी जाएगी। ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

सेना को मिले तीन अपाचे हेलिकॉप्टर

नई दिल्ली। वायु सेना के बाद अब सेना को भी अत्याधुनिक लड़ाकू अपाचे हेलिकॉप्टरों की ताकत मिल गई है और सेना के लिए तीन अपाचे हेलिकॉप्टरों की पहली खेप मंगलवार को हिंडन एयर बेस पर उतरी।

सेना ने इसे ऐतिहासिक क्षण करार दिया। सेना ने इन बहुउद्देशीय लड़ाकू हेलिकॉप्टरों की आपूर्ति की तस्वीर साझा करते हुए कहा कि उसकी विमानन शाखा के लिए तीन अपाचे हेलिकॉप्टरों की पहली खेप हिंडन एयर बेस पहुंच गई है। इन अत्याधुनिक हेलिकॉप्टरों से सेना की मारक क्षमता बढ़ेगी। अमेरिका की बोइंग कंपनी ने रक्षा मंत्रालय के साथ छह अपाचे हेलिकॉप्टरों की खरीद के अनुबंध के तहत पहली खेप भेजी है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

राज्य विधेयकों पर निर्णय देने की समय सीमा पर राष्ट्रपति मुर्मू ने मांगा है उच्चतम न्यायालय से परामर्श

राष्ट्रपति के सवालों पर कोर्ट ने मांगा केंद्र-राज्यों से जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक अहम संवैधानिक मुद्दे पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और सभी राज्यों से जवाब मांगा है। मामला राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए उस संदर्भ से जुड़ा है, जिसमें यह सवाल उठाया गया है कि क्या विधानसभा से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति द्वारा निर्णय लेने के लिए कोई समय-सीमा तय की जा सकती है। प्रधान न्यायाधीश बीआर. गवई की अध्यक्षता में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस. चंदुरकर की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अगले मंगलवार तक केंद्र और राज्यों से जवाब मांगा है।

पीठ ने कहा कि राष्ट्रपति के संदर्भ में जो मुद्दा उठाया गया है वह पूरे देश पर प्रभाव डालने वाला है। पीठ ने आदेश दिया कि संविधान की व्याख्या के मुद्दे हैं। हमने अटॉर्नी जनरल से सहायता करने का अनुरोध किया है। केंद्र और सभी राज्य सरकारों को नोटिस जारी करें। सॉलिसिटर जनरल केंद्र की ओर से पेश होंगे। सभी राज्य सरकारों को ईमेल के माध्यम से नोटिस भेजा जाए। इसे अगले मंगलवार को सूचीबद्ध करें। सभी स्थायी वकीलों को भी नोटिस भेजा जाए। मामले पर संक्षिप्त सुनवाई के दौरान केरल और तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ताओं केके. वेणुगोपाल और पी. विल्सन ने क्रमशः इस संदर्भ का विरोध किया और इसकी स्वीकार्यता पर सवाल उठाया।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ये आपत्तियां बाद में उठाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि मामले की सुनवाई अगस्त के मध्य में होगी। मई में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत 14 सवालों पर सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी थी।

राज्यपाल की शक्तियों को लेकर उठे थे सवाल

राष्ट्रपति का यह निर्णय आठ अप्रैल को उच्चतम न्यायालय के उस फैसले के संदर्भ में आया है जिसमें न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपाल की शक्तियों को लेकर उठाए गए सवाल पर निर्णय दिया था। उच्चतम न्यायालय ने पहली बार यह निर्धारित किया कि राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ रखे गए विधेयकों पर ऐसा संदर्भ प्राप्त होने की तिथि से तीन महीने के भीतर निर्णय लिया जाना चाहिए। पांच पृष्ठों के संदर्भ में राष्ट्रपति मुर्मू ने उच्चतम न्यायालय से प्रश्न पूछे और राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों पर निर्णय लेने में अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपालों एवं राष्ट्रपति की शक्तियों के संबंध में उसकी राय जानने का प्रयास किया।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 23 जुलाई 2025

पीलीभीत

जिले में आज

- पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में जल जीवन मिशन के अधिकारियों की बैठक सुबह 10 बजे।
- पुलिस लाइन समेत चार स्थानों पर परिवार परामर्श केंद्र शिविर सुबह 10 बजे।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे
- सत्यनारायण मंदिर में असहाय लोगों को भोजन वितरण दोपहर 12 :00 बजे।

न्यूज ब्रीफ

जालौन मजदूरी करने गए युवक की मौत

पूरनपुर, अमृत विचार : थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गांव गोरा के उस्मान (27) पुत्र नजमुल हसन बारह दिन पूर्व गांव के कुछ श्रमिकों के साथ जालौन के कालपी में धान रोपाई करने गए थे। सोते समय उस्मान को सांप ने डस लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी लगते ही परिजन जालौन रवाना हो गए। मृतक उस्मान की छह साल पहले शादी हुई थी।

एसडीएम ने व्यापारियों संग की बैठक

अमरिया, अमृत विचार : एसडीएम मयंक गोस्वामी ने मंगलवार को व्यापार मंडल संग बैठक की। इस दौरान कस्बे की समस्यायों पर चर्चा की गई। तहसील कार्यालय में हुई बैठक में व्यापार मंडल के पदाधिकारी शामिल हुए। इसमें सभी समस्याओं के समाधान के लिए कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस मौके पर असगर अली, जहीर मालिक, इमरान कादरी, मोहम्मद तारिक रज़ा, कौशल गुप्ता, तनु गुप्ता, एडवोकेट चन्द्र शेखर त्यागी आदि मौजूद रहे।

सांड़ से टकराकर बाइक सवार घायल

बरखेड़ा, अमृत विचार : कस्बा के वार्ड नंबर दस के निवासी 50 वर्षीय ओमप्रकाश गुप्ता की बजाज हिंदुस्थान चीनी मिल के सामने दुकान है। वह मंगलवार सुबह अपने घर से बाइक से दुकान पर जा रहे थे। इस दौरान बरखेड़ा पीलीभीत मुख्य मार्ग पर नोबेल शुगर लिमिटेड के समीप सांड़ से टकराकर घायल हो गए। उन्हें सीएचसी से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

हमलावर बाघिन को नहीं ढूंढ़ सका वन महकमा

मुख्य वन संरक्षक ने देर रात से मंगलवार सुबह तक बाघ प्रभावित गांवों का किया दौरा, जानी हकीकत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: न्यूरिया क्षेत्र में आंतक का पर्याय बनी हमलावर बाघिन का मंगलवार को भी कोई अता-पता नहीं चल सका। वन महकमे की ट्रेकिंग टीमें पूरे दिन चप्पे-चप्पे पर बाघिन की सटीक लोकेशन जानने के प्रयास में जुटी देखी गई। वहीं मुख्य वन संरक्षक रुहेलखंड क्षेत्र ने भी बाघ प्रभावित क्षेत्रों को दौरा कर वन अफसरों से जानकारी ली और सभी कैमरा ट्रेपिंग की रिपोर्ट भी तलब की।

जनपद के न्यूरिया क्षेत्र में बीते 9 जून से बाघिन की सक्रियता देखी जा रही है। बीते 9 जून से 17 जुलाई के बीच बाघिन के हमलों में तीन इंसानों की मौत हो चुकी है। जबकि एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए थे। वन महकमे की ओर हमलावर बाघिन को पकड़ने के लिए न्यूरिया क्षेत्र के 20 प्रभावित गांवों में अभियान चलाया जा रहा है। शासन के निर्देश

बाघ प्रभावित क्षेत्र में वन अफसरों व टीम के साथ खड़े मुख्य वन संरक्षक पीपी सिंह।

हमलावर बाघिन की तलाश करतीं टीम। ● अमृत विचार

- वन अफसरों से घटना स्थलों के आसपास लगे कैमरा ट्रेपिंग की तलब की रिपोर्ट

पर मुख्य वन संरक्षक रुहेलखंड क्षेत्र पीपी सिंह एवं मुरादाबाद वृत्त के वन संरक्षक एवं पीलीभीत टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर रमेश चंद्रा जनपद में डेरा डाले हुए हैं। यह दीगर बात यह है कि बीते 17 जुलाई से अभी तक बाघिन को नहीं देखा गया है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व एवं वन एवं वन्यजीव प्रभाग की 10 संयुक्त टीमें 20 प्रभावित गांवों में बाघिन को खंगालने में जुटी हुई हैं।

बाघिन की लोकेशन तलाशने के साथ ग्रामीणों को भी जागरूक किया जा रहा है, ताकि फिर कोई अनहोनी न हो। इधर सोमवार रात से मंगलवार देर शाम तक डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह एवं डीएफओ भरत कुमार डीके के नेतृत्व में टीमें बाघिन की तलाश में जुटी रहीं, मगर हमलावर बाघिन का कहीं कोई अता-पता नहीं चल सका। वन एवं वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके ने बताया कि ऑपरेशन लगातार जा रही है। हर संभव स्थान पर टीमें कॉबिंग कर रही है। अभी तक बाघिन की लोकेशन नहीं मिल सकी है।

सीसीएफ ने तड़के प्रभावित क्षेत्रों में की गश्त

शासन के निर्देश पर मुख्य वन संरक्षक रुहेलखंड क्षेत्र पीपी सिंह जनपद में कैंप किए हुए हैं। मंगलवार तड़के करीब 03 बजे मुख्य वन संरक्षक ने प्रभावित गांवों में वन अफसरों के साथ गश्त की और हालातों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने वन अफसरों के अलावा टीमों से भी जानकारी ली। इधर मंगलवार शाम को भी मुख्य वन संरक्षक बाघ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया और क्षेत्रीय कर्मचारियों से बातचीत कर स्थिति जानी। इस दौरान उन्होंने वन अफसरों ने क्षेत्रों में लगाए गए ट्रैप कैमरों की रिपोर्ट भी तलब की।

चीनी मिल के आधुनिकीकरण को मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- किसान नेता देवस्वरूप पटेल ने बीते दिनों केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद से की थी मांग

अमृत विचार: किसान नेता देवस्वरूप पटेल की ओर से दिए गए पत्र का केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद ने संज्ञान लिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है, जिसमें किसान हित में की गई बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल का आधुनिकीकरण/नवीनीकरण कराने का आग्रह किया है।

बता दें कि तहसील बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम बड़गांव के रहने वाले प्रांतीय संरक्षक क्रांतिकारी विचार मंच देवस्वरुप पटेल ने केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद को बीते दिनों पत्र सौंपा था। इसमें बताया था कि बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल की खस्ताहाल मशीनरी के कारण गन्ने की समय से पूरी क्षमता से पैराई नहीं हो पाती है। हर वर्ष मशीनरी की मरम्मत के लिए भारी भरकम बजट खर्च करना पड़ता है। फिर भी चीनी मिल लगातार घाटे में जा रही है। किसान को भी लाभांश नहीं मिल पाता, जबकि यह क्षेत्र गन्ना बाहुल्य है। किसानों को अपना गन्ना निजी चीनी मिलों को देना पड़ता है। सहकारिता क्षेत्र को राज्य एवं केंद्र सरकार बढ़ावा दे रही है। इसके क्रम में भारत सरकार ने पहली बार केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय विभाग बनाकर पूरे देश में सहकारिता का लाभ आम जनता तक पहुंचाने का बड़ा कार्य शुरू किया है। ऐसे में बीसलपुर सहकारी चीनी मिल का आधुनिकीकरण एवं नवीनीकरण कराने की मांग की गई थी। किसान नेता देव स्वरूप पटेल ने कहा कि केंद्रीय मंत्री के संज्ञान लेने के बाद बीसलपुर सहकारी चीनी मिल, जो 1977 में पूर्व मंत्री बाबू तेज बहादुर गंगवार के प्रयासों से स्थापित हुई थी, उसकी जल्द तस्वीर बदलने की उम्मीद जागी है। इसे लेकर उन्होंने आभार जताया।

निलंबित शिक्षक को चार्ज न देने पर जारी होगा नोटिस

संवाददाता, पूरनपुर

- केंद्रीय राज्यमंत्री से शिकायत के बाद की गई थी कार्रवाई

अमृत विचार: ग्रामीणों की शिकायत पर निलंबित किए गए प्राइमरी स्कूल के इंचार्ज अध्यापक को कोर्ट से भी राहत नहीं मिली। इसके बावजूद अध्यापक ने चार्ज नहीं छोड़ा। चार्ज न छोड़ने पर शिक्षक को नोटिस भेजने की तैयारी की जा रही है। उसके बाद विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

बीते दिनों केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद क्षेत्र में दौरे पर आए थे। इस दौरान गांव टांडा छत्रपति के ग्रामीणों ने प्राथमिक विद्यालय में तैनात इंचार्ज अध्यापक मोहम्मद साजिद हसनी की राज्यमंत्री से शिकायत की थी। इसमें ग्रामीणों ने इंचार्ज अध्यापक पर एक राजनीतिक पार्टी का प्रचार-प्रसार करने और शैक्षिक गुणवत्ता की शिकायत की थी। केंद्रीय राज्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेकर बीएसए को निर्देशित किया। उसके बाद अध्यापक साजिद हसनी को निलंबित कर दिया गया था। निलंबन को चुनौती देने के लिए अध्यापक साजिद कोर्ट चले गए। बताते हैं कि वहां से भी उन्हें राहत नहीं मिली और निलंबन कायम रहा। लेकिन इंचार्ज अध्यापक रहे साजिद हसनी ने चार्ज नहीं छोड़ा, जिससे स्कूल में अव्यवस्थाएं हावी हो गई हैं। खंड शिक्षा अधिकारी विजय वीरेंद्र सिंह ने बताया कि चार्ज न छोड़ने पर उन्हें नोटिस भेजा जाएगा।

हर माह होगा ग्रीन चौपाल का आयोजन

पीलीभीत, अमृत विचार: डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में सतत विकास की अवधारणा को जनमानस से जोड़ने के लिए सभी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकाय में प्रत्येक माह के तृतीय शुक्रवार को ग्राम चौपाल के साथ अनिवार्य रूप से ग्रीन चौपाल का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्रीन चौपाल ग्राम स्तर पर स्थानीय समुदायों, विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं की पर्यावरण संगत विकास संबंधी सक्रिय सहभागिता को प्रोत्साहित करेंगी। ग्रीन चौपाल का उद्देश्य वनों पर निर्भरता कम करना, गैर वन भूमि पर वृक्षारोपण को बढ़ावा देना, वन वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण में जनमानस की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना है।

आश्वासन पर स्थगित हुआ हिंदू महासभा का धरना

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

तहसीलदार सदर को ज्ञापन देते हिंदू महासभा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

- तहसीलदार सदर ने दिया मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन
- बोलीं: अगर कोई जिम्मेदार भ्रष्टाचार करेगा तो होगी कार्रवाई

अमृत विचार: भ्रष्टाचार के खिलाफ सदर तहसील में प्रस्तावित अखिल भारतीय हिंदू महासभा का धरना प्रदर्शन प्रशासनिक अधिकारियों से मिले आश्वासन के बाद स्थगित कर दिया गया। हालांकि कार्यकर्ता एकजुट होकर सदर तहसील पहुंचे और अपनी मांगों से जुड़ा ज्ञापन तहसीलदार अर्ची गुप्ता को सौंपा गया।

बता दें कि सदर तहसील में वर्षों से तैनात कानूनगो, लेखपाल समेत अन्य कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने बीते दिनों उनके स्थानांतरण की मांग से जुड़ा ज्ञापन कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा था। इस पर कोई एक्शन न लिए जाने पर मंगलवार को सदर तहसील में धरना-प्रदर्शन का ऐलान कर दिया था। इसके बाद खलबली मच गई। फिर जिम्मेदारों ने पदाधिकारियों से संपर्क साधा और वार्ता कर मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रस्तावित धरना स्थगित कर दिया गया। हालांकि मंगलवार को कार्यकर्ता तहसील परिसर में एकत्रित हुए। इसके बाद तहसीलदार सदर को मांगों से जुड़ा ज्ञापन सौंपा गया। तहसीलदार ने आश्वासन दिया कि जनता के कार्यों में कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी। अगर कोई भ्रष्टाचार करता है तो सख्त एक्शन लिया जाएगा। यह भी चेतावनी दी गई कि अगर आगे सुधार न हुआ तो आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष पंडित पंकज शर्मा, मयंक जायसवाल, गौरव शर्मा, आयुष सक्सेना, सुनील कश्यप, मयंक जायसवाल नंदू, राहुल देव, सर्वेश कुमार, हरिओम मिश्रा, राहुल राठौर, सनी कश्यप, दिनेश चंद्र सक्सेना, कमल कुमार प्रधान, अनिल कुमार, शलभ गंगवार, महेंद्र पाल शर्मा रहे।

SHAKUNTALAM MULTISPECIALITY HOSPITAL

शाकुन्तलम् मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. हिमानी गोयल ने बिना बच्चेदानी निकाले 8 किलो की रसौली निकालकर बचाई जान

इंजी. अगम कुमार मौर्य
चेयरमैन शाकुन्तलम् हॉस्पिटल

डॉ. अमन मौर्य
पूर्व रेजिडेंट ई.एस. आई.सी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व इमरजेंसी रेजिडेंट, अपोलो हॉस्पिटल, नॉएडा
पूर्व मेडिकल अफसर, (एनयूएचएम), बरेली

Doctor's Panel

डॉ. अमित कुशवाह
MBBS, MD
(Chest Specialist)

डॉ. ऋषि सैनी
MBBS, MD
(TB & Chest)

डॉ. संजय सिंह
MBBS, Dch., DNB
Pediatrics

डॉ. अदिती गुप्ता
MBBS, MD
Pediatrics

डॉ. अंशुल आर्या
MBBS, MS, M.Ch.
Burns Plastic & Maxillofacial Surgery

डॉ. आयुष रिछारिया
MBBS, MS, FMAS, FIAGES, MCH (CTVS)
Chief Cardiothoracic and. Vascular Surgeon

डॉ. ऋषि जिंदल
MBBS , DNB
(Senior General and Laparoscopic Surgeon)

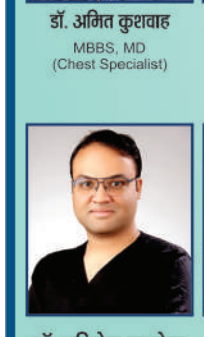

डॉ. अभिषेक सक्सेना
MBBS, MS
(Orthopaedic Surgery)

डॉ. आशुतोष कुमार
MBBS, MS
(Orthopedic)

डॉ. रोहित पल्लता
MBBS, MD (Medicine)

डॉ. हिमानी गोयल
MBBS, MS,
(Obs. & Gynae)

डॉ. सचिन कुमार
MBBS, MD
(Anesthesia)

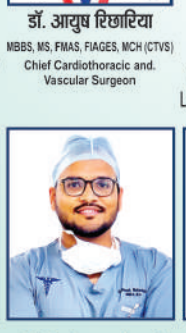

डॉ. हिमांक माहेश्वरी
MBBS, MS, FISCP, FIAGES
General Surgery

डॉ. विनोद मौर्य (P.T.)
D.P.T., B.P.T.,
M.R.P.P.A, M.I.H.F.A

हमारी विशेषताएं

- आर्थो
- मेडिसिन
- हृदय रोग
- टी.वी. एवं छाती
- प्रसति एवं स्त्री रोग
- प्लास्टिक सर्जरी
- इमरजेन्सी एवं ट्रामा
- न्यूरो
- सर्जरी
- यरोलॉजी
- पीडियाट्रिक्स
- एनेस्थीसिया
- फिजियोथेरेपी एवं रिहैविलिटेशन
- सी.टी.वी.एस.

शाकुंतलम मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम ने चिकित्सा क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल की है। 25 वर्षीय युवती की जान उस वक्त बचाई गई जब उसकी बच्चेदानी में लगभग 7-8 किलो की अत्यधिक बढ़ी हुई रसोली (फाइब्रॉएड) पाई गई। डॉक्टरों ने बिना किसी बड़ी जटिलता के ऑपरेशन कर सफलतापूर्वक रसोली को हटा दिया। यह ऑपरेशन डॉ. हिमानी गोयल और डॉ. सचिन कुमार की देखरेख में किया गया। युवती कई महीनों से पेट में दर्द, भारीपन और कमजोरी जैसी परेशानियों से जूझ रही थी। जब उसे हॉस्पिटल लाया गया, तो जांच में पता चला कि उसकी बच्चेदानी में एक बहुत बड़ी गांठ है, जो भविष्य में उसकी जान के लिए खतरा बन सकती थी।

डॉ. हिमानी गोयल (MBBS, MS) Obs & Gynae ने बताया, 'यह केस बेहद संवेदनशील था, क्योंकि गांठ बहुत बड़ी हो चुकी थी। हमने पूरी सावधानी के साथ ऑपरेशन कर उसे सफलतापूर्वक निकाला।' **डॉ. सचिन कुमार** (MBBS, MD) Anesthesia ने बताया कि मरीज को ऑपरेशन के दौरान पूर्ण बेहोशी दी गई और पूरे ऑपरेशन के दौरान उसकी स्थिति स्थिर रही। **डॉ. अमन मौर्य** की देखरेख में ऑपरेशन के बाद मरीज को कुछ दिनों तक निगरानी में रखा गया और अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। डॉक्टरों का मानना है कि समय रहते इलाज हो जाने से युवती की जान बच गई व बिना बच्चेदानी निकाले इतनी बड़ी रसौली निकाली गई और आशा है भविष्य में मरीज को गर्भावस्था भी धारण हो जायेगी। मरीज के परिजनों ने डॉक्टरों और हॉस्पिटल स्टाफ का धन्यवाद करते हुए कहा, 'हम बेहद घबराए हुए थे, लेकिन डॉक्टरों ने न सिर्फ हमारी बेटी की जान बचाई, बल्कि बहुत ही मानवीय तरीके से हमें पूरा समझाया और सहयोग किया।'

पता: निकट रामा पैलेस, 100 फुटा तिराहा, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

मो. +91-7302758064, 7302758067

वाल्मीकि एकता मंच के जिलाध्यक्ष ने डीएम से की शिकायत, दूसरे विभाग के अधिकारी से जांच कराने की मांग

आउटसोर्स कर्मियों से कराई नाला सफाई, दिखाए बाहरी श्रमिक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: मानसून को देखते हुए जलभराव से मुक्ति दिलाने को नाला सफाई के नाम पर नगर पंचायत नौगवां पकड़िया में भी खेल का शोर उठ गया है। आरोप है कि कर्मचारियों से नाले की सफाई कराई गई और जब शिकायत हुई तो आईजीआरएस का गलत तरीके से निस्तारण कर दिया गया। बताते हैं कि निस्तारण आख्या में बाहर से श्रमिक लगाकर सफाई कराने की बात कह दी गई है। नाला सफाई कार्य में धांधली और जांच में गोलमाल

- **नाला सफाई से जुड़ी आईजीआरएस की शिकायत का गलत निस्तारण करने का आरोप**

करने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय वाल्मीकि एकता मंच के जिलाध्यक्ष ने डीएम से शिकायत की है। इसमें किसी अन्य विभाग के अधिकारी से प्रकरण की जांच कराने की मांग की है।

राष्ट्रीय वाल्मीकि एकता मंच (भारत) के जिलाध्यक्ष राजकुमार ने डीएम से शिकायत की। इसमें बताया कि उन्होंने पूर्व में नगर पंचायत नौगवां पकड़िया से जुड़ी एक शिकायत आईजीआरएस

नगर पंचायत नौगवां पकड़िया। ● अमृत विचार

पर की थी, जिसे 14 जुलाई को मनमाने तरीके से निस्तारित कर दिया गया है, जबकि शिकायत से जुड़े ठोस साक्ष्य दिए गए थे। शिकायतकर्ता के अनुसार, निस्तारण में दर्शाया गया है कि नाला सफाई के लिए बाहर से श्रमिकों को बुलाया गया और उन्हीं से नाला सफाई कराई गई है, जबकि वास्तविकता ये है कि ठेकेदार वर्तमान में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों द्वारा दैनिक रूप से नाली व गलियों की सफाई का कार्य करा लिया गया जाता है। उन्हीं के द्वारा नाला सफाई, तलीझाड़ का कार्य कराया गया है। इसका फोटोग्राफ संग साक्ष्य भी दिया गया था।

ठेकेदार ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया था कि नाला सफाई कार्य के लिए अतिरिक्त भुगतान किया जाएगा, मगर कार्य के लिए सफाई कर्मचारियों को अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। नगर पंचायत नौगवां पकड़िया में 14 वार्ड है। प्रत्येक में दो-दो सफाई कर्मचारी नियुक्त हैं। कुल 28 सफाई कर्मचारी हैं।

ईओ द्वारा 15 सफाई कर्मचारियों के बयान लिए गए हैं, जो उनके पक्ष में दिए गए। 13 कर्मचारियों का अभी तक कोई बयान नहीं लिया गया है, जबकि इन्हीं के नाला सफाई करते हुए के फोटो साक्ष्य के तौर पर शिकायत के दौरान दिए गए। इस मामले की किसी अन्य विभाग के अधिकारी से जांच कराने की मांग की गई है, ताकि सफाई कर्मचारियों का शोषण रोका जा सके।

कारोबारी को गन प्वाइंट पर लेकर डकैती

सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के रायपुर बिचपुरी गांव में हुई वारदात, कारोबारी के बच्चे की गर्दन पर चाकू रख धमकाया

संवाददाता, पूरनपुर

अमृत विचार: फर्नीचर विक्रेता को गन प्वाइंट पर लेकर नकाबपोश बदमाशों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया। बच्चे की गर्दन पर चाकू रखकर उसे मारने की धमकी दी और सोने के जेवरात व नकदी समेट ले गए। वारदात अंजाम देने के बाद गृह स्वामी के हाथ पैर बांधकर डकैत भाग गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई है।

थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गांव रायपुर बिचपुरी के रहने वाले तफरुल हसन पुत्र जकरुल हसन की गांव में फर्नीचर की दुकान हैं। उन्होंने बताया कि रोज की तरह सोमवार रात वह और परिवार के अन्य सदस्य खाना खाकर सोने चले गए। दो वर्षीय पुत्र जियान उनके साथ कमरे में था। छोटा पुत्र रियान कमरे के बाहर उनकी पत्नी के साथ था। देर रात तफरुल लघुशंका करने के लिए उठे। उसके बाद कमरे में पहुंचते ही पीछे से पांच नकाबपोश बदमाश दीवार फांदकर

घटना के बाद कमरे में बिखरा सामान।

- **सोने के जेवरात और नकदी समेट ले गए नकाबपोश बदमाश, चांदी को नहीं लगाया हाथ**

घर में घुस आए। पहले तफरुल की कनपटी पर तमंचा रख शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी। इस पर वह घबरा गए। बदमाशों ने गन प्वाइंट पर लेकर नकदी और जेवर लूट लिए। घबराकर तफरुल ने कमरे में रखी अलमारी की ओर इशारा किया। विरोध करने पर उन्होंने बेड पर लेटे उनके बेटे जियान की गर्दन पर चाकू रख दिया और जान से मारने की धमकी दी।

बदमाशों ने उनके घर से करीब नौ तोला सोने के जेवरात और 42 हजार रुपये लूटे। खास बात रही कि चांदी के जेवरात को छुआ तक नहीं। इसके बाद आरोपी भाग गए। घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी गई। फर्नीचर विक्रेता के घर डकैती पड़ने की जानकारी लगते ही क्षेत्र में खलबली मच गई। गांव के तमाम लोग मौके पर जमा हो गए और जानकारी ली। सूचना मिलने पर थाना सेहरामऊ उत्तरी पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। गृह स्वामी ने बताया कि बदमाश घर के पीछे की दीवार से घुसे थे और घटना को अंजाम देने के बाद भाग गए। पीड़ित ने कार्रवाई के लिए पुलिस को तहरीर दी है।

> कुछ अन्य तथ्य प्रकाश में आए हैं। ये भी पता चला है कि संबंधित व्यक्ति ने एक व्यापारी के पास सोना गिरवी रखकर रुपये लिए हैं। कर्ज की बात भी सामने आई है। जांच चल रही है, जल्द खुलासा किया जाएगा।
> – **अभिषेक यादव**, एसपी

पुलिस को संदेह चल रही पड़ताल

डकैती की घटना को लेकर लोगों में दहशत बनी हुई है, लेकिन पुलिस घटना को संदिग्ध मान रही है। पुलिस के मुताबिक जिस दीवार से बदमाशों के घर में घुसने की बात कही जा रही है, वहां किसी के भी पैरों के निशान नहीं है। घर में सो रही महिलाओं को भी इसकी भनक नहीं लग सकी। इन सब सवालों को लेकर पुलिस घटना को संदिग्ध मान रही है।

कमरे में पहुंची पत्नी तो बेड के नीचे बंधे मिले तफरुल

घर में डकैती की वारदात के दौरान पांच बदमाशों ने कमरे में रखा सारा सामान खंगाल डाला। अलमारी में रखे सोने के जेवर डिब्बों से निकाल लिए। इस दौरान घर में सो रहीं तफरुल की पत्नी और बहन को घटना की भनक तक नहीं लग सकी। उनकी मां घर में नहीं थी। आभूषण और नगदी लूटने के बाद बदमाशों ने तफरुल के हाथ पर बांध दिए थे और मुंह में कपड़ा ठूंस उसे बेड के नीचे डालकर बदमाश भाग गए थे। देर रात उठी तफरुल की बहन ने जब कमरे की लाइट बंद देखी तो अपनी भाभी को जगाया। पत्नी और बहन कमरे में गई तो बेड पर बालक लेटा हुआ था। तफरुल नहीं दिख रहे थे। बेड के नीचे आहट होने पर पत्नी और बहन ने तफरुल को बाहर निकाल कर हाथ पैर खोले। उसके बाद तफरुल ने उन्हें घटना के बारे में बताया तो सभी के होश उड़ गए।

भाई और साले के जेवरात भी ले गए डकैत

रायपुर बिचपुरी में ही तफरुल की ससुराल है। कुछ दिन पहले भाई जबरूल धान रोपाई करने बाहर चले गए। उनके साथ तफरुल का साला इसामुल्ला भी गया। जबरूल और इसामुल्ला अपने घर के जेवर सुरक्षित रखने के लिहाज से तफरुल के घर में रख गए थे। पीड़ित ने बताया कि डकैत उनके परिवार के जेवरों के साथ ही घर पर रखे भाई जबरूल और साले इसामुल्ला के परिवार के जेवर भी समेट ले गए हैं। इसकी जानकारी दोनों लोगों को दे दी गई है, जिसके बाद से वह भी परेशान हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

गजरौला, अमृत विचार: काम निपटाकर घर जा रहे बाइक सवार युवक की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद मृतक के परिवार में चीख पुकार मची रही।हादसा सोमवार रात करीब साढ़े दस बजे हुआ। सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बुजकसवान के रहने वाले 35 वर्षीय तस्लीम पुत्र अहमद नवी काम निपटाकर पूरनपुर की तरफ से लौट रहे थे।

असम हाईवे पर गजरौला थाना क्षेत्र में माला मोड़ के पास पहुंचते ही उनकी बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। शव की उस वक्त तक शिनाख्त नहीं हो सकी थी, जिसके चलते उसे मोर्चरी में रखवा दिया गया था। इसके बाद दूसरे दिन मंगलवार को शव की शिनाख्त हुई। गजरौला पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। कार्रवाई के लिए परिजन से तहरीर मांगी गई है।

फंदे से लटका मिला युवती का शव, मची खलबली

घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस और घर के बाहर लगी भीड़। ● अमृत विचार

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार: संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवती की मौत हो गई। उसका शव अपने ही मकान में फंदे से लटका मिला। दोपहर में खेत से घर पहुंचे पिता के शव देख होश उड़ गए। पुलिस मौका मुआयना कर जानकारी जुटा छानबीन कर रही है।

बरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम पतरासा कुंवरपुर निवासी दयानंद खेती कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। मंगलवार को वह खेत पर चले गए थे। पत्नी मुन्नी देवी बड़ी पुत्री पूनम के बच्चों की दवा दिलाने के लिए कस्बा बरखेड़ा गई थी। दो पुत्र हैं, जिसमें से एक रिश्तेदारी में गया हुआ था, दूसरा बीमार रहता है, जो गांव में ही कहीं था। घर पर 19 वर्षीय पुत्री खुशबू अकेली थी। दोपहर करीब ढाई बजे वह खेत से घर पहुंचे। इस दौरान मकान का मेन गेट भीतर से बंद था। कई बार आवाज लगाने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई तो वह पड़ोस की तरफ से अपने मकान में पहुंचे। बताते हैं कि बरामदे में खुशबू का शव फंदे से लटका था और नीचे एक प्लास्टिक का ड्रम रखा हुआ था। शोर पर आसपास के तमाम ग्रामीण जमा हो गए। सूचना बरखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। परिवार वाले भी कोई खास वजह नहीं बता सके। इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार बिश्नोई ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

दो बहनें लापता, चाचा और भतीजे पर रिपोर्ट

पूरनपुर, अमृत विचार: चार दिन पहले भतीजा चाचा की मदद से दो सगी बहनों को बहला फुसला कर ले गया। दोनों युवतियां घर से जेवर और नगदी भी ले गई। परिजनों ने उन्हें ले जाने वाले युवक पर गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत की। पुलिस ने आरोपी चाचा भतीजे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के पिपरा मुजप्ता के रामजीत का आना-जाना था। 18 जुलाई को रामजीत अपने चाचा अमित की मदद से 14 साल की किशोरी और उसके ताऊ की 13 वर्षीय पुत्री को बहला फुसलाकर लेकर चला गया। आरोप है कि दोनों किशोरियां घर से सोने चांदी के जेवर, 15 हजार रुपये ले गई हैं। एक किशोरी की मां ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। आरोप है कि रामजीत पहले भी कई युवतियों को ले जा चुका है। मारपीट करने के बाद उन्हें छोड़ दिया। पुलिस ने रामजीत और उसके चाचा अमित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

कार्यालय खाली कराने के मामले में 24 को परखी जाएगी मौके की स्थिति

कार्यालय संवाददाता,पीलीभीत

अमृत विचार: नगर पालिका के ईओ आवास में संचालित सपा कार्यालय को खाली कराने के मामले में सपा की ओर से कमीशन को लेकर दिए गए प्रार्थना पत्र को न्यायालय ने स्वीकार किया है। अब अमीन सिविल न्यायालय मौके की वास्तविक स्थित को परखेंगे। इसके लिए 24 जुलाई की तिथि नियत की गई है।

बता दें कि नकटादाना चौराहा पर स्थित नगर पालिका के ईओ आवास को समाजवादी पार्टी कार्यालय के लिए वर्ष 2005 में बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पास करके समाजवादी पार्टी के कार्यालय के लिए किराए पर दिया था। इसके बाद 2020 में आवंटन निरस्त कर दिया गया। फिर ईओ आवास को खाली कराने के लिए

- **सपा का कमीशन प्रार्थना पत्र स्वीकार, सिविल न्यायालय सीनियर डिवीजन ने किए आदेश**

तमाम प्रयास हुए लेकिन सपाई न्यायालय की शरण में गए और मामला अटका रहा। बीते 18 मई को चेयरमैन डॉ.आस्था अग्रवाल ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और इस मामले को रखा।

शासन के संज्ञान लेने के बाद प्रशासन भी हरकत में आया और फिर 18 जून को सपा कार्यालय पर पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में नगर पालिका ने ईओ आवास पर कब्जा ले लिया। हालांकि पहले से सपा का ताला पड़ा था और अन्दर सामान भी सपा का रखा था। नगर पालिका ने अपने ताले भी डाल दिए और रंगाई-पुताई कराकर भवन पर ईओ आवास लिख दिया गया। फिर पूर्णतया कब्जे को लेकर कवायद चली, लेकिन मामला जस का तस है। सपा नेताओं ने सिविल न्यायालय सीनियर डिवीजन की शरण ली। बीते दिनों कमीशन अप्लीकेशन न्यायालय में दी गई थी।

सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने बताया कि सपा की कमिशन के प्रार्थना पत्र को सिविल न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है। अब इस मामले में मौके की स्थिति जानने के लिए 24 जुलाई की तिथि नियत की गई है। अमीन सिविल न्यायालय इस तिथि पर मौके की स्थिति की जांच कर रिपोर्ट न्यायालय में देंगे। यह भी कहा कि पार्टी की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर भी सपा जिलाध्यक्ष की ओर से पोस्ट की गई। फिलहाल मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

अब ग्रामीण अंचलों में स्थापित होंगे एफएसटी प्लांट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जनपद में अब शहर की तर्ज पर ग्रामीण अंचलों में एफएसटीपी (फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट) स्थापित किए जाएंगे। शासन ने जनपद में दो एफएसटीपी इकाई स्थापित करने को मंजूरी भी दे दी है। इसके लिए पूरनपुर एवं बीसलपुर ब्लॉक का चयन किया है। जिलाधिकारी ने दोनों तहसीलों के उप जिलाधिकारियों एवं खंड विकास अधिकारियों को एफएसटीपी के लिए भूमि चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता को लेकर तरह-तरह के इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि गांवों में भी शहरों की तर्ज पर साफ-सफाई रह सके। इसी के मद्देनजर शासन स्वच्छ भारत मिशन के तहत एफएसटीपी इकाई तैयार कराने के लिए कदम उठा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में सेप्टिक टैंकों से निकलने वाले सीवर का पूरी तरह से ट्रीटमेंट किया जाएगा। इसके लिए दो

- **शासन ने पूरनपुर एवं बीसलपुर ब्लाक में एफएसटीपी निर्माण को दी मंजूरी**
- **सेप्टिक टैंकों से निकलने वाले फीकल स्लज का होगा ट्रीटमेंट पानी और खाद होगी तैयार**

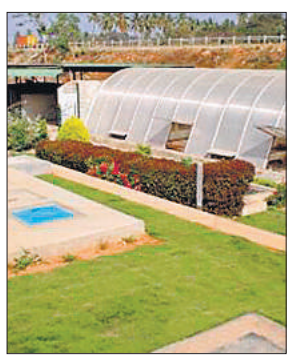

फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट तैयार कराया जाएगा। इसको लेकर शासन की ओर से प्रस्ताव मांगा गया है। पिछले दिनों जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुई जिला स्वच्छता समिति की बैठक में एफएसटीपी इकाई को लेकर चर्चा की गई, जिसमें पूरनपुर एवं बीसलपुर ब्लाक को एफएसटीपी इकाई के उपयुक्त माना गया। दोनों ब्लॉकों में एसएफटीपी का निर्माण कराया जाएगा।

जनपद में अभी पीलीभीत सदर में नगर पालिका का फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट बना हुआ है। अब पूरनपुर और बीसलपुर ब्लाक में भी एक-एक फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जाना है। ऐसे में अब जनपद में तीन फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट होने से सभी सात ब्लाकों को आसानी से कवर किया जा सकेगा। स्वच्छ भारत मिशन के डीसी अमित कुमार के मुताबिक दोनों ब्लाकों में 06 से 10 केएलडी क्षमता के फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांटों का निर्माण कराया जाएगा।

इनका निर्माण आबादी क्षेत्र से 250 से 500 मीटर दूरी पर कराया जाएगा, ताकि लोगों को दुर्गंध, शोर व संक्रमण की समस्या का सामना न करना पड़े। एफएसटीपी के संचालन के लिए 30 किलोवाट बिजली और पांच हजार लीटर पानी की जरूरत होगी।

खेतों के लिए मिलेगा खाद और पानी

फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से सेप्टिक टैंकों से निकलने वाले फीकल स्लज का ट्रीटमेंट किया जाएगा। इसमें फीकल स्लज से पानी और खाद तैयार कराई जाएगी। पानी को शुद्ध किया जाएगा। उपचारित पानी सिंचाई या फिर पशुओं के पीने योग्य होगा, जबकि ठोस पदार्थों से खाद तैयार किया जाएगा। खाद का प्रयोग खेतों में किया जाएगा। इससे जैविक खेती को जिले में बढ़ावा मिलेगा। वहीं फीकल स्लज के सुरक्षित निपटान से रोगाणुओं व कार्बनिक पदार्थ कम होंगे।

> जनपद में दो फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जाना है। इसको लेकर पूरनपुर और बीसलपुर ब्लाक का चयन किया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा दोनों तहसीलों के उप जिलाधिकारी एवं खंड विकास अधिकारियों को प्लांट का निर्माण कराने के लिए भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए गए हैं। जमीन मिलने पर दोनों प्लांट का निर्माण होगा।
> – **रोहित भारती**, जिला पंचायत राज अधिकारी

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 23 जुलाई 2025

पीलीभीत

बोर्ड बैठक में कई मुद्दों पर हुई बात, हुई बहस

नगर पालिका की बोर्ड बैठक में टैक्स, निर्माण तो कुछ सभासदों ने उठाया कर्मचारियों के शोषण का मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : नगर पालिका की बोर्ड बैठक मंगलवार को कई मुद्दों को लेकर हुई बहस के बीच हंगामेदार रही। बैठक में कर्मचारियों के शोषण का मुद्दा उठाया गया। सुनगढ़ी पुलिस भी नगर पालिका में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर मुस्तैद रही। फिलहाल बैठक में मुद्दों पर तीखी बहस और आरोप-प्रत्यारोप चलते रहे।

नगरपालिका सभागार कक्ष में मंगलवार दोपहर बोर्ड बैठक बुलाई गई। अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल, अधिशासी अधिकारी संजीव कुमार के साथ ही तमाम सभासद शामिल हुए। बैठक की शुरुआत पिछली बोर्ड बैठक की पुष्टि के प्रस्ताव से हुई। बताते हैं कि कुछ सभासदों ने इसे लेकर आपत्ति की। उनका कहना था कि प्रस्ताव पर तत्कालीन अधिशासी अधिकारी के हस्ताक्षर नहीं हैं। सभासद चेतन गंगवार ने आपत्ति जताई कि मार्च के बाद अब तक कोई बैठक नहीं बुलाई गई है, जबकि बजट बैठक फरवरी या मार्च में ही हो जानी चाहिए थी। राज्यमंत्री के प्रतिनिधि राकेश सिंह ने इसे प्रोसिडिंग में दर्ज कराने की मांग की। सफाई व्यवस्था को लेकर सभासद रत्ना शुक्ला और शिखा वर्मा ने अपनी बात रखी।

वहीं, सभासद शिवम श्रीवास्तव ने जलापूर्ति, पाइपलाइन और हैंडपंप की मरम्मत को लेकर जानकारी मांगी। टैक्स वृद्धि के मुद्दे पर सभासद पुष्पा उपाध्याय ने सवाल किए। निर्माण कार्यों पर चर्चा के दौरान सभासद सुरेश कुमार और एहसान अली खान ने सवाल उठाए। बैठक के समापन से पहले जब प्रोसिडिंग को लेकर विवाद बढ़ा तो नए अधिशासी अधिकारी संजीव कुमार ने सभासदों को आश्वस्त किया कि प्रोसिडिंग में वही लिखा जाएगा, जो बोर्ड में कहा गया है। बोर्ड बैठक के दौरान कई सफाई कर्मचारी परिसर में मौजूद रहे। इसे लेकर तमाम मायने निकाले जाते रहे।

बोर्ड बैठक में मौजूद पालिका अध्यक्ष, ईओ और सभासद। ● अमृत विचार

टीम बनाकर सफाई व्यवस्था का करें निरीक्षण लापरवाही पर कार्रवाई: डॉ. आस्था

बोर्ड बैठक के दौरान शहर में सफाई व्यवस्था, पथ प्रकाश, जलापूर्ति, कर निर्धारण और निर्माण संबंधी विषयों पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पालिकाध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने निर्देश दिए कि प्रतिदिन टीम बनाकर पालिका के अधिकारी मोहल्ले में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान वार्ड में उपस्थित कर्मचारियों की उपस्थिति भी चेक की जाएगी। अव्यवस्था मिलने और कर्मचारियों के गैर हाजिर होने पर कार्रवाई की जाएगी। ये भी बताया कि सावन माह को देखते हुए प्रमुख मंदिरों और कांवड़ यात्रियों के मार्ग पर पथ प्रकाश व्यवस्था ठीक करा दी गई है। स्ट्रीट लाइट से संबंधित कर्मचारियों को इसकी लगातार निगरानी के निर्देश दिए। ईओ संजीव कुमार ने कहा कि सभी वार्डो में कराए गए निर्माण कार्य की सूची बनाई जा रही है। जिन स्थानों पर सड़कों का निर्माण नहीं हो सका है, वहां निर्माण कराया जाएगा। गृह कर और जलकर वसूली की जानकारी दी।

छात्र संख्या कम मिलने पर बीएसए ने जताई नाराजगी

संवाददाता, पूरनपुर

अमृत विचार: बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह और खंड शिक्षा अधिकारी विजय वीरेंद्र सिंह ने मंगलवार को क्षेत्र के परिषदीय स्कूलों का निरीक्षण किया। इस दौरान नारायणपुर चांट फिरोजपुर में पंजीकृत 82 छात्रों के सापेक्ष 53, गैरतपुर जपती में 124 बच्चों में महज 72 बच्चे उपस्थित पाए गए। विद्यालय की रंगाई पुताई नहीं कराई गई थी। परिसर में घास और गंदगी मिलने पर बीएसए ने इंचार्ज अध्यापक को दो दिन में सफाई कराने के निर्देश दिए।

गैरतपुर जप्ती के प्राथमिक स्कूल में बीएसए ने छात्र-छात्राओं को ब्लैक बोर्ड पर पढ़ाया। सिरसा के प्राथमिक स्कूल में पंजीकृत 161 बच्चों मात्र 105 बच्चे उपस्थित पाए गए। इस पर बीएसए ने नाराजगी व्यक्त की। स्टाफ को छात्र संख्या बढ़ाने को कहा गया।

गैरतपुर जप्ती के प्राथमिक स्कूल में पढ़ाते बीएसए अमित कुमार सिंह।

सिरसा के उच्च प्राथमिक विद्यालय में 110 छात्रों में 45 छात्र उपस्थित मिले। स्टाफ से अभिभावकों से संपर्क कर छात्र उपस्थित बढाने के निर्देश दिए गए। स्कूल के जर्जर कमरों में ताला लगाकर भवन पर जर्जर भवन लिखवाने को कहा गया। इस दौरान अधिकारियों ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी स्कूलों के इंचार्ज अध्यापकों से टैबलेट के माध्यम से नौ प्रकार के रजिस्टर जल्द से जल्द ऑनलाइन करने के निर्देश दिए गए।

सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने को अभियान शुरू

बीसलपुर, अमृत विचार: एसडीएम की गुवाई में ग्राम समाज की भूमि को कब्जा मुक्त कराने के लिए अभियान की शुरुआत की गई है। एसडीएम नागेंद्र पांडे ने बताया कि क्षेत्र के कई गांव में ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जा है। कुछ में तो पता चला है कि उनकी बिक्री तक करने का प्रयास किया जा रहा है। राजस्व निरीक्षक, लेखपाल द्वारा सर्वे कराकर ऐसे में लोगों को चिह्नित किया गया। मंगलवार को इसे लेकर कार्रवाई की शुरुआत की गई है। ग्राम करनपुर लायक राम में सरकारी भूमि पर प्लाटिंग की जा रही थी। नायब तहसीलदार अवधेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने जेसीबी से निर्माण ध्वस्त कराया है। बुधवार को भी अभियान चलाया जाएगा।

गूलरबोझ गोशाला से उजागर हुई गोवंश की बदहाली, संगठनों ने जताई नाराजगी

संवाददाता, अमरिया

अमृत विचार: गोवंशीय पशुओं के संरक्षण को लेकर शासन प्रशासन सख्त है, मगर गोशालाओं की दुर्दशा दूर नहीं हो पा रही है। अब गूलरबोझ में बनी गोशाला में अव्यवस्था उजागर हुई है। यहां पर तीन पशुओं की मौत हो गई। पशु चिकित्साधिकारी ने मौके पर पहुंचकर बिना पोस्टमार्टम ही शवों को दफन करा दिया गया।

क्षेत्र की ग्राम पंचायत गुलरबोझ में बनी गोशाला में पशुओं की देखभाल को लेकर सवाल उठे हैं। तीन गावेंश की मौत और एक के गंभीर बीमार होने की बात कही गई है। बताते हैं कि यहां 100 गोवंश आश्रित हैं, लेकिन जियो टैग 78 गोवंश का ही है। इन पशुओं की देखभाल और चारा खिलाने के लिए केयरटेकर नियुक्त है। गोवंश को पर्याप्त हरा चारा नहीं मिल पा रहा। मंगलवार को राष्ट्रीय योगी सेना, बजरंग दल, गोरक्षा दल की टीम के गजेंद्र भास्कर, धर्मेंद्र कुमार, अमित माथुर, विक्की मौर्य, मुकेश बाबू, अजय मौर्या, जितेंद्र मौर्य, निर्मल मौर्य आदि पहुंचे और अव्यवस्था पर नाराजगी जताई। इसकी सूचना मिलने पर पशु चिकित्साधिकारी धन सिंह भी पहुंचे और जानकारी की। तीन मृत गोवंश को दफन कराया गया।

पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि तीन गोवंश मृत थे, जिनको दफन करा दिया गया है। एक गोवंश को बैल ने मारा था, जिसके कौवा आंख पर बैठ गया होगा। घायल पशुओं का लगातार इलाज चल रहा है।

गोवंश की मौत के बाद मौके पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

● **तीन पशुओं की मौत के बाद उठाए गए सवाल**

मवेशियों को खुरपका व मुंहपका रोग से बचाएगा पशु पालन विभाग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: बरसात के मौसम में पशुओं में खुरपका और मुंहपका बीमारी फैलना शुरू होती है। विषाणु जनित यह रोग आसानी से एक पशु से दूसरे में पहुंच जाता है। उपचार न मिलने पर पशु की मौत भी हो जाती है। जागरूकता और कुछ सावधानियां बरत कर किसान या पशुपालक अपने पशुओं को स्वस्थ रख सकते हैं। वहीं पशु पालन विभाग भी जनपद में पशुओं को खुरपका मुंहपका रोग से बचाने के लिए बुधवार से टीकाकरण अभियान शुरू करने का जा रहा है। इसको लेकर 3.35 लाख वैक्सीन भी जनपद को मिल चुकी है। अभियान को लेकर सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं।

जनपद में खुरपका और मुंहपका बीमारी पशुओं में फैलना शुरु हो गई है। इस बीमारी को मुंहपका, खुरपका, चपका, खुरपा आदि नाम से भी जाना जाता हैं। यह संक्रामक बीमारी गाय, भैंस, भेड़ आदि में होती है। विदेशी एनं संकर नस्ल की गायों में यह बीमारी गंभीर रूप धारण कर लेती है। दुधारू पशुओं में दूध कम हो जाता है। बैल काफी समय तक काम करने लायक नहीं रहते। इधर खुरपका और मुंहपका रोग से बचाव के लिए पशुपालन विभाग की ओर से जनपद में 23 जुलाई से टीकाकरण अभियान होने जा रहा है। पशुओं को बीमारी से बचाने के लिए जनपद को 3.35 लाख वैक्सीन भी उपलब्ध करा दी है। जो मुख्यालय स्तर से सभी 16 पशु चिकित्सालयों को भेजी जा चुकी है। टीकाकरण को पूरा करने के लिए प्रत्येक ब्लॉक पर टीमें बना दी गई है। जो घर-घर जाकर पशुओं का टीकाकरण करेगी।

> शासन के निर्देशानुसार जनपद में 23 जुलाई से खुरपका एवं मुंहपका रोग से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान को लेकर सभी पशु चिकित्सालयों में वैक्सीन पहुंचा दी गई है। बुधवार से टीमें घर-घर जाकर पशुओं का टीकाकरण करेगी। - डॉ. पीके त्यागी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी।

● **आज से टीकाकरण अभियान 3.35 लाख वैक्सीन से पशुओं को सुरक्षित करने की होगी कवायद**

मुख्य लक्षण

- प्रभावित होने वाले पैर को झाड़ना (पटकना)
- पैरो में सूजन (खुर के आस-पास)
- अल्प अवधि (एक से दो दिन) का बुखार
- खुर में घाव होना एवं घावों में कीड़ा हो जाना
- मुंह से लार गिरना
- जीभ, मसूड़े, ओष्ट आदि पर छाले पड़ जाना।

ईको चालक ने शराब के नहीं दिए पैसे, कैंटीन संचालक को घसीटा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● **कई राहगीर चपेट में आने से बचे, मचा हड़कंप**

अमृत विचार : बिना रुपये दिए शराब लेकर भागे ईको चालक को रोकना कैंटीन संचालक को भारी पड़ गया। ईको चालक कैंटीन संचालक को 200 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया।

सड़क किनारे खड़े कई लोग भी चपेट में आने से बच गए। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर जांच कर रही है। सदर कोतवाली क्षेत्र के रोडवेज के समीप स्थित एक शराब की दुकान पर मंगलवार शाम साढ़े 6 बजे एक ईको चालक शराब लेने पहुंचा। शराब लेने के बाद उसने रुपये नहीं दिए और ईको में बैठकर जाने लगा।

यह देखकर कैंटीन संचालक मोहल्ला बागगुलशेर खां निवासी कृष्णा ने रुपये मांगे। आरोप है कि ईको चालक ने वाहन स्टार्ट कर वहां से भागने का प्रयास किया। इस दौरान कैंटीन संचालक को 200 मीटर घसीटते हुए एकता सरोवर चौराहे के आगे तक ले गया। एकता सरोवर पार्क के पास सड़क किनारे बैठे तीन लोग भी ईको की चपेट में आने से बच गए। काफी लोग जमा हुए युवक को बचाया।

सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ईको चालक को हिरासत में ले लिया। कोतवाल राजीव कुमार सिंह ने बताया कि ईको को कब्जे में ले लिया गया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। ईको चालक का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है।

घर के आगे खड़ी बाइक चोरी

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला हबीबुल्लाह खां जनूबी निवासी आदिल खान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी बाइक रविवार को घर के बाहर से चोरी हो गई। जिसका कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विवाहिता को पीटने का आरोप

बीसलपुर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला दुर्गाप्रसाद के निवासी सोनम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पति विशाल कुमार ने उकसे साथ मारपीट की। जान से मारने की धमकी दी गई। पहले भी कई बार मारपीट करने का आरोप लगाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीटीआर मुख्यालय पर हुई प्रतियोगिता में दिखाया हुनर

पीलीभीत, अमृत विचार: विश्व बाघ दिवस के उपलक्ष्य में पीलीभीत टाइगर रिजर्व मुख्यालय पर जिला स्तरीय भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पीलीभीत टाइगर रिजर्व मुख्यालय पर हुई प्रतियोगिताओं की शुरुआत डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने किया।

भाषण प्रतियोगिता में अंगूरी देवी सरस्वती बालिका इंटर कॉलेज की शिवे शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि राजकीय इंटर कॉलेज पौटाकलां की शिफा बी और एसआरएम इंटर कॉलेज बीसलपुर की महजबी ने क्रमश द्वितीय और तृतीय स्थान पाया। चित्रकला प्रतियोगिता में एसआरएम इंटर कॉलेज की लक्ष्मी ने प्रथम, राजकीय इंटर कॉलेज पौटाकलां की काम्या गंगवार ने द्वितीय व राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की जूही मंडल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजयी प्रतिभागियों को 29 जुलाई को विश्व बाघ दिवस पर सम्मानित किया जाएगा।

पीलीभीत डायरी

जलभराव: दुकानदारों ने किया प्रदर्शन

बीसलपुर, अमृत विचार : बरेली और खुदागंज मार्ग पर भड़रिया तिराहे के पास मामूली बारिश के बाद जलभराव हो रहा है। मंगलवार को स्थानीय दुकानदारों नेइसके विरोध में प्रदर्शन कर नारेबाजी की और आगामी सोमवार से पूर्व इसे दुरुस्त कराने की मांग की। इस मौके पर वीरेंद्र कुमार, सुनील कुमार, रणजीत सिंह, हरीश वर्मा, अनिल कुमार श्रीवास्तव, नेत्रपाल, युधिष्ठिर पाल, मनीष कुमार आदि मौजूद रहे।

शिखा, पिंकी व कशिश ने मारी बाजी

पीलीभीत, अमृत विचार : स्प्रिंगडेल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में भूजल सप्ताह के तहत जल सुरक्षित तो कल सुरक्षित विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई। इसकी शुरुआत कार्यकारी निदेशक डॉ. हेमन्त जगोता ने कराई। कहा कि चित्रकला विद्यार्थियों को चित्रकारी, पेंटिंग के माध्यम से खुद को अभिव्यक्त करना सिखाती है। जिसके माध्यम से वह अपने विचारों और भावनाओं को अमौखिक और अशाब्दिक तरीके से व्यक्त करते हैं। प्रतियोगिता में छात्रा शिखा सिंह प्रथम, पिंकी और कशिश संयुक्त रूप से द्वितीय और छात्र शिवम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर तुलसी, सदफ, कशिश, वर्षा आदि मौजूद रहे।

वेश होता है विद्यार्थी की पहचान

मझोला, अमृत विचार : चौधरी उमराव सिंह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मंगलवार को वेश प्रतियोगिता हुई। इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि दीपिका सिंह, प्रधानाचार्य भानु प्रताप सिंह और सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य धनपाल सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित और व पुष्पार्चन करके कराई। मुख्य अतिथि दीपिका सिंह ने विद्यार्थियों के वेश का मूल्यांकन किया। बताया कि विद्यालय का वेश विद्यार्थी की पहचान होता है। बाल वर्ग में कक्षा आठ के छात्र कृषानु मित्रा, कक्षा छह के छात्रा अनमोल और कक्षा आठ की छात्रा नुपुर ढाली ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सफाईकर्मियों से जॉब कार्ड के हिसाब से ली जाए ड्यूटी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● **उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन**

● **सफाई के लिए उपकरण जैसे ठेली, झाड़ू, फिनायल आदि की व्यवस्था की मांग की**

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष राजेश बाबू, महामंत्री परमात्मा स्वरूप वर्मा ने मंगलवार को मरौरी ब्लॉक के एडीओ पंचायत को ज्ञापन सौंपा। जिसमें सफाई कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित समस्याओं का निस्तारण कराने की मांग की है।

एडीओ पंचायत को सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि सफाई कर्मचारियों की कई समस्याएं लंबित हैं। इनका निराकरण कराना आवश्यक है। डीपीआरओ की ओर से सफाई उपकरण को लेकर आदेश किए गए थे, लेकिन प्रधान सचिव के स्तर से उस पर अमल नहीं किया गया है। मांग की गई कि जिन ग्राम पंचायतों में सफाई कर्मचारियों को किट नहीं दी गई है, उन्हें तत्काल मुहैया कराई जाए। सफाई कर्मचारियों से जॉब चार्ट के हिसाब से काम लिया जाए। ब्लॉक स्तर पर सफाई के लिए उपकरण जैसे ठेली, फावड़ा, पंजी, खुरपी, झाड़ू, फिनायल आदि की व्यवस्था की जाए। कर्मचारियों को उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर अन्य विभागों द्वारा जबरन सौंपे गए कार्यों में न लगाया जाए।

पानी की एक-एक बूंद का किया जाए संचयन

पीलीभीत, अमृत विचार : समाधान विकास समिति के तत्वाधान में भूजल संरक्षण सप्ताह मनाया जा रहा है। इसे लेकर मंगलवार को भी कार्यक्रम हुआ, जिसमें भूजल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस दौरान पोस्टर प्रतियोगिता भी कराई गई। इसमें राधिका वर्मा, नैंसी, यशवी वर्मा, सुहानी, प्रिया, शिवि शर्मा सावित्री देवी, सपना ने अच्छा प्रदर्शन किया। प्रिया कश्यप, पलक कोरंगा और नैना ने प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। समिति की अरुणा देवी, सुमन देवी, गुंजन शर्मा ने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि भूजल संरक्षण सप्ताह में जो सीख ली, उसे व्यवहार में लाने का संदेश दिया गया। पानी बचाने और उसके विवेकपूर्ण उपयोग, पानी की हर बूंद का संचयन, परिवारजनों, मित्रों और पड़ोसियों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया।

न्यूज ब्रीफ

हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से सात कांवड़िया झुलसे

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव परौरी से कुछ कांवड़िया मंगलवार को कांवड़ लेकर छोटी काशी जा रहे थे। शहर से सटे थाना फरधान क्षेत्र में लालपुर चौराहे के आगे उनकी ट्रैक्टर-ट्राली लटक रहे हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गई। इससे ट्रैक्टर-ट्राली पर बैठे और उसे पकड़ कर चल रहे कांवड़िया शिवम (16) पुत्र महेश, विकास (13) पुत्र मल्लू, रवि पुत्र सत्यवान, सुमित पुत्र रमेश निवासी निघासन, गोविंद (7) पुत्र अनिल निवासी कोष्टवा, विनय (15) पुत्र लेखराम, पवन (18) पुत्र बहादुर झुलस गए। झुलसे पवन की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि बाकी अन्य कांवड़िया काफी डरे हुए हैं। सूचना पर पहुंचे सीओ सिटी रमेश कुमार तिवारी ने सभी कांवड़ियों को जिला अस्पताल भेजा है।

नाली विवाद में दबंगों ने महिला को मारा फावड़ा

केशवापुर, अमृत विचार : कोतवाली गोला में दी तहरीर में पीड़िता शीलम देवी पत्नी छोटेलाल ने कहा है कि 22 जुलाई सुबह आठ बजे घर का गंदा पानी सामने नाली में पाइप से गिरता था, सड़क का निर्माण हो रहा है, जिससे घर का निकला पाइप हटा दिया गया, जिसके बाद से विपक्षी सुदर्शन लाल और अमित कुमार पीड़िता का पानी पाइप से नाली में गिराने नहीं दे रहे थे। गाली-गलौज करते हुए सुदर्शन लाल ने पीड़िता पर फावड़ा चला दिया, फावड़े का कोना शीलम देवी के दाहिने हाथ में लगा है। डरे सहमे परिवार ने थाना प्रभारी निरीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है।

आत्महत्या को उकसाने पर पिता-पुत्र पर रिपोर्ट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक व्यक्ति ने बेटी को आत्महत्या के लिए उकसाने पर पिता पुत्र के नामजद रिपोर्ट दर्ज करा दी है। कोतवाली क्षेत्र के गांव कुंदनपुर निवासी ओमप्रकाश पुत्र फूलचंद ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उसकी बेटी मोहिनी का गांव निवासी रवि पुत्र मनोहर से प्रेम प्रसंग था। रवि और उसके पिता के उकसाने पर उनकी बेटी ने फांसी लगाकर जान दी है। अब पिता पुत्र दोनों उसे जानमाल की धमकी देते हैं। उसने पिता पुत्र के नामजद आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

अभद्र रील बनाने पर युवती के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : बजरंग दल के तमाम कार्यकर्ता मंगलवार को डीएम कार्यालय पहुंचे। उन्होंने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को सौंपे गए ज्ञापन में कहा है कि युवती का इंस्टाग्राम पर अकाउंट है। वह धार्मिक स्थानों पर फिल्मी गानों पर आपत्तिजनक रील बनाकर अपलोड करती है। सिगरेट-शराब के साथ भी रील बनाती है। उसके खिलाफ पहले भी थाना शारदा नगर और सदर कोतवाली में शिकायत दर्ज हुई थी, जिस पर पुलिस ने उसे चेतावनी देकर छोड़ दिया था। आरोप है कि सोमवार को थाना शारदा नगर के गांव कोठिया में कांवड़ यात्रा के दौरान विवाद हुआ। युवती ने मौके पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को गालियां दी। मोबाइल फोन छीनकर धमदी की। युवती की इस हरकत से जिले का माहौल खराब हो सकता है। कार्यकर्ताओं ने युवती के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है।

पिटाई कर बीसी संचालक से चार लाख लूटे

दो बाइकों पर आए 4 बदमाशों ने दिया घटना को अंजाम, एक अन्य वारदात में किसान से 1.2 लाख की लूट

संवाददाता, लखीमपुर खीरी / धौरहरा

अमृत विचार: जिले में बेखौफ बदमाशों ने एक बार फिर पुलिस को खुली चुनौती दी है। मंगलवार सुबह कुछ घंटों के अंतराल में लूट की दो वारदातों से धौरहरा क्षेत्र के लोग दहल उठे। दिनदहाड़े दो बाइकों पर सवार होकर आए चार बदमाशों ने महादेव तुलसीराम पुरवा के पास इंडियन बैंक के बीसी संचालक को रोक लिया। उसकी पिटाई कर चाकू के बल पर बैग छीनकर भाग गए। बैग में चार लाख रुपये थे। मौके पर पहुंचे एसपी संकल्प शर्मा ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और बीसी संचालक से घटना की जानकारी ली। पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर ही रही थी कि तभी बदमाश भैंस बेचकर जा रहे एक किसान से 1.20 लाख रुपये लूटकर भाग निकले।

पहली घटना पढुआ थाना क्षेत्र के मुन्नूपुरवा गांव निवासी अमित कुमार शुक्ला के साथ हुई। वह इंडियन बैंक धौरहरा का पहाड़ियापुर स्थित ग्राहक सेवा केंद्र का संचालक है। अमित कुमार शुक्ला ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 10 बजे वह चार लाख रुपये बैग में रखकर बाइक से अपने ग्राहक सेवा केंद्र जा रहा था।

धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के महादेव तुलसीराम पुरवा के पास पीछे से दो बाइकों पर सवार होकर आए चार बदमाशों ने ओवरटेक कर उसकी बाइक रोक ली। वह कुछ समझ पाता इससे पहले ही बदमाशों ने उसकी कनपटी पर चाकू रख दिया। विरोध करने पर पिटाई कर दी। चाकू से भी वार किया जो उसके हाथ में लगा, इससे वह घायल हो गया और बदमाश बैग लूटकर भाग निकले। बदमाशों के जाने के बाद उसने शोर मचाया तो तमाम राहगीर मौके पर पहुंच गए।

घटना स्थल पर बीसी संचालक से घटना की जानकारी करते एसपी संकल्प शर्मा।

एएसपी के नेतृत्व में चार टीमें गठित

एसपी संकल्प शर्मा ने घटना के खुलासे के लिए एएसपी पूर्वी पवन कुमार गौतम के नेतृत्व में चार टीमें गठित कर लगाई हैं। सीओ शमशेर बहादुर और प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार मिश्रा ने टीमों के साथ मिलकर बदमाशों की खोजबीन में जुट गए हैं। उधर क्राइम ब्रांच की स्वॉट और सर्विलांस टीम को भी खुलासे में लगाया गया है। टीमें रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है।

सूचना पर सीओ शमशेर बहादुर सिंह, प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार मिश्रा और एएसपी पूर्वी एएसपी पवन कुमार गौतम मौके पर पहुंचे। इसके कुछ ही देर बाद एसपी संकल्प शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंच गए। एसपी ने बीसी संचालक से घटना की जानकारी ली। बाद में पुलिस उसे लेकर कोतवाली आए और उसके बयान दर्ज किए। दूसरी घटना कस्बा धौरहरा निवासी ढोढे पुत्र हनीफ के साथ हुई।

> घटना के खुलासे से लिए टीमें लगाई गई हैं, जो अपना काम कर रही है। सीसीटीवी फुटेज की भी मदद ली जा रही है। जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।
> -पवन कुमार गौतम, एएसपी पूर्वी

सीओ समेत पुलिस अधिकारी बीसी संचालक के साथ हुई घटना की जांच पड़ताल कर ही रहे थे। इस बीच दो घंटे के भीतर दो बाइकों पर सवार बदमाशों ने दूसरी घटना को अंजाम दे दिया। किसान ढोढे ने बताया कि वह पशु बाजार से भैंसा बेचकर घर जा रहा था। दो बाइक पर सवार बदमाशों ने उसे रोक लिया और उससे एक लाख 20 हजार रुपये लूट कर भाग निकले। पुलिस ने दोनों घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जांच में हॉस्पिटल से लेकर डॉक्टर की डिग्री भी फर्जी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- मितौली के मेडोलक्स हॉस्पिटल में महिला की मौत मामले में 4 नामजद

अमृत विचार: मितौली के मेडोलक्स हॉस्पिटल में महिला की मौत के बाद शुरू हुई जांच में कई राज सामने आए हैं। टीम को न तो अस्पताल का पंजीकरण मिला और न ही डॉक्टर की डिग्री सही पाई गई। उत्तराखंड के जिस रजिस्ट्रेशन नंबर का प्रयोग का जा रहा था, वह भी फर्जी निकला। इस पर अस्पताल संचालक समेत चार के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष गुप्ता के निर्देश पर डिप्टी सीएमओ डॉ. अमितेश दत्त द्विवेदी के नेतृत्व में 16 जुलाई को मितौली पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने मेडोलक्स अस्पताल में जांच की थी। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में अनेक अनियमितताएं मिलीं। साथ ही 25 अप्रैल को अस्पताल में भर्ती अंजली पत्नी विपिन कुमार निवासी हैदरनगर का ऑपरेशन करने से पहले तमाम चिकित्सकीय लापरवाही मिलीं।

सीएचसी अधीक्षक डॉ. देवेंद्र सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में लिखा है कि अस्पताल के चिकित्सक डॉ. आनंद कुमार, डॉ. राम अवध और डॉ. अस्पताल संचालक अनिल कुमार ने गंभीर लापरवाही बरती है। मरीज के पित्ताशय में पथरी थी। मरीज का समुचित परीक्षण किए बिना उसे ऑपरेशन रूम में ले जाया गया। इतना ही नहीं ईसीजी से लेकर ब्लड रिपोर्ट में संकेतों को दरकिनार कर दिया। इतना ही नहीं मरीज की मृत्यु कॉर्डियोजीनिक शॉक के कारण हुई, जिसकी रोकथाम समय रहते समुचित चिकित्सा व्यवस्था प्रक्रिया के पालन से संभव थी। तहरीर में यह भी लिखा है कि डॉ. राम अवध का ओटी में न होना गंभीर कदाचार की श्रेणी में आता है।

कल बंद रहेगी गोला जंगल वाली क्रॉसिंग

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: लखीमपुर-गोला रेलखंड पर गोला जंगल वाली क्रासिंग पर ओवरब्रिज निर्माण के चलते रेलवे ने गुरुवार को ब्लॉक किया है। रेलवे का इंजीनियरिंग विभाग ट्रैक के पैकिंग एवं जरूरी मरम्मत कार्य सुबह नौ से शाम सात बजे तक कराएगा। इसलिए पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर लखीमपुर और गोला के बीच वाहनों का आना-जाना नहीं होगा। रेलवे के सेक्शन सीनियर इंजीनियरिंग ने वाहनों का रूट डायवर्जन करने के लिए जिला प्रशासन को पत्र लिखा है। कार्य कराने के लिए रेलवे अधिकारियों ने 24 जुलाई को सुबह नौ से शाम 7 बजे तक वाहनों का आना-जाना प्रतिबंधित करने की अनुमति को जिला प्रशासन को पत्र लिखकर यातायात का डायवर्जन करने की अनुमति मांगी है।

सीडीओ ने अनुपस्थित कर्मियों पर दिए कार्रवाई के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सीडीओ अभिषेक कुमार ने मंगलवार को ब्लॉक नकहा एवं ग्राम बड़ागांव का निरीक्षण किया। इस दौरान ब्लॉक स्तर पर कर्मचारियों की अनुपस्थिति, निर्माण कार्यों की धीमी गति एवं स्वास्थ्य सेवाओं की अनियमितता पाई गई। लापरवाहियों को गंभीरता से लेते हुए सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए निर्देशित किया है।

सीडीओ ने ब्लॉक नकहा का निरीक्षण किया। सुबह 10:15 बजे पहुंचते ही उपस्थिति रजिस्टर की जांच की, जिसमें 14 नियमित कार्मिकों में से सिर्फ 5 और 12 संविदा कर्मियों में से 4 कर्मचारी

ब्लॉक नकहा कार्यालय में उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण करते सीडीओ अभिषेक कुमार।

- निरीक्षण के दौरान एडीओ पंचायत एडीओ समाज कल्याण व एडीओ आईएसबी थे अनुपस्थित

उपस्थित थे। निरीक्षण में एडीओ पंचायत, एडीओ समाज कल्याण और एडीओ आईएसबी तक अनुपस्थित मिले। इस पर सीडीओ ने नियमित कर्मियों का एक दिन का वेतन काटने और संविदा कर्मियों का मानदेय रोकने के निर्देश दिए।

सीडीओ ने ब्लॉक परिसर के पटलों का निरीक्षण किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की प्रगति कमजोर पाई गई। आरएफ, सीसीएल और सीआईएफ से संबंधित समूहों की संख्या और लाभ वितरण की स्पष्ट जानकारी मौजूद नहीं थी। इस पर नाराजगी जताई।

ग्राम सचिवालय में लापरवाही, वेतन व मानदेय रोका

ग्राम सचिवालय में दी जा रही सेवाओं की स्थिति भी संतोषजनक नहीं मिली। शिकायत पंजिका और परिवार रजिस्टर अद्यतन नहीं मिले। सीडीओ ने ग्राम पंचायत सचिव का वेतन और पंचायत सहायक का मानदेय रोकने के आदेश दिए। सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी
BTE CODE - 2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानानकार बहेड़ी, बरेली
DSR PUBLIC SCHOOL
Approved By - CBSE BOARD (NEW DELHI)
Affiliation No : 2132019 (NC to XIIth)
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

किशोरी से छेड़छाड़ में दोषी को साढ़े तीन साल की सजा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- साथ ही छह हजार रुपये का अर्थदंड भी देना होगा

अमृत विचार: थाना मैगलगंज क्षेत्र में एक किशोरी से हुई छेड़छाड़ मामले में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो कोर्ट गुलाम मुस्तफा ने आरोपी को दोषी पाया है। दोष सिद्ध होने पर कोर्ट ने उसे तीन साल छह माह की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर छह हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है।

अभियोजन अधिकारी पॉक्सो बृजेश कुमार पांडेय ने बताया कि घटना 23 सितंबर 2016 की है। थाना मैगलगंज क्षेत्र की एक किशोरी सुबह सात बजे खेतों की तरफ शौच के लिए गई थी। तभी आरोपी अंकित कुमार ने उसे पकड़ लिया और उसके साथ छेड़छाड़ की। शोर मचाने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी और भाग गया। पुलिस ने पीड़ित किशोरी के पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। विवेचना के बाद पुलिस ने चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की।

प्रकरण की सुनवाई विशेष न्यायाधीश पॉक्सो कोर्ट गुलाम मुस्तफा की कोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान दोष सिद्ध होने पर कोर्ट ने अभियुक्त अंकित कुमार निवासी सिमरा घाट मजरा बशीर नगर थाना मैगलगंज को 3 वर्ष 6 माह की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 6000 जुर्माना लगाया है। जुर्माना की आधी राशि पीड़िता को दिए जाने का भी आदेश दिया है।

टूटी बैरीकेडिंग की मरम्मत शुरू

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: सावन के दूसरे सोमवार को छोटी काशी में शिव भक्तों, कांवड़ियों का ऐसा सैलाब उमड़ा, जिसे लोहे की बैरिकेडिंग भी रोक नहीं पाई। श्रद्धालुओं के दबाव के चलते लोहे की बैरिकेडिंग उखड़ गई। मुख्य प्रवेश द्वार से पौराणिक शिव मंदिर तक छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर निर्माण यूपीपीसीएल की कार्यदाई संस्था ने श्रद्धालुओं, कांवड़ियों के शिव मंदिर तक पहुंचाने और सुगमता से दर्शन करने हेतु लोहे की बैरिकेडिंग लगवाई थी। सावन के दूसरे सोमवार को श्रद्धालुओं की भीड़ के दबाव के चलते रेलिंग टूट गई, जिसे कार्यदायी संस्था रीना कंस्ट्रक्शन के अवर अभियंता विवेक वाजपेयी की देखरेख में दोबारा लगवाया जा रहा है।

जीएसटी पंजीयन के लिए व्यापारियों को किया जागरूक

संवाददाता, पसगवां

- वाणिज्य कर अधिकारी ने जीएसटी से जुड़ी व्यापारियों की समस्याओं को सुना

अमृत विचार: जीएसटी पंजीयन जागरुकता विशेष अभियान के तहत वाणिज्य कर अधिकारी संजय शर्मा ने कस्बा जंगबहादुरगंज में व्यापारियों को रजिस्ट्रेशन कराने के लिए जागरूक किया। सभी व्यवसायियों से जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराने की अपील करने के साथ ही जीएसटी से जुड़ी व्यापारियों की तमाम समस्याओं को सुना और उनके समाधान के रास्ते भी बताए।

उन्होंने कहा कि फर्म का जीएसटी रजिस्ट्रेशन होने पर सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा जिससे व्यापार की उन्नति होगी। जीएसटी के सभी कार्य ऑनलाइन किए जा सकते हैं। अन्य राज्यों से की गई खरीद पर आईटीसी निर्बाध की सुविधा मिलेगी। यह भी बताया कि एक करोड़ पांच लाख के वार्षिक कारोबार पर समाधान योजना लागू होने के साथ ही सरल रिटर्न व पंजीकृत व्यापारी का 10 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा होगा जिसकी कोई प्रीमियम देय नहीं होगी।

शून्य खरीद-बिक्री का रिटर्न एसएमएस से भी दाखिल हो सकेगा। पांच करोड़ तक का वार्षिक कारोबार करने वाले व्यापारियों को तिमाही रिटर्न करना होगा।

जीएसटी पंजीकरण के लिए व्यापारी को जागरूक करते वाणिज्य कर अधिकारी संजय शर्मा।

किसानों ने सिकंद्राबाद पॉवर हाउस का किया घेराव

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- जोरदार प्रदर्शन और की नारेबाजी एक्सईएन के आश्वासन पर माने

अमृत विचार: सिकंद्राबाद पॉवर हाउस के अंतर्गत हरीनगर फीडर के किसान लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती से परेशान होकर सुबह 10 बजे पॉवर हाउस पहुंचे, जिन्होंने विरोध प्रदर्शन, नारेबाजी कर पॉवर हाउस का घेराव किया। पॉवर हाउस के कर्मचारियों से झड़प होने पर उन्होंने आनन-फानन में डायल 100 बुलाकर अपना बचाव किया।

भारतीय किसान मजदूर यूनियन के जिलाध्यक्ष हेमसिंह यादव ने बताया कि लो वोल्टेज, टू फेस बिजली कटौती बहुत बड़ी समस्या है। सभी लोग संगठन के साथ-साथ किसान भी हैं। लोगों ने बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए एसडीएम और अधिशासी अभियंता को कई बार ज्ञापन दिया मगर सुनवाई नहीं हुई। किसान संगठित होकर पॉवर हाउस में क्षमता वृद्धि की मांग करते हैं।

किसान नेताओं का कहना है कि सिकंद्राबाद पॉवर हाउस के अंतर्गत हरीनगर फीडर हमेशा किसानों को रुलाता है। कभी 2 घंटे तो कभी 4 घंटे बिजली मिलती है। लो वोल्टेज से किसान जूझता है। धान की फसल सूख रही है लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। 24 घंटे टू फेस लाइट दी जाती है, अगले 24 घंटे 3 फेस मिलती है वह भी ट्रिपिंग की भेंट चढ़ जाती है। थक हार कर किसानों ने भारतीय किसान एवं मजदूर यूनियन राष्ट्रवादी जिलाध्यक्ष हेमसिंह यादव के नेतृत्व में सिकंद्राबाद पॉवर हाउस प्रदर्शन कर धरना दिया।

मौके पर पहुंचे एसडीओ अभिषेक गुप्ता, नायब तहसीलदार सर्वेश कुमार ने किसानों से ज्ञापन देने को कहा तो मना कर दिया एवं एक्सईएन अरविंद कुमार को मौके पर बुलाने पर अड़ गए। शाम चार बजे एक्सियन अरविंद कुमार मौके पर पहुंचे तो किसानों ने उनको ज्ञापन दिया। एक्सईएन ने आश्वासन दिया कि कल सुबह पूरी लाइन का सर्वे खुद करके किसानों के लिए कुछ विकल्प अवश्य निकालेंगे। धरना, प्रदर्शन में किसान सोनपाल सिंह, पुनीत सिंह, सियाराम, सतीश कुमार, रविंद्र सिंह, ओमप्रकाश, अशोक कुमार, राजीव कुमार, चंद्रभान, रामपाल, संजय मिश्रा, नरेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

TOSHIBA AIR CONDITIONING
Carrier turn to the experts
Symphony
3M HOME WATER FILTRATION
BLUE STAR
IFB
DRI Innovative Air Solutions
HAVELLS Heat Pump Water Heater Now Save energy with every bath
GRUNDFOS
STIEBEL ELTRON
आपके विश्वास के लिए निरन्तर बेहतर तकनीकि और बेहतर कुशलता के साथ समर्पित
We Providing a range of HVAC solutions including air-to-water heat pumps, VRF Systems, Packaged Terminal air Conditions, water filtration and purification solutions for both residential and industrial applications & also providing a centralized hot water heat pump solution. Our Focus on Delivering Energy-Efficient, Cost Effective solutions.
अरविन्द कुमार
मो. 9719101668
AMBIENCE COOLING CORPORATION LLP
UG-22, Awadh Plaza, Janakpuri, Bareilly- 243122
ambiencecooling11@gmail.com

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 23 जुलाई 2025

खीरी

सोलर फर्टिलिटी क्लिनिक
30 वर्ष कार्यकाल
9000 से अधिक सफलता
महिला या पुरूष दोनों में संतानहीनता या सेक्स दुर्बलता की जांच व इलाज के लिए मिलें।
चिकित्सक

डॉ. वंदना संजीव
(MBBS, MD, MIAP)
Female Fertility and IUI Consultant
महिलाओं में हार्मोन्स विकार, अनियमित माहवारी, PCOS मोटापा, इन्फेक्शन बार बार होने वाले गर्भपात बंद नलियों या अंडों के न बनने जैसे संतानहीनता के समस्त कारणों की जांच व इलाज
जरूरी मामलों में दर्द रहित कृत्रिम गर्भाधान (IUI)
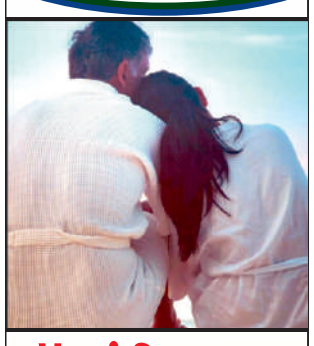
डॉ. संजीव कुमार
(MBBS, MD, MIAP)
Male Fertility and Sperm Biotech Specialist & Male/Female Sex Specialist
पुरूषों में शुक्राणु संबंधी सभी कमियों, निल शुक्राणु आदि की जांच व इलाज।
पुरूषों महिलाओं में सेक्स समस्याओं की वैज्ञानिक जांच व इलाज
निल शुक्राणु वाले लाइलाज मामलों में गर्भधारण हेतु शुक्राणु बैंक व कृतिम गर्भाधान की सुविधा
सम्पर्क
प्रातः 11 से 2 बजे
सायं 6 से 7 बजे
रविवार बन्द
सोलर फर्टिलिटी एवं सेक्स क्लीनिक
साकेत कॉलोनी, 148-सिविल लाइन्स, समीप एक्सिस बैंक व चौकी चौराहा, बरेली
मो. 9927788842
0581-2510177

छात्रों के अभिभावकों को भेजा जा रहा नोटिस

प्रकरण: विद्यालय नहीं पहुंची जांच टीम, पूरे दिन होता रहा इंतजार, पुलिस फोर्स रहा तैनात

संवाददाता, मितौली

अमृत विचार: कस्बे के जवाहर नवोदय विद्यालय में सोमवार को छात्रों के खुद को हॉस्टल के एक कमरे में बंद करने के मामले में प्राचार्य ने छात्रों और उनके अभिभावकों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। विद्यालय के प्राचार्य की तरफ से छात्रों के अभिभावकों को अनुशासनहीनता का नोटिस भेजे जाने लगे हैं। इससे छात्रों और उनके अभिभावक छात्र के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उधर, गठित जांच टीम दूसरे दिन भी विद्यालय नहीं पहुंची। सुरक्षा की दृष्टि से दूसरे दिन भी विद्यालय परिसर में भारी पुलिस बल तैनात रहा।

सोमवार को जवाहर नवोदय विद्यालय के कक्षा 9 से 12 के करीब 160 छात्रों ने खुद को हॉस्टल में कैद कर लिया था। करीब 10 घंटे तक चले दौर के बाद भी जब छात्र बाहर नहीं आए तो प्रशासन ने दरवाजा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला। दोपहर सहायक आयुक्त सुमन कुमार भी विद्यालय पहुंचे और छात्रों को काफी समझाया, लेकिन छात्र प्रधानाचार्य को बर्खास्त करने की मांग कर रहे थे। सहायक आयुक्त सुमन कुमार ने उच्च अधिकारियों से वार्ता का प्राचार्य को छुट्टी पर भेज दिया था। उप प्राचार्य को कार्यभार सौंप दिया था।

कुल 173 छात्रों में से कुछ बच्चे पहले से ही छुट्टी पर थे। प्रदर्शन में लगभग 160 बच्चे शामिल थे। प्रदर्शन खत्म होने के बाद डीएम के आदेश पर प्रदर्शन में शामिल 80 बच्चे शाम को ही घर भेज दिए गए थे। दूसरे दिन मंगलवार की सुबह शेष बचे 75 बच्चों को उनको परिजन घर लेकर चले गए। सुरक्षा की दृष्टि से विद्यालय परिसर में दूसरे दिन भी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस आने-जाने वाले हरेक व्यक्ति पर सतर्क नजर रख रही है।

जवाहर नवोदय विद्यालय में तैनात पुलिस बल। ● अमृत विचार

विद्यालय का निरीक्षण कर प्रभारी प्राचार्य से जानकारी लेते एसडीएम मधुसूदन गुप्ता।

● दूसरे दिन भी छावनी बना रहा विद्यालय परिसर

उधर पूरे घटनाक्रम की जांच के लिए एडीएम नरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में गठित टीम को दूसरे दिन जांच के लिए आना था, लेकिन टीम शाम तक नहीं पहुंची। टीम में जिला विद्यालय निरीक्षक अनुराग मिश्रा व सीओ जितेंद्र सिंह परिहार भी शामिल हैं।

प्राचार्य आरके सिंह ने प्रदर्शन में शामिल छात्रों को नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। जिसमें उनकी संलिप्तता मिलने की बात कही गई है। साथ ही विद्यालय से निष्कासित करने की चेतावनी दी गई है। नोटिस जाने के बाद छात्र और अभिभावकों की परेशानी बढ़ गई है। प्रभारी निरीक्षक शिवाजी दुबे ने बताया कि सुरक्षा के व्यवस्था को लेकर एक दरोगा, दो सिपाही व एक महिला सिपाही की तैनाती की गई है। इसके अलावा दो गार्ड भी ड्यूटी पर तैनात हैं।पुलिस आने-जाने वाले लोगों पर नजर बनाए हैं।

एसडीएम और तहसीलदार का स्थानांतरण

मितौली। कस्बा के जवाहर नवोदय विद्यालय में छात्रों द्वारा प्राचार्य के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन के बाद मितौली एसडीएम और तहसीलदार को डीएम ने स्थानांतरित कर दिया है। एसडीएम रेणु मिश्रा को गोला न्यायिक मजिस्ट्रेट के पद पर भेजा है। गोला न्यायिक मजिस्ट्रेट मधुसूदन गुप्ता को एसडीएम मितौली बनाया है। तहसीलदार ज्योति वर्मा का स्थानांतरण पलिया किया है। नायब तहसीलदार दिनेश कुमार को प्रभारी तहसीलदार मितौली की जिम्मेदारी दी गई है। इन तबादलों को जवाहर नवोदय विद्यालय में छात्रों के 10 घंटे चले हाईप्रोफाइल ड्रामे से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि अफसर इसे रुटीन तबादला बता रहे हैं।

नवागत एसडीएम ने प्रभारी प्राचार्य से ली जानकारी

मितौली। नवागत एसडीएम मधुसूदन गुप्ता मंगलवार की शाम को जवाहर नवोदय विद्यालय पहुंचे। उन्होंने प्रभारी प्राचार्य से सोमवार को हुए पूरे घटनाक्रम की पूरी जानकारी ली। इसके बाद विद्यालय का बारीकी से निरीक्षण किया। वहां मौजूद व्यवस्थाओं और वर्तमान स्थिति की हकीकत जानी। एसडीएम के निरीक्षण से मौके पर मौजूद कर्मचारियों में खलबली मची रही।

सड़क किनारे तड़प रहे घायल को देख एसपी ने रुकवाई कार

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार: धौरहरा कोतवाली से वापस जाते समय एसपी की नजर रेहुआ चौराहा के पास घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़े एक युवक पर पड़ी। उन्होंने अपनी कार रुकवाई और उतरकर घायल के पास पहुंचे और उन्होंने तुरंत ही उसे पुलिस जीप से अस्पताल भिजवाया।

धौरहरा क्षेत्र में बीसी संचालक से लूट की वारदात होने पर एसपी संकल्प शर्मा धौरहरा आए थे। जिला मुख्यालय वापस लौटते समय उनकी नजर रेहुआ चौराहे के पास सड़क पर घायल अवस्था में पड़े बाबलू (20) पुत्र बाबूराम निवासी चंदी भानपूर कोतवाली तंबौर (सीतापुर) पर पड़ी। उन्होंने तत्काल अपनी कार रुकवाई और घायल के पास पहुंचे और उसे तत्काल अस्पताल भिजवाने और बेहतर इलाज कराने का आश्वासन देते हुए ढांढस बंधाया।

उन्होंने घायल को पुलिस वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खमरिया भेजा। एसपी ने बताया कि किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से वह घायल हुआ था। उसे तड़पता मौके पर छोड़कर चालक वाहन समेत भाग गया। यह देख लोग एसपी संकल्प शर्मा की सराहना कर रहे हैं।

● पुलिस वाहन से भेजा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खमरिया

सड़क किनारे घायल को देखते एसपी संकल्प शर्मा। ● अमृत विचार

गन्ना सर्वे सट्टा प्रदर्शन को दिए दिशा- निर्देश

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: बजाज चीनी मिल और गन्ना विकास परिषद की संयुक्त बैठक चीनी मिल सभागार में हुई, जिसमें ग्राम स्तरीय सट्टा प्रदर्शन के लिये कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक आशुतोष मधुकर ने 63 कॉलमों में दर्ज मोबाइल नम्बर, बैंक खाता, आधार, बेसिक कोटा, पेड़ी, पौधा, कुल भूमि आदि के सम्बंध में कर्मचारियों को निर्देशित किया कि किसानों को समस्त जानकारी देते हुए सट्टा प्रदर्शन करें। जिन किसानों का बेसिक कोटा कट रहा हो वह 15 सितंबर तक उपज बढ़ोत्तरी की रसीद अवश्य कटा लें।

चीनी मिल के वरिष्ठ महाप्रबंधक गन्ना पीएस चतुर्वेदी ने कहा कि किसान सभी सूचनाओं को विधिवत देख लें। यदि कोई भी सर्वे सम्बन्धी शिकायत है तो तत्काल प्रार्थना पत्र देकर सुधार करा लें। उन्होंने बताया कि 20 जुलाई से 30 अगस्त तक प्रत्येक गांव में मिल और समिति कर्मचारी पहुंचकर सट्टा प्रदर्शन करेंगे, जिसमे अनबोंडेड एरिया को प्रदर्शन के समय ही कर्मचारियों से मिलकर नया सदस्य बनकर, खतौनी देकर व पारिवारिक फटवारा कराकर बोंडेड में परिवर्तित करा लें।

श्री चतुर्वेदी ने बताया कि नए सदस्य बनना शुरू हो गए हैं, जिसकी अन्तिम तिथि 30 सितम्बर है। इससे पूर्व ही सदस्यता ग्रहण कर लें। सट्टा प्रदर्शन के ग्रामवार प्रोग्राम की सूचना एसएमएस द्वारा कृषकों के मोबाइल पर भेज दी गयी है। बैठक में सहायक महाप्रबंधक गन्ना ओडी शर्मा, प्रबन्धक गन्ना सत्येंद्र कुमार मिश्र, संजीव चौधरी, अतिरिक्त प्रबन्धक धीरज मिश्र सहित मिल और समिति के कर्मचारी मौजूद रहे।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: रोटरी क्लब और आरोग्यम डायग्नोस्टिक सेंटर के संयुक्त सहयोग से सनातन धर्म सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें डॉक्टर ने चयनित बालिकाओं और विद्यालय की शिक्षिकाओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण किया। शिविर में संस्था के पदाधिकारियों ने कार्यशाला भी आयोजित की, जिसमें एनीमिया की जानकारी दी। इस दौरान डॉ. कुमार शरद सिन्हा, प्राचार्य शिप्रा बाजपेई, अरुणा अग्रवाल, प्रीति सिंह आदि रहीं।

कैलाश-मानसरोवर के दर्शन के बाद परिक्रमा का प्रथम चरण पूरा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: कैलाश मानसरोवर तीर्थ यात्रा के जिले से एकमात्र यात्री गोला गोकर्णनाथ निवासी डॉ. आशुतोष गुप्ता एवं अन्य सदस्यों ने पवित्र कैलाश पर्वत के एरियल भ्रमण और पावन कैलाश मानसरोवर के दर्शन के बाद 52 किलोमीटर की कैलाश पर्वत परिक्रमा के प्रथम चरण को सफलता पूर्वक पूरा कर भगवान शिव का आभार जताया। तीसरे जत्थे के सदस्य डॉ. आशुतोष ने अमृत विचार को मोबाइल पर बताया कि कैलाश-मानसरोवर यात्रा का बखान करना शब्दों में संभव नहीं है। दर्शन की अभिभूति एक नई ऊर्जा प्रदान कर रही है।

तीर्थ यात्री डॉ. आशुतोष के मुताबिक दारचेन-तिब्बत, चीन के न्गारी प्रान्त में स्थित गांव पवित्र कैलाश पर्वत के प्रवेश द्वार और कैलाश कोरा (तीर्थयात्रा सर्किट) के आरंभ बिंदु के रूप में जाना जाता है। समुद्र तल से 15,010 फिट की ऊंचाई पर होटल में विश्राम के बाद लिपुलेख दर्रा मार्ग से पवित्र कैलाश पर्वत की 52 किलोमीटर की अति कठिन परिक्रमा यम द्वार से शुरू हुई।

ऑक्सीजन की कमी के चलते पूरी रात जाग कर काटने के बावजूद भी सुबह दल के सभी भक्तों के मन में अपार श्रद्धा, उमंग और उत्साह बरकरार था। ओम नमः शिवाय का निरंतर पाठ करते हुए कैलाश पर्वत परिक्रमा के प्रथम 14 किमी के दुरूह मार्ग पर बढ़ते हुए तिरंगे रंग में सजी प्रतीकात्मक छवि और पवित्र कैलाश पर्वत के पश्चिम के पावन दर्शन पाकर सभी की खुशी का ठिकाना न रहा।

कैलाश पर्वत परिक्रमा को जाते गोला गोकर्णनाथ निवासी डॉ. आशुतोष गुप्ता।

● तीसरे जत्थे के सदस्य डॉ. आशुतोष ने कहा- यात्रा को शब्दों में बता पाना मुश्किल

SEXOLOGIST
आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त
ताकत व रुकावट
प्राप्त करें
शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी
मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।
मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीघ्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।
मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।
क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic
भारत प्रसिद्ध डा.शेख गोल्ड मेडेलिस्ट
YouTube पर Search करें
Best Sexologist in india आयुर्वेदा
मिलें हर मंगलवार
ईसाईयों की पुलिया बरेली
निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड
9837023223

दहेज के लिए गर्भवती को मारपीट कर घर से निकाला

धौरहरा। मोहल्ला फतेह नगर निवासी सहाना पुत्री रफीक ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका निकाह तीन वर्ष पहले कलीम निवासी चिकवन टोला धौरहरा से हुआ था। एक लाख की नकदी अतिरिक्त दहेज में फिर मांगने लगे। जब पिता ने असमर्थता जताई तो आरोपी कलीम, नसीम, अलीम व सास बूटा ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता गर्भ से है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

14784 अभ्यर्थी देंगे आरओ, एआरओ की परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम ने ली अफसरों के साथ बैठक ● सेक्टर, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों को दिया प्रशिक्षण

अमृत विचार: 27 जुलाई को आयोजित होने वाली उप्र लोक सेवा आयोग की आरओ, एआरओ की परीक्षा जिले में 36 परीक्षा केंद्रों पर होगी। जिसमें 14784 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। सोमवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट के अटल सभागार में आरओ-एआरओ परीक्षा संपन्न कराने को लेकर बैठक की।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि परीक्षा से जुड़ी जिम्मेदारी एक अत्यंत संवेदनशील कार्य है, जिसमें किसी भी स्तर पर की गई छोटी से छोटी चूक भी अक्षम्य मानी जाएगी। स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि परीक्षा से पहले सभी व्यवस्थाओं की भलीभांति जांच कर लें। प्रत्येक परीक्षा कक्ष में सीसीटीवी कैमरा, अभ्यर्थियों की सघन तलाशी व सीटिंग प्लान के अनुरूप बैठाने जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। परीक्षा की गाइड लाइन को अच्छी तरह पढ़ें। ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। हर अभ्यर्थी की आईडी जांचना अनिवार्य होगा और परीक्षा नियमों का एक भी उल्लंघन पूरी प्रक्रिया को संदेह के घेरे में ला सकता है। सभी अधिकारी पूर्वाभ्यास के तौर पर केंद्रों का निरीक्षण करें और किसी भी प्रकार की कमी को तुरंत दूर करें। परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। एएसपी पवन गौतम ने कहा कि इस परीक्षा पर पुलिस की भी पैनी नजर रहेगी। स्पेशल सेल एक्टिव रहेगा। इसलिए इन परीक्षाओं की संवेदनशीलता को समझते हुए कोई भी किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतेगा।

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक लेतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल। ● अमृत विचार

एडीएम और समन्वयी पर्यवेक्षक ने साझा की जरूरी जानकारियां

बैठक की शुरुआत में एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने परीक्षा प्रारंभ होने से लेकर और समाप्ति तक के सभी बिंदुओं के बारे में बैठक में शामिल सभी को अवगत कराया। अफसरों को परीक्षा में उनके उत्तरदायित्व बताए। आयोग से नामित समन्वयी पर्यवेक्षक दिनेश पांडेय ने परीक्षा से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी देकर संबंधित को प्रशिक्षण दिया। इस दौरान उन्होंने पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। बैठक में डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र, सभी सेक्टर और स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक मौजूद रहे।

ट्राली पर पैर लटकाए बैठे दो कांवरिया घायल

धौरहरा, अमृत विचार: सिंगाही थाना क्षेत्र के भेड़ौरा से कांवड़ियों का जत्था गोला गोकर्णनाथ से दर्शन कर वापस आ रहा था। पतरासी गांव के पास आगे पीछे चल रहे थे। आगे वाले ट्रैक्टर की ट्राली में जिसका डाला खुला था उसमें कांवड़िया सोहन पुत्र रामकुमार, नीरज पुत्र चुन्ना निवासी भेडौरा थाना सिंगाही पैर को लटकाए ट्राली पर बैठे थे। आगे वाले ट्रैक्टर ने अचानक ब्रेक लिया तो पीछे चल रहा ट्रैक्टर आगे चल रहे ट्रैक्टर की ट्राली में टकरा गया, जिससे ट्राली के पीछे बैठे सोहन कावड़िया का दाहिना पैर चपेट में आकर कट गया, जबकि दूसरे को भी चोटें आईं। सूचना पर शारदा नगर प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार मौके पर पहुंचे और घायल को उपचार हेतु जिला अस्पताल परिजनों के साथ भेजा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

एसडीएम शशिकांत मणि को ज्ञापन सौंपते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार: बढ़ती बिजली कटौती, यूरिया आपूर्ति की किल्लत, पुलिसिया लाठीचार्ज को लेकर धौरहरा तहसील मुख्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

जिलाध्यक्ष किसान कांग्रेस तेजपाल गुप्ता की अगुवाई में कार्यकर्ता तहसील पहुंचे। यूरिया की कालाबाजारी, बिजली कटौती और किसानों पर लाठीचार्ज का विरोध करते हुए राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम शशिकांत मणि को सौंपा। यहां कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एडवोकेट मोहम्मद अलीम किरमानी, नगर अध्यक्ष अमीन अहमद तुंगनाथ पटेल आदि थे।

मजदूर सभा ने मांगों को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: समाजवादी मजदूर सभा के जिलाध्यत्र गुरुप्रीत सिंह के नेतृत्व में तमाम कार्यकर्ता डीएम कार्यालय पहुंचे। मनरेगा मजदूरों को 300 दिन काम मिलने और प्रतिदिन 600 रुपये की मजदूरी देने समेत विभिन्न मांगों को लेकर पांच सूत्री राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन मौके पर मौजूद एसडीएम अतिरिक्त को सौंपा।

मजदूर सभा के जिलाध्यक्ष ने गुरुप्रीत सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के तानाशाही रवैये के चलते प्रदेश के किसान, मजदूर तथा नौजवान भुखमरी की कगार पर हैं। किसान, मजदूर रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों में पलायन को मजबूर है। पढ़ा-लिखा नौजवान रोजगार न मिलने पर आपराधिक गतिविधियों में लिप्त हो रहा है। प्रदेश का दुर्भाग्य है कि लगभग 5 हजार प्राथमिक विद्यालय बंद किए जा रहे हैं। मंदिरों व धार्मिक मेलों पर सरकारी बजट को बढ़ाना सरकार की अदूरदर्शिता स्पष्ट होती है।

पुलिस की निरंकुशता से प्रदेश के थानों में हो रही बंदियों की मौत के आंकड़ों ने आजादी के बाद से सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। सरकार, शासन-प्रशासन ने भ्रष्टाचारी रवैया नहीं बदला तो समाजवादी मजदूर सभा सड़कों पर उतरकर संघर्ष की नई इबादत लिखेगी। ज्ञापन में मनरेगा मजदूरों को वर्ष में 300 दिन काम व 600 रुपये प्रतिदिन मजदूरी देने, श्रम पोर्टल को तत्काल खोलने, पुराने श्रम कानूनों को बहाल करने आदि मांगें की उठाई हैं। इस दौरान जिला महासचिव अंसार महलूद, सुरेन्द्र कुमार, विनोद कुमार वर्मा, विनय मिश्रा, रियाजुल्ला खां, आकाश यादव, मनोज कुमार, इमरान रजा, सरदार सुखदेव सिंह, मनदीप सिंह लाडी, धर्मराज आदि रहे।

अतिरिक्त एसडीएम को ज्ञापन देते सपा मजदूर सभा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

● मनरेगा मजदूरों को मिले 300 दिन काम, प्रतिदिन 600 रुपये मजदूरी

न्यूज ब्रीफ

साइकिल सवार को बाइक ने मारी टक्कर दो घायल

केशवापुर, अमृत विचार : थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव रजौरा निवासी सर्वेश कुमार (20) पुत्र माधवराम साइकिल से गोला की तरफ से घर आ रहे थे। रजौरा मोड़ से पहले पीछे से आ रहे बाइक सवार राजू (26) निवासी कुनैठिया ने टक्कर मार दी। जिससे दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। घटना में साइकिल सवार की हालत बेहद गंभीर बताई जाती है। गोला कोतवाली के एसआई प्रशांत कुमार ने दोनों घायलों का सीएचसी गोला भेजवाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख दोनों को जिला अस्पताल रेफर की दिया है।

कावड़ यात्रा मार्ग पर नहीं बना पुलिस सहायता केंद्र

बिलहरी, अमृत विचार : श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए हैदराबाद पुलिस द्वारा हर साल सावन में थाना बॉर्डर पर पुलिस सहायता केंद्र रहता था। इस गोला कस्ता हाईवे पर दिन, रात लाखों श्रद्धालु गुजरते रहते हैं। हालांकि नीमगांव पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से अपने क्षेत्र में कई जगह सहायता केंद्र बना लिए हैं, जिन पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। पिछले सालों में जो संकेतक बोर्ड लगाया जाता रहा है वह अब झाड़ियों में पड़ा है, जिसका कोई पुरसाहाल नहीं है। लोगों का मानना है कि पुलिस सहायता केंद्र होने से सड़क पर कांवड़ यात्रा के दौरान भारी भीड़ होने के कारण कोई दुर्घटना होने पर अगर वहां पुलिस मौजूद है तो त्वरित मदद मिल सकती है।

दुकान चला रहे व्यापारियों को मिले दोबारा अलॉटमेंट

पलिया कलां, अमृत विचार : पलिया विधायक रोमी साहनी ने डीआरएम लखनऊ को पत्र लिखकर पलिया भीरा और मैलानी रेलवे स्टेशन परिसर में दुकानों को लेकर हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि इन दुकानों का आवंटन करीब 55 वर्ष पहले किया गया था। तब से यहां के दुकानदार अपने परिवार का भरण-पोषण इन दुकानों से कर रहे हैं। दुकानदारों ने समय-समय पर रेलवे द्वारा किए गए एग्रीमेंट की सभी शर्तों का पालन किया है, लेकिन अब रेलवे इन दुकानों की नए सिरे से नीलामी प्रक्रिया शुरू कर रहा है। इससे वर्षों से व्यवसाय कर रहे दुकानदारों में भय का माहौल बना है। उन्होंने पुराने दुकानदारों को ही नियत किराया लेकर पुनः एग्रीमेंट करने की अपील की है ताकि न सिर्फ उनके परिवारों की आजीविका सुरक्षित रह सके।

बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत, 2 घायल

परिवार वालों ने हंगामा कर शव ले जाने से कर दिया मना, काफी देर हंगामे के बाद पुलिस ने बस को कब्जे में लिया

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: बहन को बाइक से घुघुरी देने जा रहे मंशा पुरवा निवासी एक युवक की बाइक को डबल डेकर बस ने टक्कर मार दी, जिससे वह बाइक दूसरी बाइक से टकरा गई। बस की जोरदार टक्कर से उसकी मौके ही मौत हो गई। सीएचसी में पुलिस और परिवार वालों से काफी कहासुनी हो गई। काफी देर तक हंगामा के बाद पुलिस ने बस को कब्जे में लिया। उसके बाद परिवार वाले शांत हुए।

गांव मंशा पुरवा निवासी पवन ने बताया कि उसका भाई सचिन (21) सिंगाही थाने के गांव सहिजना निवासी अंकित के घर अपनी बहन को घुघुरी देने जा रहा था। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे निघासन-सिंगाही स्टेट हाईवे पर सहतेपुरवा के पास पीछे से आ रही पलिया यूनियन की प्राइवेट डबल डेकर बस ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे साइड में आ रही दूसरी बाइक से उसकी बाइक जा टकराई। बस की टक्कर से सचिन की मौके पर मौत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार सिंगाही थाने के गांव निबौरिया निवासी रिंकू (20) पुत्र गुड्डू और गांव हरद्वाही निवासी धर्मेंद्र (17) पुत्र कमलेश घायल हो गए। हादसे के बाद तमाम लोगों की मौके पर भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव और दोनों घायलों को सीएचसी लाई। हालत खराब होने पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के धर्मेंद्र और रिंकू को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सीएचसी पर हंगामा करते लोग। ● अमृत विचार

सीएचसी में बिलखती महिला को संभालते परिजन। ● अमृत विचार

उधर, पुलिस ने शव वाहन में रख कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना मिलने पर मृतक के परिवार समेत तमाम लोगों की भीड़ जुट गई। नाराज परिवार वाले बस को कब्जे में लेने और रिपोर्ट लिखने के बाद ही शव ले जाने की जिद पर अड़ गए। इस बात को लेकर उनकी पुलिस से काफी नोकझोंक हुई। परिजन रास्ते में वाहन को रोककर शव सीएचसी ले आए। हंगामा अधिक बढ़ने पर पुलिस बैकफुट पर आ गई। तिकुनिया पुलिस ने बस को कब्जे में लिया है। इसकी जानकारी मिलने के बाद परिजन शांत हुए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उधार के रुपये मांगे तो आढ़ती को धमकाया

संवाददाता, बेलरायां

● बेलरायां के मछली व्यापारी पिता-पुत्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचारः उधार ली गई मछली के रुपये मांगने पर मछली विक्रेता ने अपने पुत्र के साथ मिलकर आढ़ती से गाली गलौज की। उसके साथ हाथापाई करने पर उतारू हो गए और दोबारा रुपये मांगने पर जान से मार देने की धमकी दी। कोतवाली तिकुनिया पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

कोतवाली तिकुनिया के गांव सुथना बरसोला निवासी उमेश कुमार ने बताया कि वह मछली का थोक विक्रेता है। उसकी आढ़त तिकुनिया प्राइवेट बस अड्डे के पास है। कस्बा बेलरायां निवासी शमी पुत्र छेदू शाह और उसका पुत्र शोएब उससे उधार मछली लेकर बिक्री करते थे। धीरे-धीरे उसका आरोपी शमी पर 6,21,570 बाकी हो गया। उसने कई बार रुपये मांगे तो शमी आज कल कर टरकाता रहा और रुपये नहीं दिए। आरोपी शमी अपने पुत्र शोएब के साथ उसकी आढ़त पर पहुंचा। उन्होंने जब बकाया रुपये मांगे तो दोनों भड़क गए और गाली गलौज करने लगे। गाली गलौज करने का विरोध करने पर दोनों उसके साथ मारपीट करने के लिए उतारू हो गए। आसपास के दुकानदारों के आने और विरोध करने पर दोनों आरोपी दोबारा रुपये मांगने पर जान से मार देने की धमकी देते हुए चले गए। पीड़ित ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कोतवाली तिकुनिया पुलिस को तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक पुष्प राज कुशवाहा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शैलेश्वरी धाम में भक्तों ने किया रुद्राभिषेक

नेपाल के शैलेश्वरी धाम में रुद्राभिषेक करते पलिया के श्रद्धालु। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलियाकलां

● पलिया के श्रद्धालुओं ने किया भंडारा, भजन-कीर्तन से गूंजा मैया का धाम

अमृत विचार : भारत के गौरीफंटा बॉर्डर से करीब दो सौ किमी दूर नेपाल की ऊंची पहाड़ियों के बीच स्थित माता शैलेश्वरी देवी के धाम पहुंचे आध्यात्मिक श्रीकुल सेवा संस्थान पलिया के 60 श्रद्धालुओं ने मंगलवार को हवन-पूजन, कीर्तन-भजन व रुद्राभिषेक कर भंडारा किया।

नेपाल के जिला डोटी में चंदन वृक्षों से घिरे पर्वत पर माता शैलेश्वरी देवी का स्थान पुराणों में वर्णित है। मान्यता है कि भगवान शिव और माता पार्वती विवाह के बाद बिहार करने के लिए यहां पहुंचे थे। बताया जाता है कि काफी दिनों तक यहां रमण करने से भगवान शिव की तलाश में भगवान ब्रह्मा जी, विष्णु जी सहित इंद्र आदि देवता यहां अचानक आ पहुंचे। जिन्हें देख माता पार्वती लज्जा बस शिला रूप में परिवर्तित हो गईं। इसके बाद सभी देवता माता के चरणों पर गिरकर प्रार्थना करने लगे, जिस पर माता प्रसन्न हो गईं और पिंडी रूप में भक्तों के कल्याण के लिए स्थापित हो गईं। तब से यह स्थल शैलेश्वरी धाम के नाम से जाना जाने लगा।

शैलेश्वरी देवी धाम सेवा समिति के अध्यक्ष प्रेम शंकर भट्ट जी बताते हैं कि जनश्रुति है कि त्रेता युग में भगवान राम भी ब्रह्म हत्या का पातक दूर करने के लिए इस स्थल पर आए थे और चैत्र नवरात्रि पर देवी के नौ रूपों का पूजनकर यहां विशाल यज्ञ व भंडारा किया था। पवित्र स्थल पर पलिया निवासी श्रीकुल उपासक आचार्य गोविंद माधव मिश्र पिछले कई सालों से सात दिनों तक हवन, पूजन और भंडारे का नित्य आयोजन करते हैं। इस बार भी यह आयोजन कर रहे हैं।

गांव में घुसकर बकरे को उठा ले गया तेंदुआ

संवाददाता, बांकेगंज

● बकरे का अधखाया शव गन्ने के खेत में पड़ा मिला

अमृत विचारः मैलानी वन क्षेत्र की महुरेना बीट के अर्जुनपुर गांव में सोमवार की रात घुसकर एक तेंदुआ बकरे को ले गया और शिकार बना लिया। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

सोमवार की आधी रात के बाद अर्जुनपुर गांव में तेंदुआ ने गांव में घुसकर किशोरी लाल के बकरे को अपना शिकार बना लिया। बकरा का अधखाया शव गांव के कुछ दूर गन्ने के खेत में पड़ा मिला। जिसके कारण ग्रामीण काफी भयभीत है। घटना की जानकारी मिलने पर डिप्टी रेंजर एसपी त्रिपाठी ने वन विभाग की टीम के साथ गांव में पहुंच कर मौका मुआयना किया। उन्होंने पगचिह्न देखकर तेंदुआ द्वारा हमला कर बकरा को मार कर खा जाने की पुष्टि करते हुए ग्रामीणों को अपने जानवरों को घरों में बांधने की अपील की।

उन्होंने बताया की वन विभाग की टीम क्षेत्र में बराबर गस्त कर निगरानी करेगी। दो रोज पूर्व बरगदिया गांव में भी तेंदुआ घर के बाहर छप्पर में बंधी बकरी को उठा ले गया था। गन्ने के खेत में अपना शिकार किया था जिसका अधखाया शव गन्ने के खेत में मिला था।

अर्जुनपुर गांव में घटना स्थल पर मौजूद वनकर्मी और ग्रामीण। ● अमृत विचार

करनपुर के बजरंगबली मंदिर पर भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

हनुमान मंदिर पर हुआ भंडारा

बिझौली, अमृत विचारः करनपुर रजागंज स्थित बजरंगबली मंदिर पर भंडारे का आयोजन किया गया। भटपुरवा निवासी रंजीत सिंह ने बताया कि सावन में हुए भंडारे में पूड़ी-सब्जी का भोग बाबा महादेव को लगाकर और 51 कन्याओं को भोज कराने के बाद भंडारा शुरू हुआ। करनपुर व उसके आसपास गांव के लोगों सहित कावड़ियों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। व्यवस्था में मोनी मिश्रा, अनिल कुमार, ब्रजेंद्र मिश्रा इंद्रपाल राठौर, मलखान सिंह, अजीत लगे रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र जगपाल व उसकी पत्नी संध्या को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **सहाते पुत्र बन्धु निवासी ग्राम आता खुर्द थाना व तहसील सदर जिला शाहजहांपुर**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र नूर आलम एवं उसकी पत्नी रेशमा को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **रहीश अहमद पुत्र मो. करीम बक्श नि. मो. बाजार कस्बा व थाना खीरी जिला खीरी**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र वासिफ हुसैन व उसकी दोनों पत्नियों आफरीन और फरीन के गलत चाल चलन से क्षुब्ध होकर उनसे सम्बन्ध विच्छेद कर रही है। इन तीनों से मेरे परिवार का वास्ता नहीं। जरीना पत्नी साबिर हुसैन मसीत गंज गौटिया मोहनपुर।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी छोटी पुत्री रानी को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध-विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके किसी भी प्रकार के कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **अली अहमद पुत्र चमकू निवासी मोहल्ला ऊंचा नई बस्ती भूरे खां की गौटिया तहसील फरीदपुर, जिला बरेली।**

NOTICE

This is to be notify that I have changed my name from ADITYA KUMAR GAUTAM to ADITYA GAUTAM. In future I will be known as ADITYA GAUTAM in all purposes. **ADITYA GAUTAM R/o Pilibhit Bye Pass Road, Opp. Chandralok Hospital, Anand Vihar Colony, Shamat Ganj, Bareilly.**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पत्नी श्रीमती मुन्नी देवी, बेटे रवि गंगवार, सचिन गंगवार, दोनों विवाहित पुत्रियां श्रीमती पिंकी पत्नी प्रेम, श्रीमती उर्मिला पत्नी गिरीश को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। **विद्याराम पुत्र दयाराम निवासी म.नं. 42, वीर सावरकर नगर, डेलापीर, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

ग्रीन इंडिया मिशन के तहत किया गया पौधरोपण

कुकरा, अमृत विचारः एनएच 730 पीलीभीत बस्ती हाईवे पर स्थित श्री चौतन्य टेक्नो स्कूल में स्मार्ट लिविंग कार्यक्रम के तहत हरित भारत मिशन अंतर्गत तमाम प्रकार के पौधों का रोपण किया गया। शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्य संगीता भारद्वाज, डीन सत्संगी, मुख्य अतिथि डीएफओ भारत कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि ने हरित भारत मिशन पर अपने विचार प्रस्तुत कर छात्रों को पर्यावरण की महत्ता से अवगत कराया। सभी अतिथियों ने विद्यालय प्रांगण में पौधरोपण भी किया तथा छात्रों से भी पौधे लगवाए।

राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में खेलेगा कुशाग्र

महंगापुर, अमृत विचार: एसएसबी 39 वी वाहिनी मुख्यालय गदनिया स्थि केंद्रीय विद्यालय कक्षा 10 के ताइक्वांडो खिलाड़ी छात्र का चयन राष्टीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए हुआ है। प्राचार्य व स्कूल स्टॉफ ने उसे आशीर्वाद देकर प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए रवाना किया। इससे पूर्व छात्र ने केंद्रीय विद्यालय संगठन की रीजनल प्रतियोगता जीतकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया था।

केंद्रीय विद्यालय गदनिया के खेल शिक्षक राजेंद्र कुमार ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय संगठन की राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 25 से 29 जुलाई तक बेंगलुरू में आयोजित होगी जिसमें छात्र कुशाग्र प्रजापति प्रतिभाग करेंगे।

शक्ति वन की स्थापना को किया पौधरापण

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: अजमानी पब्लिक स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत महिलाओं के सशक्तिकरण को समर्पित शक्ति वन की स्थापना की गई। समाज सेवा में सक्रिय गुरमन कौर भल्ला ने अभियान का आरंभ किया। अभियान में शिक्षिकाओं व महिला कर्मचारियों ने पौधे लगाए। गुरमन कौर भल्ला ने कहा कि, एक वृक्ष एक मां की तरह होता है। पोषण, छाया और संरक्षण करने वाला। शक्ति वन का उद्देश्य इसी भाव को समाज तक पहुंचाना है। विद्यालय की प्रबंध निदेशक गुरजीत अजमानी ने इस अभियान की सराहना की। स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. मंजू पाठक ने भी मौजूद रहीं।

गोकशी के तीन आरोपी गिरफ्तार, बाइक बरामद

संवाददाता, रोशननगर

अमृत विचारः थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव नगरा सलेमपुर के पास 10 दिनों के अंतराल में हुई गोकशी की दो घटनाओं का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान भेजा है, जिनके कब्जे से औजार और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई है।

गांव नगरा सलेमपुर में मोहर्रम और 16 जुलाई की रात में कसाई गोवंशीय पशुओं का वध कर मांस ले गए थे। इससे आक्रोशित राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के जिला उपाध्यक्ष अनूप गुप्ता के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने डीएम को ज्ञापन देकर कसाइयों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की थी। हैदराबाद थाना प्रभारी सुनील कुमार मलिक के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने रिजवान, तौहीद उर्फ बातून और नफीस निवासी ग्राम भुड़वारा थाना गोला को बांकेगंज रोड से गिरफ्तार किया है।

तीनों आरोपियों के पास से एक बघौड़ी, दो छुरी, एक रस्सी, लकड़ी का एक गट्ठा, एक पन्नी, एक बोरा जूट, एक प्लेटिना बाइक बरामद की है। एसओ ने बताया कि तीनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास है, इससे पहले हैदराबाद, मैलानी, गोला थाने कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों का चालान भेज दिया है।

हैदराबाद पुलिस की गिरफ्त में गोकशी के आरोपी। ● अमृत विचार

परेशानी स्कूली बच्चों समेत ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, डीएम को शिकायती पत्र भेजकर सड़क ठीक कराने की मांग

थोड़ी-सी बारिश में ही कीचड़ और जलभराव से निकलना दूभर

संवाददाता, मझगईं

कीचड़ में खड़े होकर स्कूली बच्चों के साथ प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ब्लॉक निघासन क्षेत्र की ग्राम पंचायत बल्लीपुर के गांव ढकवा गदियाना में लगभग तीन किलोमीटर डामर सड़क 10 वर्षों से क्षतिग्रस्त है। टूटी और गंदगी से बजबजाती नालियों का पानी भरा होने से कीचड़ और जलभराव की समस्या बनी है। लोगों का सड़क पर निकलना मुश्किल है। सबसे अधिक दिक्कत स्कूल जाने वाले छोटे-छोटे बच्चों को होती है। वह फिसलकर गिरकर चोटिल हो जाते हैं। गुस्साए ग्रामीणों ने बच्चों के साथ सड़क पर प्रदर्शन किया। शिकायती पत्र डीएम को भेजकर सड़क को ठीक कराने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में प्राथमिक विद्यालय है, जिसमें सैकड़ों बच्चे पढ़ने जाते हैं। नालियों के टूटे होने के कारण रोड पर कीचड़ व पानी भरा रहने से आए दिन बच्चे गिरकर चोटिल हो रहे हैं। उनके कपड़े, बस्ते में रखी कापी-खिताबें भी खराब हो जाती हैं। रास्ते के कारण अधिकतर बच्चे विद्यालय नहीं जाते हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है।

बच्चों व अध्यापकों को विद्यालय जाने का यही एकल मार्ग है। करीब छह वर्षों से इस सड़क पर कीचड़ व पानी भरा रहता है। हल्की बरसात होने पर हालात और अधिक खराब हो जाते हैं। मार्ग के किनारे बनी नालियों की सफाई करीब पांच वर्षों से नहीं हुई है। गांव में काफी गंदगी का अंबार लगा है। आबिद के घर से विद्यालय तक मार्ग की हालत काफी दयनीय है। बच्चे व अध्यापक करीब 400 मीटर कीचड़ व जलभराव को रोजाना पैदल पार करते हैं।

गांव में नालियों की सफाई हो जाए तो रोड पर भरे पानी से ग्रामीणों को निजात मिल जाएगी, लेकिन ग्राम प्रधान की लापरवाही के चलते पांच वर्षों से नालियों की सफाई नहीं कराई गई है। सफाई न होने से नालियों में घास उग गई है। यह मार्ग छेदुई पतिया-बल्लीपुर मुख्य मार्ग से जुड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार प्रधान से लेकर डीएम तक शिकायत की है, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। सोमवार को यासीन, मोहम्म, मौला, सब्बीर, इस्पाक, सद्दीक, अकिल, कल्लू, अपसर, रमजानी, खुर्शीद, इदारत, जलालुद्दीन, इस्लाहुद्दीन, वहसत, अब्दुल, फैयाज, तसज्जुक, ईदी आदि ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर सड़क निर्माण की मांग की है।

सड़क करीब 10 वर्षों से खराब पड़ी हुई है, जिसकी शिकायत विभाग से भी की गई। ग्राम समाज के लोगों ने डीएम से भी शिकायत की, लेकिन अब तक ठीक नहीं हुई। कीचड़ व पानी अधिक भरा होने से कई बार बच्चे भी चोटिल हो चुके हैं। कई बार हम लोग भी चोटिल हो चुके हैं, लेकिन शिकायत के बावजूद इस सड़क पर किसी भी जिम्मेदार लोगों ने ध्यान नहीं दिया है।

-धीरज कुमार, अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय, ढकवा गदियाना

गांव में आरसीसी रोड व गांव के बाहर डामर रोड का प्रस्ताव पास हुआ था। जिसे बनाने के लिए कार्य भी शुरू हुआ, लेकिन कुछ ग्रामीणों ने आपत्ति जताते हुए निर्माण कार्य को रुकवा दिया था। इसे जल्द ही चालू किया जाएगा।

-रेखा देवी, ग्राम प्रधान

ठेकेदार कार्य के लिए जेसीबी मशीन लेकर पटरी बांधने के लिए गया था। उसके बाद 1125 मीटर रोड पर निर्माण कार्य होना था, बारिश की वजह से काम रोक दिया गया है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

-पीके सरोज, जेई, पीडब्ल्यूडी विभाग

मारपीट की दोनों पक्षों की नामजद रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● टाइम कीपर और संविदा चालक में हुई थी मारपीट

अमृत विचारः रोडवेज डिपो में तैनात टाइम कीपर और संविदा चालक में हुई मारपीट की दोनों पक्षों की ओर से नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

रोडवेज डिपो में तैनात टाइम कीपर मोहम्मद मोबीन पुत्र मोहम्मद इकबाल निवासी नारायणपुर थाना खुटार जनपद शाहजहांपुर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि वह 19 जुलाई को ड्यूटी पर थे, तभी शाम 5 बजे संविदा चालक श्रीकांत अवस्थी ने कुंभ मेला में प्रोत्साहन राशि को लेकर गाली गलौज कर उसे मारने की धमकी दी। रोडवेज डिपो के अधिकारियों द्वारा समझा बूझकर मामला शांत कर दिया, जब वह बस से खुटार जा रहा था तभी विकास चौराहे पर 10-12 लड़कों ने बाइक बस के आगे लगाकर उन्हें मारा पीटा, जिसमें उनकी सोने की चेन टूट कर कहीं गिर गई। उन्होंने कोतवाली में श्रीकांत अवस्थी के नामजद सहित 10-12 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है।

वहीं संविदा चालक श्रीकांत अवस्थी पुत्र रामकुमार अवस्थी निवासी कुम्हारन टोला ने कहा है कि 19 जुलाई को वह विभागीय वाहन कार्यशाला में जमाकर बाहर जा रहा था तभी परिवहन विभाग में तैनात बाबू मोबिन पुत्र इकबाल ने उनके साथ गाली गलौज कर मारपीट की। बीच बचाव करने आए लोगों को देखकर वह जान से मारने की धमकी देकर चला गया। उन्होंने मोहम्मद मोबीन के नामजद रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पुलिस छानबीन में जुट गई है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 23 जुलाई, 2025

स्टेट ब्रीफ

सफाई मित्रों और पार्षदों का सम्मान करेंगे योगी

अमृत विचार, लखनऊ : स्वच्छ सर्वेक्षण में देश में पूरे प्रदेश का मान बढ़ाने वाले गोरखपुर नगर निगम के सफाई मित्रों और पार्षदों का सम्मान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार नगर निगम परिसर में करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री गोरखपुर नगर निगम के अर्बन फ्लड मैनेजमेंट के तहत अर्बन फ्लड अर्ली मॉनिटरिंग सिस्टम के लोकार्पण सहित ढाई सौ करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास भी करेंगे।

महिलाओं को समुचित भागीदारी देगी कांग्रेस

अमृत विचार, लखनऊ : 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी प्रदेश कांग्रेस महिलाओं को संगठन में समुचित भागीदारी देगी। मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में संगठन सृजन अभियान के तहत उत्तर प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्वी जोन की बैठक में 15-15 प्रतिशत एससी व अल्पसंख्यक और 25 प्रतिशत ओबीसी महिलाओं को भागीदारी देने पर विचार-विमर्श हुआ। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राज्य सरकार सिर्फ धर्म की आड़ में अपनी सभी खामियों को छुपाने का प्रयास कर रही है।

2005 में आवेदन करने वालों को मिलेगी पुरानी पेंशन

मुख्यमंत्री योगी कैबिनेट के फैसले : लखनऊ में खुलेगा आईआर डिटेक्शन टेक्नोलॉजी केंद्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी पत्रकारों को देते मंत्री धर्मपाल सिंह, नंद गोपाल व अन्य।

अमृत विचार : लखनऊ के सरोजनी नगर में आईआर डिटेक्शन टेक्नोलॉजी केंद्र की स्थापना को योगी कैबिनेट ने मंजूरी दी। इस परियोजना के लिए 10 हेक्टेयर भूमि आईआरडीई को दी जाएगी। इस केंद्र की स्थापना पर 2000 करोड़ रुपये खर्च होंगे और यह डीआरडीओ की मदद से स्थापित होगा। यहां सेमीकंडक्टर आईआर डिटेक्टरों का निर्माण किया जाएगा जिससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि 28 मार्च 2005 से पहले निकले विज्ञापन के आधार पर नौकरी पाने वाले कर्मचारियों-अधिकारियों को पुरानी पेंशन देने पर मुहर लगाई गई है। ऐसे लोग 30 नवंबर 2025 तक योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन कर सकते हैं। दरअसल, राज्य सरकार ने 2005 के बाद नई पेंशन योजना लागू की है, लेकिन बहुत से कर्मचारी ऐसे हैं जिनका भर्ती विज्ञापन इसके पहले निकला था। ऐसे में उनकी बहुप्रतीक्षित मांग सरकार ने पूरी कर दी है। आईआरडीई, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशाला है। प्रस्ताव के अनुसार सरोजनी नगर में स्थापित किए जाने वाले आईआर डिटेक्शन टेक्नालॉजी केंद्र की स्थापना पर 2,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। राज्य सरकार इसकी स्थापना में डीआरडीओ की मदद करेगी।

औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बताया कि केंद्र सरकार के निर्देश पर डीआरडीओ ने आइआर डिटेक्टरों के विकास व निर्माण के लिए स्वदेशी फैब लाइन की नई परियोजना के तहत प्रयोगशाला की स्थापना के लिए राज्य सरकार से भूमि की मांग की थी।

इस प्रयोगशाला में सेमीकंडक्टर आईआर डिटेक्टरों का निर्माण किया जाएगा। ब्रह्मोस मिसाइल सहित कई रक्षा उपकरणों में इसका इस्तेमाल किया जाता है। वर्तमान में भारत विदेश से आईआर डिटेक्टरों की 5,000 से अधिक यूनिट आयात करता है। आईआर डिटेक्शन टेक्नालाजी केंद्र की स्थापना के बाद आईआर डिटेक्टरों की 1,000 यूनिट का निर्माण प्रतिवर्ष किया जाएगा। भविष्य में इसका विस्तार कर 10,000 यूनिट का निर्माण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। आईआर डिटेक्शन टेक्नालाजी केंद्र में थर्मल इमेजिंग सिस्टम और मल्टीसेंसर सर्विलांस सिस्टम को भी रक्षा उपकरण के रूप में विकसित किया जाएगा। इसकी स्थापना से 150 इंजीनियरों व 500 से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

नोएडा पराग डेयरी की जमीन बेचेगी सरकार

योगी कैबिनेट ने निर्णय लिया कि पराग डेयरी नोएडा की 4.62 हेक्टेयर जमीन को सरकार 101 करोड़ में डिफेंस उपकरण बनाने वाली कंपनी को बेचेगी। इसके बदले कंपनी नोएडा पराग डेयरी को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में 10 एकड़ जमीन देगी। यहां प्रतिदिन 4 लाख लीटर दूध क्षमता वाली नई डेयरी इकाई लगेगी।

वाराणसी में पर्यटकों के लिए गली होगी चौड़ी

मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि वाराणसी में पर्यटकों व दर्शनार्थियों की बढ़ती संख्या के कारण दाल मंडी की गलियां चौड़ी होंगी। मैदिगन, गोदौलिया और नई सड़क पर जाम की समस्या के निजात के लिए चौक थाने के आस-पास की गलियों के चौड़ीकरण पर 23.99 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

एक लाख किसानों को मिलेगी ट्रेनिंग

राज्य सरकार कई योजनाओं के तहत एक लाख किसानों को प्रशिक्षण देने की योजना को कैबिनेट में मंजूरी दी है। इसके माध्यम से आधुनिक कृषि, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण तकनीकों को अपनाकर किसान विकसित यूपी का आधार बनेंगे।

इन प्रस्तावों पर भी लगी मुहर

- पेयजल, सीवरेज, ड्रेनेज व नगरीय परिवहन के लिए ग्राम समाज की भूमि मुफ्त मिलेगी
- नगर विकास विभाग को सेवारत विभाग का दर्जा देने का फैसला
- जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निकट यूपीएग्रीज के तहत एग्री एक्सपोर्ट हब की स्थापना
- एक्वा कल्चर परियोजना की स्थापना के लिए संयुक्त अरब अमीरात की बहुराष्ट्रीय कंपनी एक्वाब्रिज को निवेश प्रोत्साहन सब्सिडी समेत भूमि, स्टांप आदि की छूट
- पुलिस विभाग को मिलेंगे 394 और पीएसी को 64 नए वाहन।

नौ पीसीएस अफसरों के हुए तबादले

- डॉ. अलका वर्मा बनीं निदेशक प्रशासन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
- अरविंद कुमार मिश्रा बने अपर निदेशक सूचना

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने मंगलवार को नौ पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिये। अभी तक प्रतीक्षारत रहीं पीसीएस अधिकारी डॉ. अलका वर्मा को निदेशक प्रशासन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं बनाया गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की शिकायत पर हटाये गये आईएएस भवानी सिंह खंगारौत के बाद निदेशक प्रशासन का पद खाली चल रहा था।

अन्य स्थानांतरित पीसीएस अफसरों में मुख्य विकास अधिकारी फर्रुखाबाद रहे अरविंद कुमार मिश्रा को अपर निदेशक सूचना बनाया गया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज के उप सचिव विनोद कुमार गौड़ को मुख्य विकास अधिकारी फर्रुखाबाद बनाया गया है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व बहराइच गौरव रंजन श्रीवास्तव को उप सचिव उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज बनाया गया है।

अपर जिलाधिकारी नगर पूर्वी लखनऊ अमित कुमार द्वितीय को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व बहराइच के पद पर भेजा गया है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व औरैया महेंद्र पाल सिंह को अपर जिलाधिकारी नगर पूर्वी लखनऊ बनाया गया है। उप निदेशक मंडी परिषद उप्र लखनऊ अविनाश चन्द्र मौर्य को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व औरैया के पद पर भेजा गया है। उपजिलाधिकारी मुरादाबाद नरेंद्र सिंह को उप निदेशक मंडी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ बनाया गया है। संयुक्त निदेशक बाल विकास एवं पुष्टाहार निदेशालय लखनऊ गरिमा स्वरूप को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय लखनऊ में विशेष कार्याधिकारी बनाया गया है।

किसानों को डिमास्ट्रेशन के माध्यम से दें जानकारी : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

'विकसित कृषि-विकसित उत्तर प्रदेश@2047' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की दीप जलाकर शुरुआत करते मुख्यमंत्री योगी।

- यूपी की भूमि से तीन गुना अधिक लिया जा सकता उत्पादन
- कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि विवि, अनुसंधान केंद्र भूमिका निभाएं

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोई फसल एक महीने विलंब होगी और बीज वही पुराना है तो पैदावार पर भी 30 फीसदी तक असर होगा। ऐसे में डिमास्ट्रेशन के माध्यम से किसान को जानकारी दी जाए। आज भी यदि किसान पुरानी तकनीक पर आधारित खेती करने पर मजबूर है तो इसका कारण हम कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि विवि, अनुसंधान केंद्रों तक लाने में विफल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार 'विकसित कृषि-विकसित उत्तर प्रदेश@2047' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में कहा कि यूपी की भूमि के समतलीकरण, उर्वरता, जल संसाधन को देखते हुए इससे तीन गुना अधिक उत्पादन लिया जा सकता है, लेकिन इसके लिए कृषि शोध, विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि लागत कम और उत्पादन को बढ़ाएंगे तो किसानों के चेहरे पर खुशहाली ला सकते हैं, लेकिन यह शोध और विकास के माध्यम से ही संभव हो सकता है।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, प्रमुख सचिव रविंद्र, उप्र कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह, अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता आदि मौजूद रहे।

इजराइल कर सकता है तो हमारे कृषि विवि क्यों नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने इजराइल की मदद से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए थे। उन्होंने हमें तकनीकी सहयोग किया था। यहां के वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षण लेकर उसे आगे बढ़ाने में योगदान किया था। उसका एक्सटेंशन क्या है। हमें उस दिशा में भी प्रयास करने चाहिए। यदि इजराइल यह कार्य कर सकता है तो हमारे कृषि विवि क्यों नहीं कर सकते। कब तक किसानों को खेतीबाड़ी से पलायन करने के लिए मजबूर होते देखते रहेंगे।

खाद्यान्न घोटाले का आरोपी रिटायर्ड एडीओ गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सूरश्याम सिंह

अमृत विचार : आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) की वाराणसी टीम ने बांसडीह के रिटायर्ड सहायक विकास अधिकारी (एडीओ) सूरश्याम सिंह को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी 2002 से 2005 तक बांसडीह विकासखंड में तैनात रहा। ब्लॉक के विभिन्न गांवों में क्षेत्र पंचायत अंश से मिट्टी कार्य, नाली निर्माण, खड़ंजा, पटरी मरम्मत, संपर्क मार्ग, सीसी और पुलिया निर्माण का कार्य कराया जाना था, लेकिन कार्य पूरा नहीं कराया था। इस मामले में 2006 में बांसडीह थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

ईओडब्ल्यू वाराणसी के निरीक्षक सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी व बांसडीह के पूर्व एडीओ सूरश्याम सिंह मूलतः मीरजापुर चुनार स्थित बगही का रहने वाला है। वह वाराणसी के रोहनियां स्थित उपासनानगर अखरी के विशालनगर में रहता है। जांच में सामने आया कि मजदूरों को खाद्यान्न वितरण नहीं हुआ और मस्टर रोल पर गलत तरीके से अंगूठा लगाया गया था। फर्जीवाड़ा कर 27 लाख रुपया का गबन किया गया है। इस घोटाले में कुल 19 लोगों की भूमिका मिली। ज्यादातर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

निजीकरण प्रक्रिया से नाराज बिजली कर्मियों ने ऊर्जा मंत्री का आवास घेरा

आवास पर करीब दो घंटे तक चला विरोध-प्रदर्शन

- कैबिनेट बैठक के लिए भारी सुरक्षा के बीच निकले ऊर्जा मंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में बिजली कर्मियों के प्रदर्शन के दौरान मौजूद ऊर्जा मंत्री एके शर्मा। अमृत विचार

अमृत विचार : ऊर्जा निगमों के निजीकरण प्रक्रिया से नाराज बिजली कर्मियों का सब्र का बांध टूट गया। बिजली अभियंताओं-कर्मचारियों ने दोपहर में करीब दो घंटे तक ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के सरकारी आवास का घेराव किया। कैबिनेट की बैठक में जाने के लिए ऊर्जा मंत्री को पुलिस की भारी सुरक्षा में आवास से निकाला गया।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश ने ऊर्जा मंत्री के आवास का घेराव करने की घोषणा बीते दिन की थी। उत्पीड़न व निजीकरण के विरोध में राजधानी के बिजली अभियंता, अवर अभियंता व अन्य बिजली कर्मी दोपहर में ऊर्जा मंत्री के कालीदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पहुंचे और घेराव कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान स्थिति पर काबू पाने के लिए भारी पुलिस बल मौजूद रहा। बिजली कर्मी ऊर्जा मंत्री से वार्ता कराने की मांग कर रहे थे, पर उन्हें मिलने नहीं दिया गया। पुलिस आंदोलनरत कर्मियों को शांत कराने में जुटी रही। दोपहर बाद ऊर्जा मंत्री को कैबिनेट की बैठक में जाना था। इस दौरान ऊर्जा मंत्री भारी सुरक्षा के बीच आवास से निकल सके। आवास से बाहर निकलने के दौरान ऊर्जा मंत्री इशारे से बिजली कर्मियों को शांत रहने का संदेश देते हुए लोकभवन चले गये। विरोध प्रदर्शन में संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे, वरिष्ठ पदाधिकारी जितेन्द्र सिंह गुर्जर, जूनियर इंजीनियर्स संगठन के अध्यक्ष अजय कुमार, संघर्ष समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी महेन्द्र राय, पीके दीक्षित, सुहेल आबिद, श्रीचन्द आदि शामिल हुए।

समझौते का नहीं हो रहा पालन

प्रदर्शन के दौरान संघर्ष समिति व राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन उप्र के शीर्ष पदाधिकारियों ने कहा कि ऊर्जा मंत्री ने 3 दिसंबर 2022 और 19 मार्च 2023 को संघर्ष समिति के पदाधिकारियों के साथ लिखित समझौता किया था, पर ऊर्जा मंत्री इस समझौते से मुकर गए। समझौते के अनुसार हड़ताल के दौरान की गई उत्पीड़न की कार्रवाई वापस नहीं ली गई है। इसके विपरीत निजीकरण के लिए लगातार उत्पीड़न की कार्रवाई की जा रही है।

दो फर्मों पर एफआईआर, पशु चिकित्साधिकारी गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री के निर्देश पर मेरठ में गोवंशों की देखभाल में लापरवाही पर हुई कार्रवाई
- केयर टेकर और लिपिक भी निलंबित, तलाश में पुलिस की छापेमारी शुरू

अमृत विचार : मेरठ की कान्हा उपवन गोशाला में गोवंशों की देखभाल में सामने आई गंभीर लापरवाही पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त रुख अपनाते ही नगर विकास विभाग ने दो फर्मों पर एफआईआर दर्ज कराई है। पूर्व प्रभारी नगर अधिकारी व नगर निगम के पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी हरपाल सिंह, केयर टेकर और लिपिक को निलंबित करने के साथ हरपाल सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, अन्य दो कर्मियों की तलाश में छापेमारी हो रही है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर नगर निगम ने गोशाला संचालन से जुड़ी दो आउटसोर्सिंग फर्मों- जैन कंप्यूटर्स और शिवम इंटरप्राइजेज के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है। इन फर्मों को गोशाला में 2500 गोवंशों की देखभाल के लिए गोपालकों और कर्मचारियों की तैनाती की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। बीते 12 जुलाई को सोशल मीडिया पर कान्हा गोशाला की बदहाल स्थिति को दर्शाने वाला एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो के बाद सहायक नगर आयुक्त शरद पाल के नेतृत्व में गोशाला का निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि गोशाला में भूसा, हरा चारा और पानी उपलब्ध होने के बावजूद गोवंशों को समय पर नहीं दिया जा रहा था। इसके अलावा, कई गोपालक और कर्मचारी ड्यूटी पर अनुपस्थित पाए गए। मेसर्स जैन कंप्यूटर्स ने 24 गोपालकों और शिवम इंटरप्राइजेज ने 18 गोपालकों की तैनाती का दावा किया था, लेकिन वास्तविक स्थिति इसके विपरीत थी।

नगर निगम प्रशासन ने बताया कि दोनों फर्मों को पहले भी गोवंशों की देखभाल में लापरवाही के लिए मौखिक और लिखित नोटिस जारी किए गए थे। इसके बावजूद, कोई सुधार नहीं हुआ, जिसके चलते कड़ा कदम उठाना पड़ा। जांच में यह भी सामने आया कि गोशाला में अभिलेखों का रख-रखाव अपूर्ण था, जिसके लिए लिपिक विकास शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। लापरवाही के इस मामले में पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी हरपाल सिंह और गोशाला के केयरटेकर के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है एवं उन्हें निलंबित भी कर दिया गया हैं। पुलिस ने हरपाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, अन्य की तलाश की जा रही है।

गोवंशों की देखभाल के लिए छह होमगार्ड तैनात

सहायक नगर आयुक्त शरद पाल से गोशाला का वरिष्ठ प्रभार छीन लिया गया है और उनकी जगह अपर नगर आयुक्त पंकज कुमार सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गजेंद्र को सीएमओ कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया और उनकी जगह डॉ. अमर सिंह को नई तैनाती दी गई है। साथ ही गोशाला की निगरानी के लिए 12 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। गोवंशों की बेहतर देखभाल के लिए छह होमगार्ड और 50 नए कर्मचारियों को दो शिफ्टों में तैनात किया गया है। गोशाला के विस्तार के लिए 15,000 वर्ग मीटर भूमि का चयन किया गया है, ताकि गोवंशों के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध हो सके।

आरओ-एआरओ की परीक्षा पर एसटीएफ रखेगी नजर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में 27 जुलाई को प्रस्तावित आरओ-एआरओ परीक्षा को शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए आयोग और योगी सरकार ने अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम किए हैं। संवेदनशील केंद्रों पर एसटीएफ नजर रखेगी। साथ ही, खुफिया एजेंसियों और पुलिस विभाग को विशेष जिम्मेदारी दी गई है। नकल माफिया की कमर तोड़ने की पूरी तैयारी है। कोचिंग सेंटर, सोशल मीडिया और नकल गैंग समेत पुराने आरोपितों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर परीक्षा से पूर्व ही चिन्हित संवेदनशील केंद्रों की विशेष निगरानी के लिए एसटीएफ तैनात की जा रही है। परीक्षा की शुचिता भंग करने वाले पुराने आरोपियों और सक्रिय नकल गैंग की पहचान कर उनके खिलाफ सतत निगरानी और रोकथाम के आदेश जारी किए हैं। पूर्व में परीक्षा अपराधों में लिप्त रहे गैंग और आरोपी यदि इस समय जमानत पर हैं तो उन पर विशेष नजर रखी जाएगी। एसटीएफ द्वारा सोशल मीडिया के खुले प्लेटफॉर्म की निगरानी के साथ-साथ व्हाट्सएप, टेलीग्राम जैसे अफवाह फैलाने वाले माध्यमों पर भी नजर रखी जाएगी। परीक्षा के दौरान कोचिंग संस्थानों की गतिविधियों पर भी नजर रखने के लिए समर्पित टीमें तैनात रहेंगी, जो संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी संबंधित एजेंसियों को तुरंत उपलब्ध कराएंगी।

निष्क्रिय 119 दलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की 25 दलों के साथ बैठक, बाकी रहे अनुपस्थित

अमृत विचार : प्रदेश में निष्क्रिय पड़े अमान्यताप्राप्त 119 राजनीतिक दलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंगलवार को 25 दलों के प्रतिनिधियों की सुनवाई की। उन्होंने चुनाव न लड़ने पर उनसे सवाल किये। बाकी दलों के प्रतिनिधि अनुपस्थित रहे।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पिछले छह वर्षों में कोई चुनाव न लड़ने के कारण इन दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से इन दलों के अध्यक्षों व महासचिवों को अपना प्रत्यावेदन, शपथपत्र (हलफनामा) व आवश्यक अभिलेखों के साथ मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में जमा करने व सुनवाई में उपस्थित होने के निर्देश दिये थे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रत्येक दल की ओर से प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। उन्होंने अंशदान रिपोर्ट, वार्षिक लेखा परीक्षण (ऑडिट) रिपोर्ट व निर्वाचन व्यय विवरणी जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों के आधार पर बिंदुवार जानकारी ली। सुनवाई में पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में आदर्श लोकदल फतेहपुर, आदर्श मानवतावादी पार्टी लखनऊ, आदर्श व्यवस्था पार्टी देवरिया, अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी वाराणसी, अखिल भारतीय विकास कांग्रेस पार्टी लखनऊ, अखिल राष्ट्रवादी पार्टी कासगंज, आजाद भारत पार्टी (यूनाइटेड) वाराणसी, बहुजन विजय पार्टी गोरखपुर, देशहित पार्टी देवरिया, इंडिया राइजिंग पार्टी कन्नौज, जन विकास पार्टी लखनऊ, कठोर शासन पार्टी बिजनौर, लोकतांत्रिक युवाशक्ति पार्टी आगरा, पूर्वांचल जनता दल बलिया, राष्ट्रीय समाजवादी जनक्रांति पार्टी गौतमबुद्ध नगर, समता समाजवादी कांग्रेस पार्टी वाराणसी, पश्चिमी उप्र विकास पार्टी गौतमबुद्धनगर, इंडियन बहुजन समाजवादी पार्टी बिजनौर, राष्ट्रीय कांग्रेस (जे.) पार्टी मुरादाबाद, नवजन क्रांति पार्टी वाराणसी, गांधी एकता पार्टी वाराणसी, शांति मोर्चा गाजियाबाद, राष्ट्रवादी प्रताप सेना हापुड़, भारतीय संगठित पार्टी (एस.) गाजियाबाद व देशभक्त निर्माण पार्टी जनपद मऊ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व महासचिव उपस्थित रहे।

योजना | 13950 लोगों को मिलेंगे आवास, 2284 करोड़ रुपये होंगे खर्च

बांदा और चित्रकूट में दो नई योजनाएं शुरू करेगा आवास विकास

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बांदा और चित्रकूट में आवास एवं विकास परिषद दो नई योजनाएं शुरू करेगा। इन योजनाओं में लगभग 13950 लोगों को आवास मिलेंगे। इन दोनों योजनाओं पर परिषद लगभग 2284 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इन दोनों योजनाओं का प्रस्ताव बोर्ड बैठक में स्वीकृत हो गया। परिषद भूमि अधिग्रहण के लिए जल्द ही धारा 28 की नोटिस जारी करेगा। परिषद के सचिव डॉ. नीरज शुक्ला ने मंगलवार को बोर्ड बैठक के बाद प्रेस वार्ता में पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बांदा के ग्राम मवई बुजुर्ग में 136.76 हेक्टेयर में यह योजना शुरू की जाएगी। परिषद ने इस योजना के लिए डिमांड सर्वे भी करा लिया है। मुख्य मार्ग से इसकी दूरी लगभग 3 किलोमीटर है। योजना के अधिग्रहण और विकास पर कुल 1390 करोड़ रुपये खर्च होंगे। योजना में लगभग 9500 लोगों को मकान और भूखंड मिलेंगे। सचिव ने बताया कि परिषद चित्रकूट के ग्राम चकला राजरानी, अहमदगंज में 64 हेक्टेयर में योजना शुरू करेगा। इस योजना के अधिग्रहण और विकास पर लगभग 894 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। इस योजना में लगभग 4450 लोगों को आवास की सुविधा मिलेगी।

वाराणसी में 1200 एकड़ जमीन खरीदने को मंजूरी

आवास विकास परिषद की पूर्व से संचालित जीटी रोड बाईपास भूमि विकास एवं गृहस्थान योजना वाराणसी में 1200 एकड़ जमीन खरीदने के लिए बोर्ड बैठक में परिषद अधिनियम 1965 की धारा 31(2) के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान कर दी। यह जानकारी सचिव डॉ. नीरज शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के अधिग्रहण और विकास कार्य पर परिषद लगभग 3158 करोड़ रुपये खर्च करेगा। योजना के तहत वाराणसी के ग्रमा निबिया, फरीदपुर, हांसापुर, नकाइन, सदलपुर, सगहट, कादीपुर, मीरापुर, रामपुर, मिसिरपुर की भूमि अधिग्रहित की जाएगी।

उन्नाव में 165 एकड़ की योजना पर 700 करोड़ होंगे खर्च

सचिव ने बताया कि उन्नाव भूमि विकास एवं गृहस्थान योजना संख्या 3 उन्नाव के ग्राम गदनखेड़ा सिंगरौसी में पूर्व से संचालित योजना के लगभग 165 एकड़ भूमि के अधिग्रहण व विकास पर परिषद लगभग 700 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इस योजना को भी परिषद अधिनियम 1965 की धारा 31(2) के अंतर्गत बोर्ड ने स्वीकृति प्रदान की।

24 मीटर चौड़ी सड़कों पर स्थित आवास में कर सकेंगे व्यवसायिक निर्माण : 24 मीटर या उससे अधिक चौड़ी सड़कों पर लोग आवासीय भूखंडों में निर्धारित सीमा तक व्यवसायिक निर्माण कर सकेंगे। जिन लोगों ने नई उपविधि लागू होने से पहले आवासीय परिसर में व्यवसायिक निर्माण कर लिया है, उनको नई नियमावली के तहत शमन मानचित्र पास कराना होगा। 1500 वर्गमीटर भूमि पर अपार्टमेंट बनाने के साथ ही भूतल पर व्यवसायिक गतिविधियां की जा सकेंगी। अभी तक इसकी अनुमति नहीं थी। परिषद की उप आवास आयुक्त पल्लवी मिश्रा ने यह जानकारी प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद की मंडोला योजना सहित अन्य योजनाओं में फ्लैट खरीदने पर नियमानुसार छूट दी जाएगी। 60 दिन में एकमुश्त धनराशि जमा करने पर 5 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट मिलेगी।

इन प्रस्तावों को मिली मंजूरी

- इंटेलीजेंस ब्यूरा परिषद की सिकन्दरा योजना आगरा के सेक्टर 3 ए में लगभग 24,000 वर्ग फिट के भूखंड कॉमर्शियल दर पर खरीदेगा।
- नगर निगम मुरादाबाद अपने कार्यालय के लिए मझोला योजना संख्या 4 भाग 2 मुरादाबाद के सेक्टर 9ए में भूखंड खरीदेगा। इसके लिए ग्रुप हाउसिंग भूखंड के लेआउट में संस्थागत उपयोग अनुमन्य करने का पास किया गया।

बरेली कॉलेज में द्वितीय चरण में प्रवेश आज तक

रिक्त सीटों के सापेक्ष सही आवेदनों पर होंगे प्रवेश

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष में द्वितीय चरण में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के लिए पोर्टल खोल दिया गया है।

रिक्त सीटों के सापेक्ष जिन विद्यार्थियों के आवेदन सही पाए गए, वह बुधवार तक पोर्टल पर शुल्क जमा कर प्रवेश ले सकेंगे। वहीं स्नातक में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की कक्षाएं शुरू हो गई हैं। टीसी और सीसी जमा कराकर सेक्शन आवंटित किए जा रहे हैं। इसके लिए विद्यार्थियों की लाइनें भी लग रही हैं। प्रवेश समिति के अनुसार बीएससी जीव विज्ञान में किसी भी वर्ग में सीटें रिक्त नहीं रह गई हैं। सभी 720 सीटें फुल हो गई हैं। बीएससी गणित में सभी वर्गों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को मौका दिया गया है। इसमें अभी सीटें काफी रिक्त हैं। वहीं बीए में सिर्फ ईडब्ल्यूएस और बीकॉम में ईडब्ल्यूएस और एससी की ही सीटें रिक्त हैं।

जिन विद्यार्थियों के आवेदन सही नहीं पाए गए, उन्हें प्रवेश का मौका नहीं दिया गया है।

परास्नातक में 2056 आवेदन, एमए सांख्यिकी का नहीं खुला खाता

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अब तक 2056 आवेदन हो चुके हैं लेकिन एमए सांख्यिकी में एक भी आवेदन नहीं आया है। कई ऐसे पाठ्यक्रम हैं, जिनमें सीटों से काफी अधिक आवेदन आए हैं तो कई में गिनती के ही आवेदन आए हैं। रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने परास्नातक में प्रवेश के लिए 31 जुलाई आवेदन की अंतिम तिथि निर्धारित की है। इसके बाद महाविद्यालयों को मेरिट जारी कर प्रवेश लेने होंगे।

व अदालत अपर सिविल जज सी.डि. द्वितीय, बरेली
मुकदमा नं. 154 सन् 2025

दरखास्त मुसम्मी अर्चना गुप्ता बनाम शाखा प्रबन्धक वास्ते हुक्म सर्टिफिकेट वसूल दर्ज व किफायत जाये या फतावी मुसम्मी मुतवर्फा अपने व मुजावि एक्स 7 सन् 1989 ई. व कैद हरगाह मुसम्मी अर्चना गुप्ता ने दरखास्त हुक्म सर्टिफिकेट और तारीख 04.04.2025 वास्ते समायज दरखास्त हाला के मुकरर की है लिहाजा इश्तहार जारी किया जाता है कि जिस किसी को दरख्वास्त हाजा के निसवत कोई उजर हो असालतन या वकालतन बतारीख 05.08.2025 पेश होकर दरखास्त हाजा की निसवत उजर पेश करें दरसूरत इनकामे तारीख मुकरर कोई उजर निस्वत दरखास्त सुना नहीं जायेगा और मुनासिब हुक्म निरवत दरखास्त हाजा सादिर होगा। मेरे दस्तखत व मोहर अदालत में आज तारीख 30.05.2025 को जारी किया गया।

सम्मन मुद्दालय
न्यायालय श्रीमान तहसीलदार
तहसील सदर जिला बरेली।
वाद सं. 920/02-03
जगदीश नरायन दुबे आदि बनाम मंसूर खां
धारा 34/35 उ.प्र. राजस्व संहिता

ग्राम बिहारमान नगला पर. तह. व जिला बरेली नियत तिथि 29/07/25 बनाम

1. श्रीमती कलावती दुबे पत्नी स्व. जगदीश नरायन दुबे, 2. मनीश दुबे पुत्र स्व. चन्द्रभान दुबे, 3. आदर्श दुबे पुत्र स्व. चन्द्रभान दुबे, संरक्षिका श्रीमती ववीना दुबे पत्नी स्व. चन्द्रभान दुबे माता सगी, 4. श्रीमती ववीना दुबे पत्नी स्व. चन्द्रभान दुबे, समस्त हाल निवासीगण रोड नं. 1 क्वार्टर नं. 707/3बी/ इज्जत नगर बरेली

चूंकि मुसम्मी मकबूल खां ने आपके नाम का एक नालिस धारा 34/35 उ.प्र. राजस्व संहिता का वाद दायर किया है लिहाजा आपको इत्तला दी जाती है कि आप बतारीख 29/07/25 असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात मुकदमा से वाखूबी वाकिफ हो, मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैरहाजिरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा।

आज व तारीख 08/07/25 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया। **जज**

42 सीट वाली पांच रोडवेज बसें मिलीं, 19 और आएंगी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

बरेली : बस का निरीक्षण करते आरएम और एआरएम।

- **बरेली डिपो की 12 और पीलीभीत की सात बसें अगले सप्ताह पहुंचेंगी**

अमृत विचार: शासन से बरेली रीजन के रुहेलखंड डिपो को 42 सीट वाली पांच नई बसें मिली हैं। ये बसें सिर्फ आगरा रूट पर ही चलेंगी। इसके अलावा बरेली डिपो को 12 और पीलीभीत डिपो को सात बसें भी अगले सप्ताह तक मिल जाएंगी। आरएम, एआरएम आदि अफसरों ने नई बसों के डिपो में शामिल होने पर निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा।

आरएम दीपक चौधरी ने बताया कि बरेली रीजन को 42 सीट वाली 24 साधारण बसें आवंटित की जानी हैं। इसकी मंजूरी दो महीने पहले ही मिल गई थी। मंगलवार को पांच मिनी बसें बरेली पहुंच गईं। जो रुहेलखंड डिपो के बेड़े में शामिल की गई हैं। बरेली डिपो को 12 बसों मिलनी हैं। इनमें से पांच बसों को लेने के चालक रवाना कर दिए गए हैं। इन बसों का संचालन मथुरा, वृंदावन और लखनऊ रूट पर होगा, जबकि पीलीभीत डिपो के लिए सात बसें अगले सप्ताह में मिलेंगी।

यह सभी बसें कौशांबी रूट पर चलेंगी। इन बसों की मेंटीनेंस की जिम्मेदारी विभाग की नहीं होगी। इसका जिम्मा कंपनी का होगा। 42 सीटर वाली बसें साधारण बसों की अपेक्षा छोटी हैं और यह जाम में कम फंसेंगी।

नकाबपोश बदमाशों ने महिला से की लूट

रामपुर, अमृत विचार : शहजादनगर थाना क्षेत्र में बदमाशों ने महिला से लूट की। बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने विरोध करने पर महिला पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मोमिनपुरा अहमदाबाद में कमलेश पत्नी सुंदर लाल रहती है। गांव में ही कमलेश ने जंगल किनारे खेत ठेके पर ले रखा है। खेत में घास कटवाने के दौरान दौरान बाइक सवार दो बदमाश आ धमके। एक ने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था, जबकि दूसरा बदमाश बुर्के में था। एक बदमाश ने कमलेश की गर्दन पर चाकू रख कुंडल और गले चेन झपट ली। विरोध करने पर चाकू से प्रहार कर दिए। घायल कमलेश को ग्रामीणों ने अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

टीटीई की सतर्कता से ट्रेन में छूटा बैग यात्री को मिला

बरेली : मंडल के टनकपुर स्टेशन पर तैनात उप मुख्य चल टिकट निरीक्षक (टीटीई) गोविंद सिंह मंगलवार को वह 15073 त्रिवेणी एक्सप्रेस में ड्यूटी पर थे। खटीमा से टनकपुर के लिए गाड़ी के प्रस्थान के बाद एक सीट पर बैग मिला। पीएनआर में दर्ज मोबाइल नंबर के माध्यम से संपर्क साधा गया और यात्री आरए अग्रवाल से बात हुई। उन्होंने बताया कि वह पत्नी सुनीता के साथ रायबरेली से खटीमा तक यात्रा कर रहे थे। अनजाने में उनका बैग ट्रेन में छूट गया। बैग में जरूरी सामान और आभूषण थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत ठिरिया बन्नोजान विकास खण्ड भदपुरा (बरेली)

निविदा आमंत्रण सूचना

सभी पंजीकृत फर्मो को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 को जिला योजना की धनराशि से अंत्येष्टि स्थल विकास का निर्माण का निर्माण कराया जाना है जिसमें निर्माण हेतु सामग्री सरिया, सीमेन्ट, लोहा, सेनेटरी, टाइल्स, टीन शेड, बजरी, बजरफुट, प्रथम श्रेणी ईट, इण्टरलॉकिंग ईट, बालू, रेता, चौखट, विन्डो, दरवाजे, पाइप लाइन, बिजली फिटिंग, लोहे के गेट, टंकी फिटिंग, प्राइमर, पेंट, वृक्षारोपण आदि आपूर्ति हेतु सीलबन्द निविदायें दिनांक 25.07.2025 के 11 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन दोपहर 2 बजे खोली जायेंगी निविदा स्वीकृत करने न करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	अन्तयेष्टि स्थल की कुल लागत	अनुमानित लागत रू.
1.	अन्तयेष्टि स्थल	24.35 लाख	24.35 लाख

श्रीमती विमला देवी-प्रधान **अमित कुमार-सचिव**

कार्यालय ग्राम पंचायत सिमरा अजूबा बेगम विकास खण्ड बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिमरा अजूबा बेगम वि.ख. बिथरी चैनपुर जनपद बरेली में वित्तीय वर्ष 2025-26 में अंत्येष्टि स्थल का निर्माण हेतु उच्चकोटि/गुणवत्तापूर्वक सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	आपूर्ति हेतु सामग्री
1.	ग्राम पंचायत सिमरा अजूबा बेगम में अंत्येष्टि स्थल का निर्माण	रू. 24.40 लाख (रूपये)	सीमेंट, रेता, बजरफुट, बजरी, सरिया, ईट, रोड़ी, आयरन, जी.आई.-शीट, एंगिल, पेंट, प्राइमर टाइल्स आदि।

उक्त कार्य हेतु ग्राम पंचायत द्वारा दिनांक 29.07.2025 तक मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन दोपहर 3 बजे उनके समक्ष खोली जायेगी। निविदा संबंधी जानकारी के लिए किसी भी दिन कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

प्रधान **सचिव**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

17वाँ0 (वि0/याँ0) वृत्त लो0 नि0 वि0

96 महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ

पत्रांक :- 849/11CBW-17E/M/2025-26 दिनांक: 18-07-2025

अल्पकालीन ई.निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु (द्वितीय आमंत्रण) दो बिड पद्धति के अन्तर्गत प्रतिशत दर के आधार पर ऑनलाईन निविदा https://etender.up.nic.in के माध्यम से दिनांक 24.07.2025 से दिनांक 08.08.2025 दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की टेक्निकल बिड दिनांक 07.08.2025 अपरान्ह 12:30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में टेक्निकल बिड अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र0स0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र मूल्य (रू0 में)	निविदा की पात्रता
1	2	3	4	5	6	7
1	**जनपद लखीमपुर खीरी के राष्ट्रीय मार्ग खण्डीय कार्यालय भवन में विद्युतीकरण का कार्य।**	12.74+ जी0एस0टी0 अतिरिक्त	1.28	03 Months	766.00	लो0नि0वि0, में विद्युत कार्यो हेतु 'ए' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

शासनादेश सं0-1/2018/3070/78-2-2018/42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03/01/2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने हैं। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने के दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डॉक्यूमेन्ट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।

निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते तथा विवरण वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP - 236167 दिनांक: 21/07/2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(रंजीता प्रसाद)
अधिशासी अभियन्ता
याँत्रिक खण्ड,
लो0नि0वि0 लखनऊ

(आर.एम.श्रीवास्तव)
अधीक्षण अभियन्ता
17वाँ0 (वि0/याँ0) वृत्त
लो0नि0वि0 लखनऊ

बीकॉम षष्टम सेमेस्टर का परिणाम जारी

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने बीकॉम षष्टम सेमेस्टर का परिणाम जारी कर दिया है। जल्द ही बीए और बीएससी षष्टम सेमेस्टर का परिणाम जारी किया जाएगा, ताकि विद्यार्थी परास्नातक में प्रवेश ले सकें।

दूसरे समुदाय के युवक को पीटने की अफवाह फैलाने वाले पर रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : जोगीनवादा चौकी इंचार्ज सन्नी चौधरी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 8 :30 बजे कांवड़ियों का एक जत्था पीलीभीत बाईपास पर गुजर रहा था। जोगी नवादा निवासी रंजीत की साइकिल कांवड़ से छू गई। इस बात पर कांवड़िये भड़क उठे। रंजीत तुरंत पास में स्थित एक एजेंसी के शोरूम में घुस गया। पुलिस ने दोनों को समझा-बुझाकर वहां से रवाना कर दिया। आरोप है कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने माहौल खराब करने के उद्देश्य से अफवाह फैलाई कि मुस्लिम समझकर कांवडियों ने बुरी तरह युवक को पीटा। पुलिसन ने अफवाह फैलाने वाले आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कार्यालय उपजिलाधिकारी, पूरनपुर।

संख्या- /र0का0-25 दिनांक-जुलाई ,2025

विषय- मत्स्य पालन पट्टों के आवंटन हेतु शिविर का आयोजन विषयक।

प्रेस-विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया गया है कि तहसील पूरनपुर के अर्न्तगत ग्रामो में उपलब्ध तालाब, झील, पोखर व मीनाशयो का मत्स्य पालन के लिये 10 वर्षीय आवंटन हेतु राजस्व संहिता की धारा-61 में निहित प्रावधानो व एंव समय समय पर निर्गत शासनादेशो में दी गयी व्यवस्था के अनुसार मत्स्य पालन हेतु निर्धारित क्षेत्रफल 02हे0 तक के तालाब न्यूनतम 5000/-रू(पॉच हजार रू0) हे0 प्रतिवर्ष लगान पर व 02हे0 से अधिक बडे तालाव का वार्षिक लगान 10000/-रू0 (दस हजार) न्यूनतम प्रति हे0 प्रतिवर्ष रहेगा बोली बोलने के लिए जमानत धनराशि निर्धारित बोली की 10 प्रतिशत जमा होगी तालाब की नीलामी शिविर के माध्याम से नामित नीलामी अधिकारी की अध्यक्षता मे नीलामी बोली दिनांक-08.08.2025 दिन शुक्रवार समय प्रातः 11.00बजे अपरान्ह 03.00बजे तक स्थान तहसील पूरनपुर स्थित अम्बेडकर सभागार में होगी, जिसमें मछुआ समुदाय को वरीयता दी जायेगी। इसके अतिरिक्त गरीबी रेखा के नीचे निवास करने वाले अनूसूचित जाति/पिछडी जाति/सामान्य जाति के व्यक्ति भाग ले सकेगें। 02हे0 क्षेत्रफल से बडे जलक्षेत्रो का आवंटन पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समितियो के पक्ष में किया जायेगा। आवंटन लेने के इच्छुक व्यक्ति का आवेदन पत्र के साथ नीलामी विधि के पूर्व का आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के उपरान्त ही भाग ले सकेगें। वाद मे जारी प्रमाण पत्र किसी भी दशा मे मान्य नही होगा। यदि कोई तालाब पूर्व में आवंटित पाया जाता है तो ऐसी दशा में आवंटन निरस्त माना जायेगा। नीलामी स्वीकृत करनें व निरस्त करने का अधिकार उपजिलाधिकारी पूरनपुर में निहित होगा।

नीलामी का स्थान-अम्बेडकर सभागार तहसील पूरनपुर। नीलामी की तिथि-08.08.2025
नीलामी का समय-11-00 बजे नीलामी अधिकारी-नायव तहसीलदार उत्तरी पूरनपुर।

आवंटन हेतु प्रस्तावित तालाबो का विवरण-

क्र0 सं0	ग्राम का नाम जहॉ तालाब स्थित है	गाटा संख्या	रकवा हे0 में	सरकारी बोली का विवरण	नीलामी हेतु नियत तिथि
1	लाह	315	0.263	1315	08.08.2025
2	लाह	478	0.227	1135	08.08.2025
3	लाह	421	0.506	2530	08.08.2025
4	पिपरिया लाला	77	0.898	4490	08.08.2025
5	मुरादपुर	157	0.283	1415	08.08.2025
6	कुलवागाढा	260	0.514	2570	08.08.2025
7	कुलवागाढा	264	0.470	2350	08.08.2025
8	रूदपुर	35	0.384	1920	08.08.2025
9	अभयपुर ज0 जगतपुर	513मि0	0.202	1010	08.08.2025
10	अभयपुर ज0 जगतपुर	513मि0	0.405	2025	08.08.2025
11	विनौरा ता0 गजरौला	79	1.795	8975	08.08.2025
12	विनौरा ता0 गजरौला	80	4.763	47630	08.08.2025
13	विनौरा ता0 गजरौला	148	2.442	24420	08.08.2025
14	शेरपुर कला	362	0.202	1010	08.08.2025
15	शेरपुर कलां	395	0.688	3440	08.08.2025
16	शेरपुर कलां	421	0.223	1115	08.08.2025
17	शेरपुर कलां	695	0.218	1090	08.08.2025
18	शेरपुर कलां	707	0.372	1860	08.08.2025
19	धर्मपुर खुर्द	455	0.294	1470	08.08.2025
20	भवानीपुर ता0 गजरौला	53	0.243	1215	08.08.2025
21	बहादुरपुर	174	0.425	2125	08.08.2025
22	बहादुरपुर	61	0.214	1070	08.08.2025
23	दुधिया कलां	151	0.571	2855	08.08.2025
24	सैहरामऊ उत्तरी	92	0.417	2085	08.08.2025
25	सैहरामऊ उत्तरी	153	0.324	1620	08.08.2025
26	सैहरामऊ उत्तरी	193	0.482	2410	08.08.2025
27	गोविन्दपुर मोहनपुर	164	0.243	1215	08.08.2025
28	गोविन्दपुर मोहनपुर	167	0.279	1395	08.08.2025
29	सुन्दरपुर	280	0.324	1620	08.08.2025
30	नवदिया नदी किनारे जुकना	322	0.235	1175	08.08.2025
31	नवदिया नदी किनारे जुकना	327	0.595	2975	08.08.2025
32	नवदिया नदी किनारे जुकना	472	0.218	1090	08.08.2025
33	फत्तेपुर खुर्द	195	0.454	2270	08.08.2025
34	फत्तेपुर खुर्द	255	0.450	2250	08.08.2025
35	महादेव	55	1.011	5055	08.08.2025
36	महादेव	59	0.425	2125	08.08.2025
37	महादेव	113	0.326	1630	08.08.2025
38	मती माफी	64मि0	23.006	230060	08.08.2025
39	मुरादपुर	545ख	0.445	2225	08.08.2025
40	हमीरपुर	643	0.380	1900	08.08.2025
41	हमीरपुर	683	0.405	2025	08.08.2025
42	रामनगर ता0 चांदपुर	99	0.567	2835	08.08.2025
43	दौलतपुर ता0 चांदपुर	240	0.275	1375	08.08.2025
44	रायपुर विचपुरी	179	0.218	1090	08.08.2025
45	रायपुर विचपुरी	238	0.459	2295	08.08.2025
46	रायपुर विचपुरी	259	0.283	1415	08.08.2025
47	रायपुर विचपुरी	264	0.259	1295	08.08.2025
48	रायपुर विचपुरी	288	0.558	2790	08.08.2025
49	रायपुर विचपुरी	422	0.247	1235	08.08.2025
50	रायपुर विचपुरी	479क	0.429	2145	08.08.2025
51	रायपुर विचपुरी	494	0.328	1640	08.08.2025
52	रायपुर विचपुरी	496	0.502	2510	08.08.2025
53	रायपुर विचपुरी	533ख	0.434	2170	08.08.2025
54	नवदिया लक्षन	65	2.090	10450	08.08.2025
55	वरगदिया	159	0.340	1700	08.08.2025
56	वरगदिया	167	0.316	1580	08.08.2025
57	पिपरा मुजप्ता	831	0.729	3645	08.08.2025
58	जगतपुर	25	0.429	2145	08.08.2025
59	जगतपुर	38	0.405	2025	08.08.2025
60	जगतपुर	125	0.328	1640	08.08.2025
61	जगतपुर	159	0.312	1560	08.08.2025
62	जगतपुर	226	0.528	2640	08.08.2025
63	गढाकलां	47	0.607	3035	08.08.2025
64	सुआबोझ	204	0.271	1355	08.08.2025
65	गुलडिया भूपसिंह	972	0.235	1175	08.08.2025
66	गुलडिया भूपसिंह	1037	0.222	1110	08.08.2025
67	रामनगर	8	0.602	3010	08.08.2025
68	भगौतीपुर	235	0.509	2545	08.08.2025
69	बलरामपुर ज0 रनमस्तपुर	274	0.283	1415	08.08.2025
70	बलरामपुर ज0 रनमस्तपुर	282	1.299	6495	08.08.2025
71	बलरामपुर ज0 रनमस्तपुर	312	0.482	2410	08.08.2025
72	अजीतपुर विल्हा	484	1.376	6880	08.08.2025
73	घनश्यामपुर	523	0.255	1275	08.08.2025
74	गरीबपुर	129	0.409	2045	08.08.2025
75	वांसबोझी	37	0.300	1500	08.08.2025
76	वांसबोझी	151	0.304	1520	08.08.2025
77	टांडा	1636	0.275	1375	08.08.2025
78	भैसासुर	1	0.587	2935	08.08.2025
79	सिमरा ता0 घुघचिहाई	23	0.231	1155	08.08.2025
80	सिमरा ता0 घुघचिहाई	62	0.450	2250	08.08.2025
81	महुआ गुन्दे	107	1.254	6270	08.08.2025
82	महुआ गुन्दे	162	0.267	1335	08.08.2025
83	महुआ गुन्दे	242	0.243	1215	08.08.2025
84	कटैया	31	0.251	1255	08.08.2025
85	कटैया	38	0.458	2290	08.08.2025
86	कटैया	156	0.202	1010	08.08.2025
87	कटैया	164	0.458	2290	08.08.2025
88	कटैया	182	0.239	1195	08.08.2025
89	बांसबोझी	120	0.336	1680	08.08.2025
90	निवाजपुर ता0 चांदपुर	153	0.470	2350	08.08.2025
91	वासुपुर	5	0.324	1620	08.08.2025
92	वासुपुर	23	0.277	1385	08.08.2025
93	खाडेपुर	58	0.271	1355	08.08.2025
94	खाडेपुर	264	0.251	1255	08.08.2025
95	खाडेपुर	288	0.308	1540	08.08.2025
96	खाडेपुर	295ख	0.283	1415	08.08.2025
97	खाडेपुर	296	0.295	1475	08.08.2025
98	खाडेपुर	392	0.340	1700	08.08.2025
99	खाडेपुर	445	0.388	1940	08.08.2025
100	मंगदपुर	1	0.372	1860	08.08.2025
101	मंगदपुर	838	0.202	1010	08.08.2025
102	श्यामपुर	99	0.567	2835	08.08.2025
103	सिंहपुर ता0 चांदपुर	30	0.603	3015	08.08.2025
104	जादौपुर	28	0.243	1215	08.08.2025
105	जादौपुर	109	0.271	1355	08.08.2025
106	जादौपुर	214	0.271	1355	08.08.2025
107	जादौपुर	236	0.547	2735	08.08.2025
108	जादौपुर	239	0.283	1415	08.08.2025
109	रूरिया ता0 गजरौला	63	0.376	1880	08.08.2025
110	हरीपुर कलां	4	0.384	1920	08.08.2025
111	हरीपुर कलां	56	0.445	2225	08.08.2025
112	दिलावरपुर	80	0.316	1580	08.08.2025
113	दिलावरपुर	81	0.433	2165	08.08.2025
114	दिलावरपुर	95	0.320	1600	08.08.2025
115	दिलावरपुर	277	0.409	2045	08.08.2025
116	दिलावरपुर	387	0.607	3035	08.08.2025
117	मेघपुर	48	1.497	7485	08.08.2025
118	मेघपुर	221	0.413	2065	08.08.2025
119	नरायनपुर ता0 घुघचिहाई	105	0.295	1475	08.08.2025
120	नरायनपुर ता0 घुघचिहाई	187	0.360	1800	08.08.2025
121	मोहब्बतपुर	127	0.251	1255	08.08.2025
122	मोहब्बतपुर	156 / 194	0.243	1215	08.08.2025
123	खमरिया पटटी	129	0.316	1580	08.08.2025
124	खमरिया पटटी	346	0.425	2125	08.08.2025
125	खमरिया पटटी	446	0.212	1060	08.08.2025
126	खमरिया पटटी	751	0.344	1720	08.08.2025
127	खमरिया पटटी	772	0.328	1640	08.08.2025
128	खाता	187	0.243	1215	08.08.2025
129	खाता	220 / 324	0.231	1155	08.08.2025
130	खाता	235	0.279	1395	08.08.2025
131	अमरैइया कलां	21	0.271	1355	08.08.2025
132	वेगपुर	2	0.340	1700	08.08.2025
133	अमरैइया खुर्द	96	0.259	1295	08.08.2025
134	महद	147	1.327	6635	08.08.2025
135	हरसिंगपुर	120	0.214	1070	08.08.2025
136	सबलपुर मु0 रामपुर फकीरे	80	0.397	1985	08.08.2025
137	सबलपुर मु0 रामपुर फकीरे	84	0.478	2390	08.08.2025
138	कटैटया	165	0.457	2285	08.08.2025
139	कटैटया	287	0.227	1135	08.08.2025
140	रूरिया सलेमपुर	188	0.547	2735	08.08.2025
141	तकिया दीनारपुर	328	0.291	1455	08.08.2025
142	तकिया दीनारपुर	96	0.482	2410	08.08.2025
143	तकिया दीनारपुर	175	0.344	1720	08.08.2025
144	तकिया दीनारपुर	293	0.388	1940	08.08.2025
145	सुखदासपुर	40	0.454	2270	08.08.2025
146	नवदिया मकसूदपुर	108	0.279	1395	08.08.2025
147	रामपुर फकीरे	94	0.413	2065	08.08.2025
148	रामपुर फकीरे	173	0.235	1175	08.08.2025
149	रामपुर फकीरे	316	0.283	1415	08.08.2025
150	किशनपुर हरीपुर	548	0.352	1760	08.08.2025
151	किशनपुर हरीपुर	831	1.380	6900	08.08.2025
152	किशनपुर हरीपुर	835	0.801	4005	08.08.2025
153	बंजरिया	178	0.676	3380	08.08.2025
154	बंजरिया	255	0.458	2290	08.08.2025
155	जयरामपुर	26	0.417	2085	08.08.2025
156	कीरतपुर उर्फ जैनपुर	81	0.352	1760	08.08.2025
157	कीरतपुर उर्फ जैनपुर	246	0.344	1720	08.08.2025
158	कीरतपुर उर्फ जैनपुर	350	0.275	1375	08.08.2025
159	नौगवां मु0 मोहम्मदपुर	59	0.337	1685	08.08.2025
160	चतीपुर	21	7.784	77840	08.08.2025
161	सपहा	91	2.351	23510	08.08.2025
162	नवदिया मुजप्ता	449	0.777	3885	08.08.2025
163	गुलालपुर खमरिया	480	0.777	3885	08.08.2025
164	गदियाना	59	0.562	2810	08.08.2025
165	मालिन कुइया	106	0.262	1310	08.08.2025
166	हुसैनपुर खुर्द	25	0.255	1275	08.08.2025
167	गजरौला खास	766	0.486	2430	08.08.2025
168	चांट फिरोजपुर	15	0.287	1435	08.08.2025
169	चांट फिरोजपुर	283	0.295	1475	08.08.2025
170	चांट फिरोजपुर	420	0.223	1115	08.08.2025
171	रामपुर ता0 महाराजपुर	210	0.202	1010	08.08.2025
172	कपूरपुर	72	0.300	1500	08.08.2025
173	कपूरपुर	84	0.388	1940	08.08.2025
174	कपूरपुर	94	0.295	1475	08.08.2025
175	कपूरपुर	123	0.214	1070	08.08.2025
176	कपूरपुर	165	0.692	3460	08.08.2025
177	कपूरपुर	182	0.372	1860	08.08.2025
178	कपूरपुर	196	0.202	1010	08.08.2025
179	गैरतपुर जप्ती	261	0.348	1740	08.08.2025
180	गैरतपुर जप्ती	29	0.218	1090	08.08.2025
181	नौगवा मु0 मुजफ्फरनगर	133	0.300	1500	08.08.2025
182	मुडिया	201	0.283	1415	08.08.2025
183	मुडिया	312	0.315	1575	08.08.2025
184	मोहनपुर जप्ती	96	0.263	1315	08.08.2025
185	मोहनपुर जप्ती	574	0.652	3260	08.08.2025
186	मोहनपुर जप्ती	607	0.206	1030	08.08.2025
187	बिनौरा खास ता0 माधोटांडा	145	0.336	1680	08.08.2025
188	जेठापुर खुर्द	163	0.429	2145	08.08.2025
189	जेठापुर खुर्द	344	0.555	2775	08.08.2025

1-तालाब/नीलामी आवंटन हेतु बोली लगाये जाने की कार्यवाही में नियत तिथि का शेष वचे तालावों को नीलाम करने हेतु दिनांक 22.08.2025 को उपरोक्तानुसार पुनः शिविर का आयेजन किया जायेगा।

2-नीलामी/ आवंटन के दौरान किसी भी समय यदि कोई तथ्य संज्ञान में आता है जिससे कि सूची में अंकित किसी तालाब को आवंटन किया जाना सम्भव न हो तो उसे नीलामी/बोली की प्रक्रिया से किसी भी समय हटाया जा सकता है।

3-नीलामी/बोली प्रक्रिया में नीलामी/ बोली नीलाम अधिकारी द्वारा स्वीकृत किये जाने के उपरान्त कोई अन्यथा तथ्य तालाब में आने पर आवंटन स्वीकृतकर्ता/उपजिलाधिकारी को नीलामी निरस्त करने का अधिकार होगा।

4-नीलामी/बोली प्रक्रिया के दौरान जाति प्रमाण पत्र व निवास प्रमाण पत्र अनिवार्य होगा जाति प्रमाण पत्र न होने पर बोली लगाने से वंचित किया जा सकता है तथा अन्य किसी पात्र व्यक्ति को आवंटन दिया जा सकता है।

5-यदि कोई बोलीकर्ता को पूर्व में कोई तालाब आवंटित किया गया है तथा वह तालाब आवंटन प्रक्रिया में भाग लेना चाहता है तो पूर्व से आवंटित तालाब के समस्त लगान जमा रसीद की छायाप्रति अवश्य लेकर आये।

UP-236176 दिनांक 21.07.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

उपजिलाधिकारी पूरनपुर।

अमृत विचार

बुधवार, 23 जुलाई 2025

पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड

एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर पश्चिमी देशों का दोमुंहापन उजागर हुआ है। नाटो महासचिव मार्क रूट्टे की रूसी तेल आयात संबंधी धमकी पर भारत द्वारा करारा जवाब दिया गया है। दरअसल, अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान, रूट्टे ने भारत, चीन और ब्राजील को चेतावनी दी है कि वे रूस पर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए दबाव बनाएं अन्यथा दंडात्मक व्यापार शुल्क का सामना करने के लिए तैयार रहें। निश्चित रूप से रूट्टे की यह टिप्पणी अमेरिका के रूस प्रतिबंध अधिनियम 2025 का समर्थन करती है। अधिनियम रूस के तेल, गैस, यूरेनियम या पेट्रोकेमिकल्स का व्यापार करने वाले देशों पर पांच सौ फीसदी तक शुल्क लगाने का प्रस्ताव पेश करता है। साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के दावों में नाकाम ट्रंप प्रशासन अपनी खिसियाट उन देशों से निकाल रहा है जो रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। जिनमें भारत के साथ चीन व ब्राजील भी शामिल हैं। ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर जल्द ही इस संकट का समाधान नहीं हुआ तो वे रूस और उसके व्यापारिक साझेदारों पर सख्त टैरिफ लगा देंगे। यह बदलाव जमीनी स्तर पर जटिल हकीकतों को दर्शाता है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से, अमेरिका और यूरोप ने रूस पर कई स्तर के प्रतिबंध लगाए हैं, जिनका रूस की युद्ध नीतियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। तीसरे देशों को दंडित करने की धमकी देकर, ट्रंप एक असफल नीति को और भी मज़बूत कर रहे हैं और भारत जैसे अमेरिकी साझेदार देशों की ऊर्जा सुरक्षा को भी खतरे में डाल रहे हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पूरी तरह से आयातित तेल पर निर्भर करता है। देश अपने कच्चे तेल का 88 फीसदी आयात करता है। जिसके चलते ही भारत ने पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड के प्रति ही आगाह किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सीनेटर लिंडसे ग्राहम को भारत की चिंताओं से अवगत कराया है। साथ ही भारत की वैध ऊर्जा आवश्यकताओं और अपनी आर्थिक दिशा स्वयं निर्धारित करने के संप्रभु अधिकार पर जोर दिया है। निश्चित रूप से दुनिया के तटस्थ और विकासशील देशों को पश्चिमी देशों की दादागीरी का विरोध करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि फरवरी में रूसी तेल आयात में 14.5 फीसदी की गिरावट आने के बावजूद, रूस, भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। भारत का स्पष्ट कहना है कि उसके निर्णय अपने राष्ट्रीय हितों के मद्देनजर लिए जाएंगे। जिसको लेकर वह कोई बाहरी दबाव स्वीकार नहीं करेगा।

इस दिशा में रूस-भारत-चीन वार्ता को फिर से शुरू करने की भारत की पहल बदलते रणनीतिक संतुलन की ओर संकेत करती है। जो वैश्विक व्यवस्था में पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती देता है। वर्ष 2022 में भी रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने पर अमेरिका ने रूस से भारत के तेल खरीदने को लेकर प्रश्न उठाए थे। तब भी भारत ने उसे अहसास कराया था कि हम अपने आर्थिक प्राथमिकताओं के मद्देनजर ही अपने फैसले लेंगे। गौरतलब है कि यूरोपीय देश अन्य देशों और अपरोक्ष माध्यमों से रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखे हुए हैं। लेकिन चाहते हैं कि ग्लोबल साउथ के देशों पर ऐसा करने पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएं। भारत तथा तुर्की में परिष्कृत रूसी तेल को यूरोपीय संघ को फिर से निर्यात किया जाना पश्चिमी देशों के खोखलेपन को ही उजागर करता है। पश्चिमी देश चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध बंद करने के लिए रूस पर दबाव बनाने हेतु दुनिया के अन्य देश उसकी हां में हां मिलाएं। नाटो और अमेरिका को समझना होगा कि चेतावनियों और धमकियों से वैश्विक संघर्षों का समाधान नहीं किया जा सकता। इसके बजाय, रूस और यूक्रेन के साथ निरंतर कूटनीति ज़रूरी है।

"जब कोई विचार अनन्य रूप से मस्तिष्क पर अधिकार कर लेता है तब वह वास्तविक भौतिक या मानसिक अवस्था में परिवर्तित हो जाता है।"

धनखड़ का इस्तीफा पहले भी विवादों में रहे हैं कुछ उपराष्ट्रपति

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार नीलम संजीव रेड्डी थे, जिन्हें सिंडिकेट का समर्थन प्राप्त था। इंदिरा गांधी ने वी.वी. गिरि को एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कांग्रेस के सांसदों और विधायकों से "अंतरात्मा की आवाज" पर वोट देने का आह्वान किया।

अगर भारत में उपराष्ट्रपति का पद विवादों से आमतौर पर परे रहा, तो यह कहना भी सही नहीं होगा कि इस पद पर आसीन शख्सियतें विवादों से हमेशा दूर ही रहीं। जगदीप धनखड़ के मंगलवार को उप राष्ट्रपति पद से अचानक से इस्तीफा देने से देश की राजनीति में भूचाल सा आ गया है। उनके इस्तीफे को लेकर तमाम तरह अटकलबाजी चल रही है। हालांकि उन्होंने इस्तीफे का कारण अपना खराब स्वास्थ्य बताया है। पर इस कारण पर कोई भरोसा नहीं कर रहा। धनखड़ से पहले भी देश के कुछ उपराष्ट्रपति विवादों में रहे हैं। देश में उपराष्ट्रपति को लेकर पहला विवाद बड़ा विवाद वी.वी. गिरि से जुड़ा है। यह बात है 1969 की। यह भारतीय राजनीति का एक बड़ा विवाद था जिसमें देश के उप-राष्ट्रपति सीधे तौर पर शामिल थे। दरअसल 1969 में राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन के निधन के बाद, तत्कालीन उप-राष्ट्रपति वी.वी. गिरि कार्यवाहक राष्ट्रपति बने। कांग्रेस पार्टी के भीतर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पुराने नेताओं के "सिंडिकेट" के बीच सत्ता संघर्ष चरम पर था।

कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार नीलम संजीव रेड्डी थे, जिन्हें सिंडिकेट का समर्थन प्राप्त था। इंदिरा गांधी ने वी.वी. गिरि को एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कांग्रेस के सांसदों और विधायकों से "अंतरात्मा की आवाज" पर वोट देने का आह्वान किया। परिणाम यह हुआ कि गिरि एक बहुत ही करीबी मुकाबले में जीत गए। इस घटना ने कांग्रेस पार्टी को दो फाड़ कर दिया और इंदिरा गांधी को पार्टी के सर्वोच्च नेता के रूप में स्थापित किया। यह एक ऐसा मामला था जहां उप-राष्ट्रपति का पद सीधे तौर पर सत्ता संघर्ष का एक उपकरण बन गया।

इसी क्रम में बी.डी. जत्ती और 1977 के संवैधानिक संकट की चर्चा करना भी जरूरी है। राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के निधन के 1977 में निधन के बाद, उप-राष्ट्रपति बी.डी. जत्ती कार्यवाहक राष्ट्रपति बने। देश में आपातकाल के बाद, केंद्र में जनता पार्टी की सरकार बनी। सरकार ने नौ कांग्रेस शासित राज्यों की विधानसभाओं को भंग करने की सिफारिश की। कार्यवाहक राष्ट्रपति जत्ती ने इस अध्यादेश पर हस्ताक्षर करने में शुरू में हिचकिचाहट दिखाई। उनकी हिचकिचाहट के कारण कुछ दिनों तक संवैधानिक संकट पैदा हो गया था, क्योंकि यह सवाल उठा कि क्या कार्यवाहक राष्ट्रपति कैबिनेट की सलाह को मानने के लिए बाध्य हैं। हालांकि कुछ दिनों के बाद उन्होंने हस्ताक्षर कर दिए, लेकिन इस घटना ने कार्यवाहक राष्ट्रपति की शक्तियों पर एक बड़ी बहस छेड़ दी।

आप कह सकते हैं कि दो बार उपराष्ट्रपति रहे हामिद अंसारी का कार्यकाल काफी हद तक गैर-विवादास्पद रहा, लेकिन उनके कार्यकाल के अंत में दिए गए बयानों ने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। अपने कार्यकाल के अंतिम दिन एक साक्षात्कार में, उन्होंने कहा कि देश के मुसलमानों में "असुरक्षा और बेचैनी की भावना" है। इस बयान की सत्ताधारी दल और उसके समर्थकों ने तीखी आलोचना की। उन पर एक संवैधानिक पद पर रहते हुए एक राजनीतिक और विभाजनकारी बयान देने का आरोप लगाया गया। इससे पहले भी, गणतंत्र दिवस परेड के दौरान राष्ट्रगान के समय ध्वज को सलामी न देने पर उनकी आलोचना हुई थी। बाद में यह स्पष्ट किया गया कि प्रोटोकॉल के अनुसार, केवल राष्ट्रपति ही सलामी देते हैं और अन्य सभी गणमान्य व्यक्ति केवल सावधान की मुद्रा में खड़े होते हैं। हालांकि, स्पष्टीकरण के बावजूद यह मुद्दा सोशल मीडिया पर एक विवाद बना रहा।

वेंकैया नायडू ने 2018 में, राज्य सभा के सभापति के रूप में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। तब विपक्ष ने आरोप लगाया था कि नायडू ने यह निर्णय जल्दबाजी में और सरकार के दबाव में लिया। उनका तर्क था कि प्रस्ताव में पर्याप्त संख्या में सांसदों के हस्ताक्षर थे और इसे स्वीकार कर जांच समिति को भेजा जाना चाहिए था। पर नायडू ने अपने फैसले को यह कहते हुए सही ठहराया कि प्रस्ताव में लगाए गए आरोप "अस्पष्ट" थे और "सिद्ध कदाचार" की श्रेणी में नहीं आते थे। इस फैसले ने न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के बीच संबंधों पर एक तीव्र बहस को जन्म दिया और सभापति की विवेकाधीन शक्तियों को चर्चा के केंद्र में ला दिया।

अगर इन कुछ उदाहरणों को छोड़ दें तो उप राष्ट्रपति के रूप में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. जाकिर हुसैन, गोपाल स्वरूप पाठक, एम. हिदायतुल्ला, आर.वेंकटरमण, शंकर दयाल शर्मा, डॉ. के.आर.नारायणन, कृष्ण कांत, भैरोसिंह शेखावत के कार्यकाल शांति से निकले।

कृष्णकांत का उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए 27 जुलाई, 2002 को निधन हो गया था। भैंरो सिंह शेखावत के दौर में उपराष्ट्रपति आवास के गेट आम-खास सब के लिए खुले रहते थे। भैरोंसिंह शेखावत 19 अगस्त 2002 से 21 जुलाई 2007 तक देश के उपराष्ट्रपति रहे। शेखावत जी खुद यारबाश और किस्सागो इंसान थे। उनके पास मिलने वालों की भीड़ कभी कम नहीं होती थी। गर्मागर्म चाय पिलाकर वे अतिथियों से विस्तार से वार्तालाप करते थे। गंभीर राजनीति हो या तनाव के लम्हे, शेखावत हास्य के क्षण खोज लेते थे। बहरहाल, जगदीप धनखड़ के अप्रत्याशित इस्तीफे का असर अभी कुछ दिनों तक और चलने वाला है।

आमने

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, " विपक्ष चर्चा की मांग कर रहा हैं और हम इसके लिए तैयार हैं। फिर वे सदन क्यों नहीं चलने दे रहे? अगर आप चर्चा चाहते हैं, तो हंगामा न करें। सरकार ने कहा है कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। आप जनता का पैसा बर्बाद कर रहे हैं..."

सामने

राहुल गांधी ने कहा, "सवाल यह है कि रक्षा मंत्री को सदन में बोलने की अनुमति है, लेकिन विपक्षी सदस्यों, जिनमें मैं भी शामिल हूं, विपक्ष का नेता हूं, को बोलने की अनुमति नहीं है, यह एक नया दृष्टिकोण है। परंपरा कहती है कि अगर सरकार की ओर से लोग बोल सकते हैं, तो हमें भी बोलने की जगह दी जानी चाहिए..."

नेपाल: कम्युनिस्टों के हाथ में जा रहा मधेश क्षेत्र

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

राजशाही मुक्ति के बाद नेपाल की मधेश राजनीति महत्वपूर्ण मुकाम पर थी। उपेंद्र यादव इस इलाके के सर्वमान्य नेता थे। उनकी पार्टी मधेशी जन अधिकार फोरम लोकतांत्रिक नेपाल की लोकप्रिय राजनीतिक पार्टी थी।

भारत को इस बात को लेकर चिंतित होना चाहिए कि नेपाल का मधेश क्षेत्र कम्युनिस्टों के हाथ में जा रहा है। यह क्षेत्र भारत सीमा से सटा हुआ है और इसके 22 जिलों की करीब 60-70 लाख की आबादी भारतीय मूल की है जो अपने को भारत के करीबी मानते हैं और यह भी कि जब कभी जरूरत पड़ेगी तो भारत उसके साथ खड़ा होगा। अफसोस कि भारत सीमा से सटे नेपाल के इस लंबे चौड़े भू क्षेत्र में कम्युनिस्ट दल अपने पांव तेजी से पसार रहें हैं।

गौर करने की बात है कि नेपाल का यह इलाका राजशाही काल में नेपाली कांग्रेस का गढ़ था। राजशाही के खात्मे के बाद यहां मधेशी जनाधिकार फोरम नामक मधेश आधारित राजनीतिक दल का उदय हुआ जिसके नेता उभरे उपेंद्र यादव। नेपाल की राजनीति में कभी सरकार बनाने, बिगाड़ने की खास हैसियत रखने वाले प्रमुख मधेश नेता उपेंद्र यादव की राजनीति ठिकाने लगती हुई जान पड़ रही है। ओली सरकार से समर्थन वापसी की घोषणा के पीछे मधेश की उपेक्षा नहीं वरन उनकी खुद की उपेक्षा है।

राजशाही मुक्ति के बाद नेपाल की मधेश राजनीति महत्वपूर्ण मुकाम पर थी। उपेंद्र यादव इस इलाके के सर्वमान्य नेता थे। उनकी पार्टी मधेशी जन अधिकार फोरम लोकतांत्रिक नेपाल की लोकप्रिय राजनीतिक पार्टी थी। 2008 में हुए संविधान सभा चुनाव में उपेंद्र यादव की ताकत यह थी कि प्रचंड को सरकार बनाने के लिए उनकी पार्टी का सहारा लेना पड़ा था। तब प्रतिनिधि सभा में उपेंद्र यादव की पार्टी के करीब 22 सांसद थे।

जैसे जैसे नेपाल का लोकतांत्रिक ढांचा मजबूत होता गया, उपेंद्र यादव की राजनीति कुंद पड़ती गई। इनकी शिनाख्त मधेश के एक ऐसे नेता के रूप में होती गई जिसे सिर्फ कुर्सी से प्यार था। संविधान सभा चुनाव से लेकर अब तक के हर चुनाव में उपेंद्र यादव की गठजोड़ केवल सत्ता हासिल करने वाली पार्टी से ही रही है। ये अब तक के सभी लोकतांत्रिक सरकारों में प्रमुख भूमिका में रहे हैं। इन्हें नेपाल में राजनीति का मौसम विज्ञानी माना जाता है। अपनी इसी कला के चलते वे नेपाल की सरकारों में उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं। उपेंद्र यादव की राजनीति की खास बात यह भी रही है कि वे सत्ता के लिए जिसके खिलाफ लड़ते हैं उससे भी समझौता कर लेते हैं। लेकिन ये पब्लिक है, उपेंद्र यादव यह समझने से चूक गए। नतीजा हर चुनाव में ये हाशिए पर होते चले गए। पिछले प्रतिनिधि सभा में हाल यह था कि इनकी पार्टी के सिर्फ एक सांसद चुने गए जो कृष्णानगर के अभिषेक शाह थे। सप्तरी दो से खुद उपेंद्र यादव को चुनाव हार जाना पड़ा था।

उपेंद्र यादव स्वयं जिस मधेश आधारित पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं उसका नाम "जनता समाज पार्टी नेपाल" है। इसके पहले इसका नाम जनता समाज पार्टी था। पिछले चुनाव में जनता समाज पार्टी के सात सांसद चुने गए थे। बाद में जनता समाज पार्टी भी टूट गई। जनता समाज पार्टी का नेतृत्व उपेंद्र यादव के खास रहे अशोक राई के हाथ में है। इनके साथ चार सांसद रह गए जबकि अशोक राई के साथ तीन सांसद हैं। ओली के समर्थन से जब प्रचंड की सरकार थी तब उपेंद्र यादव मंत्रिमंडल में थे। और जब नेपाली कांग्रेस के समर्थन से ओली की सरकार बनी तब उपेंद्र यादव हाशिए पर आ गए लेकिन उनसे अलग होकर तीन सांसदों वाले अशोक राई की जसपा के दो सांसद ओली मंत्रिमंडल में विराजमान हैं। चार सांसद वाले उपेंद्र यादव महीनों तक अपनी बारी की प्रतीक्षा करते रहे लेकिन उनकी बारी नहीं आई। जब वे प्रतीक्षा करके थक गए तब उन्होंने ओली सरकार से समर्थन वापस ले लिया। ओली सरकार से समर्थन वापस लेने की घोषणा उन्होंने कुछ इस अंदाज में की मानों बहुत बड़ी कुर्बानी दे रहे हों। वहीं पुराना राग कि मधेश की उपेक्षा के कारण वे ओली सरकार से समर्थन वापस लेने को मजबूर हुए। जबकि मधेश की जनता समझ रही है कि ऐसा कुछ नहीं है, अपनी उपेक्षा के कारण उन्होंने ओली सरकार से समर्थन वापस लिया। मधेश क्षेत्र में उपेंद्र यादव के साथ के ज्यादातर नेता या तो ओली की पार्टी के साथ चले गए या प्रचंड के साथ। देखा जाए तो मधेश से मधेशी दलों के कमजोर होने का फायदा कम्युनिस्ट पार्टियों को मिला। ये पार्टियां इस इलाके में अपनी सक्रियता बढ़ाते हुए ज्यादातर मधेश नेताओं को अपने पाले में करने में कामयाब हुई। मधेशी नेताओं में एक नाम तेजी से चर्चा में है,वह हैं अशोक यादव। जसपा नेपाल के लुंबिनी प्रदेश अध्यक्ष अशोक यादव ने तेजी से मधेश की आवाज बुलंद की है। इससे ओली सरकार बौखला गई है। उसने अशोक यादव के पीछे अपनी पुलिस लगा दी है। पता चला है कि वे भागे भागे फिर रहे हैं।

बता दें कि संविधान सभा के चुनाव से लेकर अब तक हुए आम चुनाव तक मधेशी नेताओं का चेहरा नितांत स्वार्थी और सत्ता लोलुप का ही उभर कर सामने आया। सबके सब मंत्री बनने की चाह में विपरीत विचारधारा वाली सरोकारों से समझौता कर सत्ता के साथ होते रहे हैं।

बता दें कि नेपाल के लोकतांत्रिक संविधान में मधेशी जनता की उपेक्षा मधेशी दलों की राजनीति का प्रमुख आधार है। इनकी कई मांगे हैं जिनकी संविधान में अनदेखी की गई। इसमें एक नागरिकता संबंधी मांग भी है। लाखों मधेशी परिवार के सदस्य नागरिकता से वंचित हैं। मधेशी दल खासकर इसी मांग को लेकर अपनी राजनीति चमकाते रहे हैं। जनता जब इनकी हकीकत समझी तो ये राजनीतिक रूप से शून्यता के कगार पर पहुंच गए। हाल यह है कि आज केंद्र में इसका अपना मजबूत राजनीतिक नेतृत्व तक नहीं है।

मंथन

स्वतंत्र चिंतन

तजिंदर सिंह
जमशेदपुर, झारखंड

अगर आपने पढ़ा कि किसी ने चांद के दो टुकड़े कर दिए या किसी ने सूरज को ही निगल लिया और आपने मान लिया, तो आपकी शिक्षा का कोई मतलब नहीं है। आपकी शिक्षा का मतलब तब है, जब आपने उस पर सवाल उठाया हो।

शिक्षा का स्तर इससे नहीं मापा जा सकता कि आपने कितनी डिग्रियां प्राप्त की हैं, या कौन सी यूनिवर्सिटी में पढ़े हैं। किसी व्यक्ति के शिक्षा का स्तर इससे भी पता नहीं चलता कि उसने कितनी किताबें पढ़ी हैं।

किसी भी व्यक्ति के शिक्षा का स्तर इससे पता चलता है कि उसने खुद की कितनी स्वतंत्र सोच विकसित की है। तथ्यों, प्रमाणों का कितना तार्किक विश्लेषण वह कर पाता है। व्यक्ति चाहे कितनी भी डिग्रियां प्राप्त कर ले, अगर वह अपनी सोच को विकसित नहीं कर पाया तो इसका कोई भी मतलब नहीं है कि वो कितना पढ़ा है।

अगर आपने पढ़ा कि किसी ने चांद के दो टुकड़े कर दिए या किसी ने सूरज को ही निगल लिया और आपने मान लिया, तो आपकी शिक्षा का कोई मतलब नहीं है। आपकी शिक्षा का मतलब तब है, जब आपने उस पर सवाल उठाया हो। उनके इस दावे का अपनी खुद की सोच के आधार पर तार्किक विश्लेषण किया हो। न कि अपने पूर्वजों के कहने पर इसे स्वीकार कर लिया हो। आपकी शिक्षा का मतलब तब है जब आप सवाल करें कि हवन में देसी घी जलाने पर कैसे आक्सीजन का निर्माण होता है। सारे धर्मो की पौराणिक कहानियां दरअसल हमारे लिए एक प्रश्न पत्र के समान हैं। ये हमारे ज्ञान की, तर्क शक्ति की परीक्षा लेती हैं। लेकिन अफसोस इस परीक्षा में अधिकतर फेल ही होते हैं। दरअसल हम सब डिग्री धारी जरूर हैं लेकिन ज्ञान धारी नहीं। डिग्री हमने केवल नौकरी पाने के लिए की ज्ञान हासिल करने के लिए नहीं। सवाल नहीं उठाने की हमारी आदत ने हमारा ये हाल किया है कि अब हम मनुष्य नहीं रहे, भेड़ में तब्दील हो चुके है। "दरअसल स्वतंत्र चिंतन का विकास करना ही असल शिक्षा है।"

सोशल फोरम

लोकतंत्रः अवधारणा बनाम वास्तविकता

लोकतंत्र में लोक को ही सम्प्रभु, सर्वोपरि यानी सर्वेसर्वा माना गया है। लेकिन, वह तंत्र के द्वारा हाशिये पर धकेल दिया गया है। तंत्र हर जगह हावी है। लोक कहीं से भी यथेष्ट रूप में प्रभावी, सक्रिय, सचेष्ट, सचेत या निर्णायक नहीं रह गया है। वह बुरी तरह से बिखरा हुआ है। उसकी आवाज़ नहीं सुनी जा रही है। वह कुचली, ठुकरायी या रौंदी जा रही है। मतवैभिन्न्य, प्रतिरोध या प्रतिकार के स्वर दबाए जा रहे हैं। उन्हें देश-द्रोही तक क़रार दिया जा रहा है। मौजूदा लोकतांत्रिक ढांचे या परिदृश्य में राजनीतिक दल, गिरोह या माफ़िया वास्तविकता बन चुके हैं। उन सबों में आंतरिक लोकतंत्र का सर्वथा अभाव-सा दिखता है। वे सब कॉरपोरेट-तर्ज़ पर चल रहे हैं। उनका अधिकांश वित्तपोषण देश-विदेशी कॉरपोरेट-महाबली या कंपनी-बहादुर कर रहे हैं। उनके मूल और ढांचे में पग-पग पर हमें भ्रष्टाचार, कालाधन, बाहुबल और छल-प्रपंच का नंगा नाच दिखाई पड़ता है।

कृष्णस्वरूप आनन्दी
सेवानिवृत्त शिक्षक

लोकतंत्र का अधिग्रहण राजनीतिक दलों या गिरोहों ने कर रखा है। लोकतंत्र दर असल दलतंत्र के रूप में तब्दील होता गया है। दलों ने लोकलाज को ताक़ पर रख दिया है। उनके नेताओं, सरगनाओं या शक्ति-सामंतों ने आलाकमान बना रखा है, जो सर्वतंत्रस्वतंत्र है।

विडंबना है कि सारे-के-सारे राजनीतिक दल कमोबेश रूप में उसी विकास-मॉडल को अपनाए हुए हैं जिसके केंद्र में उद्दाम उद्योगवाद, निर्मम प्रकृति-दोहन, अमर्याद भोग्यत्व, मदांध प्रौद्योगिक विकास, अनियंत्रित शहरीकरण, उच्छृंखल बाज़ार और बेलगाम वैश्वीकरण है। इस विकास-मॉडल का चक्र-प्रवर्तन वैश्विक कॉरपोरेट महाबली यानी बहुराष्ट्रीय कंपनी-बहादुर कर रहे हैं। उनके एजेंट या दलाल की भूमिका आज के सत्ता-प्रतिष्ठान निभा रहे हैं। अधिकांश मीडिया या एकेडमिया उनका क्रीतदास बना हुआ है।

लोकतंत्र का अधिग्रहण राजनीतिक दलों या गिरोहों ने कर रखा है। लोकतंत्र दर असल दलतंत्र के रूप में तब्दील होता गया है। दलों ने लोकलाज को ताक़ पर रख दिया है। उनके नेताओं, सरगनाओं या शक्ति-सामंतों ने आलाकमान बना रखा है, जो सर्वतंत्रस्वतंत्र है।

लोकतंत्र को साकार करने के लिए लोगों को आगे आना होगा। नई समाज-रचना का चक्र-प्रवर्तन, सड़ी-गली व्यवस्था एवं मानसिकता का ध्वंस, स्वस्थ-सुसंस्कृत जीवन-मूल्यों का अधिष्ठान, पूर्ण स्वराज की ओर प्रयाण-इन सब सपनों को संजोए हुए हम लोगों को एक परिवर्तनकांक्षी व्यापक जन-आंदोलन का सूत्रपात करना होगा। नई व्यवस्था, नई मानवता या नई देश-दुनिया बनाने के लिए हर स्तर पर लोकसत्ता का प्रस्फुटन करना होगा। सत्ता, दल या पक्ष की राजनीति से ऊपर उठे लोगों को स्थानीय प्रयोगों, अभिक्रमों अथवा कार्यक्रमों को चालना देना होगा। ये स्वतःस्फूर्त स्थानिक अभियान व जनमत मिल-जुल कर एक देशव्यापी जन-आंदोलन का ताना-बाना बुन सकते हैं। आमूलचूल या बुनियादी बदलाव के लिए हमें जन-जन यानी अधिसंख्य अवाम को जागरित, संगठित या आंदोलित करना होगा। हमारा ध्येय है-एक ऐसी व्यवस्था का अधिष्ठान, जिसमें बराबरी के साथ सबकी सक्रिय भागीदारी हो, जिसमें सबको ईमान की रोटी और इज्जत की ज़िंदगी मयस्सर हो तथा जिसमें शोषण-दोहन और केन्द्रीकरण या अधिनायकवाद के लिए कोई स्थान न हो। हमारी मुहिम एक ऐसी व्यवस्था को खड़ी करने की दिशा में अनवरत आगे बढ़नी चाहिए, जिसके गर्भ से लोकशक्ति का अभ्युदय हो। वह राजसत्ता को अपने वश में रखेगी। कहने का मतलब यह है कि सच्चे अर्थों में लोगों की आकांक्षा, शक्ति या प्रभुता सर्वोपरि होगी तथा वह शासन-तंत्र को निरंकुश, सर्वसत्तात्मक, स्वेच्छाचारी एवं जनद्रोही नहीं होने देगी।

-फेसबुक वॉल से

प्रसंगवश

जल्द ही नक्सल मुक्त होगा भारत

देश में वामपंथी उग्रवाद या नक्सलवाद आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कह चुके हैं कि देश मार्च 2026 तक वामपंथी उग्रवाद से मुक्त हो जाएगा। 2004-2014 की तुलना में 2014 से 2024 तक एनडीए शासन में संघर्ष के कारण घटनाओं में 53 प्रतिशत की कमी आई है और सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों की जान जाने की संख्या में 70 प्रतिशत की कमी आई है।

गौरतलब है कि नक्सलवाद की शुरुआत पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी नामक एक सुदूर पिछड़े गांव में जमींदारों या सामंतवादियों के खिलाफ हिंसक भूमि विवाद के बाद शुरू हुए आंदोलन के रूप में हुई थी। भारत में नक्सलवाद फैलने की कारणों की बात करें तो नक्सलवाद उन क्षेत्रों में फैला है, जो बुनियादी नागरिक सुविधाओं से वंचित रहे और जहां लोग गरीबी का सामना कर रहे हैं। नक्सलवाद कमजोर शासन और उचित बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पनपा है। देश में वामपंथी उग्रवाद के प्रभाव वाले राज्यों में ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़ और झारखंड के हिस्सों सहित 11 राज्य शामिल हैं। वर्ष 2017 में शुरू किया गया ऑपरेशन समाधान अभियान उग्रवाद का मुकाबला करने और प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण पर केंद्रित है। सरकार ने वामपंथी उग्रवादी समूहों के खिलाफ खुफिया जानकारी आधारित, लक्षित अभियान चलाए। संपार्श्विक क्षति को कम करने और सामुदायिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरती।

अब आज नक्लवाद मुक्त भारत के लिए सरकार जिन तीन मोर्चों पर काम कर रही है, उनमें आत्मसमर्पण करने वालों का स्वागत, हिंसा का रास्ता न छोड़ने वालों को गिरफ्तार करना और लोगों की जान लेने पर आमादा नक्सलियों को सजा देना। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारों ने नक्सलवाद के कारण पिछड़े गांवों और लोगों के कल्याण के लिए चरणबद्ध योजना बनाई है। नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए आवास स्वीकृत किए हैं और हर गांव में सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का 100 प्रतिशत सैचुरेशन और उनमें नक्सलवाद के कारण पीड़ित परिवारों को प्राथमिकता देने का काम भी किया जा रहा है। कुल मिलाकर मोदी सरकार 'नक्सल मुक्त भारत' बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है और उम्मीद है कि मार्च 2026 तक देश नक्सल मुक्त होकर रहेगा।

आकाश सपेलकर
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

एक रणनीतिक दृष्टिकोण पर केंद्रित है। सरकार ने वामपंथी उग्रवादी समूहों के खिलाफ खुफिया जानकारी आधारित, लक्षित अभियान चलाए। संपार्श्विक क्षति को कम करने और सामुदायिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरती।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

शास्त्रीय नृत्य को बना दिया लोक संस्कृति का उत्सव

पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं, यह कहावत 'कनपुरिया स्टार' विपिन निगम पर बिल्कुल फिट बैठती है। माता-पिता उन्हें डॉक्टर-इंजीनियर बनाना चाहते थे, मगर तीन बरस की उमर से ही पांव ऐसे थिरकने शुरू हुए कि डबल एमए करने के बावजूद शास्त्रीय नृत्य को ही अपना जीवन बना लिया। आज उनकी पहचान कथक नृत्य के महागुरु के रूप में होती है। विपिन का बनाया कृष्णम डांस ग्रुप अब शहर की बेटियों को शास्त्रीय एवं लोक नृत्य की नि:शुल्क शिक्षा देता है। वह उभरते कलाकारों को मंच प्रदान करते हैं, काम दिलाते हैं और शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में आगे बढ़ाते हैं। कथक एवं भरतनाट्यम में महारत रखने वाले विपिन की लोक नृत्य में भी मजबूत पकड़ है।

कथक गुरु विपिन निगम

कथक व भरतनाट्यम में महारत रखने वाले विपिन निगम ने लोक नृत्य को भी दिए नए आयाम

परिवार बनाना चाहता था डॉक्टर-इंजीनियर

कानपुर के जवाहर नगर में जन्मे विपिन निगम के पांव तीन साल की उमर में ही थिरकने लगे थे। उनके पिता लक्ष्मी बहादुर निगम नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट कल्याणपुर में ऑफीसर थे। पिता के साथ मां शीला निगम ने हौसला दिया तो विपिन ने चार साल की उम्र में ही मंच पर कदम रख दिया। 10 साल की उम्र तक उन्होंने कई पुरस्कार जीते, लेकिन इसके बाद माता-पिता को पढ़ाई की चिंता सताने लगी। विपिन बताते हैं कि पिता उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर बनाना चाहते थे, लेकिन उनका पढ़ाई में ज्यादा रुझान नहीं था। नृत्य लगातार साथ-साथ चलता रहा। कथक और भरतनाट्यम में भी एमए किया। 42 वर्षीय विपिन निगम इस समय शास्त्रीय नृत्य कला में पीएचडी कर रहे हैं। वर्ष 2003 में पहले मां फिर 2005 में पिता का सिर से साया उठने के बाद विपिन ने खुद को शास्त्रीय नृत्य और संगीत के क्षेत्र में समर्पित कर लिया। कथक और भरतनाट्यम के साथ तबला और लोक गायन की शिक्षा ली। विपिन लखनऊ घराने से ताल्लुक रखते हैं।

एक नहीं अनेकों मिल चुके अवार्ड

कानपुर के डांडिया किंग रह चुके विपिन निगम अनेक अवार्ड से सम्मानित हो चुके हैं। उन्हें अटल रत्न, यूपी रत्न, कानपुर गौरव, यूपी आईडल, यूथ आइडल, पर्सनॉलिटी ऑफ कानपुर, कानपुर की शान, कलाश्री नटराजन, नृत्य शिरोमणि महागुरु और कानपुर के महारथी जैसे दर्जनों अवार्ड मिल चुके हैं।

तैयार कर रहे कथक की नई पौध

कथक गुरु विपिन निगम जयपुरिया स्कूल में नृत्य विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनके द्वारा प्रशिक्षित बच्चे अपना अलग ग्रुप बनाकर नृत्य के क्षेत्र में नाम कमा रहे हैं। विपिन का कहना है कि उनके कृष्णम डांस ग्रुप का उद्देश्य भारतीय शास्त्रीय एवं लोक नृत्य को आगे बढ़ाना है, ताकि बच्चे भारतीय संस्कृति से जुड़े रहें और भावी पीढ़ी को भी इस ओर आकर्षित करें।

बिरजू महाराज ने दिया आशीर्वाद, सरोज खान से मिला 'महागुरु' अवार्ड

लखनऊ घराने के कथक सम्राट बृजमोहन मिश्रा उर्फ पं.बिरजू महाराज के सामने नृत्य पेश कर विपिन निगम ने खूब वाहवाही लूटी थी। अपने हुनर की बदौलत उनका आशीर्वाद पाया। वर्ष 2017 में कानपुर नगर में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आईं मशहूर नृत्य निर्देशक सरोज खान ने विपिन को 'महागुरु' का अवार्ड दिया था। उन्होंने विपिन के नृत्य के साथ भाव-भंगिमाओं की खूब सराहना की थी। उनकी इसी काबिलियत को देखते हुए प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी जितनी बार कानपुर आए तो उनके स्वागत के लिए विपिन निगम को बुलाया गया और उन्होंने अपने साथी कलाकारों के साथ ग्रुप डांस पेश कर अपना जलवा बिखेरा। वह खुद एक कलाकार के रूप में मंच पर प्रस्तुतियां देने के साथ ही बेहतर निर्देशक भी हैं।

प्रस्तुति: बृजेश श्रीवास्तव

कानपुर का माचिस मैन

कानपुर। आपने फोटोग्राफी, पेंटिग्स, संगीत, साहित्य का शौक सुना और देखा होगा। इसी तरह दुनिया में तमाम लोगों को तरह-तरह की चीजें संग्रह करने का शौक किसी जुनून की भांति रहता है। ऐसे ही एक शख्स हैं कानपुर में बिरहाना रोड निवासी आलोक मेहरोत्रा, जिन्हें माचिस के बॉक्स एकत्र करने के शौक के कारण लोग 'माचिस मैन' नाम से जानते हैं। आलोक मेहरोत्रा के पास 80 देशों की एक लाख से ज्यादा माचिस का अनोखा संग्रह है। उनका कलेक्शन देखकर इस बात का सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि माचिस बॉक्स इकठ्ठा करने का जुनून उन्हें किस हद तक है। अपने इस अनोखे शौक के कारण आलोक का नाम इंडिया स्टार वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ दो बार लिम्का बुक आफ रिकार्ड में दर्ज हो चुका है। अब उनका सपना अपने इस शौक के जरिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज कराना है। इसके लिए वह दो लाख से ज्यादा माचिस बॉक्स एकत्र करने के काम में लगे हैं।

आलोक मेहरोत्रा बताते हैं कि बचपन में खेल-खेल में शुरू हुआ शौक कब जुनून बन गया पता ही नहीं चला। बचपन में जब वह घर से बाहर निकलते थे तो सड़क पर पड़े माचिस के खाली बॉक्स उठा लेते थे। सड़क से माचिस बॉक्स उठाने के कारण घर में उन्हें मां से कई बार मार तक खानी पड़ी, लेकिन शौक कम नहीं हुआ। आलोक के पिता का कपड़े का व्यवसाय था। उनकी आढ़त पर बाहरी जिलों के व्यापारी आते और रुकते थे। इनमें से तमाम व्यापारी बीड़ी या सिगरेट पीने के लिए अपने पास माचिस रखते थे। माचिस खत्म हो जाने पर खाली बॉक्स यह लोग डस्टबिन में फेंक देते थे, जिसे वह उन पर छपी तस्वीर या ब्रांड देखकर उठा लेते थे। धीरे-धीरे व्यापारियों को उनके माचिस संग्रह का पता चला तो वह अपने शहर की अलग-अलग तरह की माचिस लाकर देने लगे। वर्ष 2011 के बाद सोशल मीडिया के इस्तेमाल से आलोक ने माचिस बॉक्स के दूसरे संग्रहकों तक पहुंच बनाई। इसके बाद एक्सचेंज का सिलसिला तेजी से चल पड़ा। उनके पास जो माचिस बॉक्स नहीं थे, वह दूसरों से मिलने लगे। इसी तरह वह दूसरे संग्रहाकों को भी सहयोग करने लगे। आलोक के संग्रह में अगर अंगुली की पोर से भी छोटी माचिस है, तो उनके पास सबसे बड़ी माचिस 1.5 फिट की है। उनके संग्रह में बोतल, सिलेंडर और शेर की आकृति वाली माचिस भी हैं, जो देखने में चौंकाती हैं। उनके संग्रह वाले माचिस बॉक्स में गणेश-लक्ष्मी, कुबेर, राधा रानी, श्रीकृष्ण, भोले शंकर, बाबा अमरनाथ, तुलसी पूजा, डांडिया रास, गरबा, दीपावली, होली के अलावा विभिन्न प्रकार के खेलों, आयोजनों और राशियों के चित्र वाले माचिस बॉक्स देखने को मिलते हैं। इसी तरह आलोक के पास योगी-मोदी के साथ राजनीतिक दलों के चुनाव चिह्न वाली माचिस भी संग्रहित हैं।

80 देशों की एक लाख से ज्यादा माचिस का अनोखा संग्रह बनाने वाले आलोक मेहरोत्रा अब गिनीज बुक में दर्ज कराना चाहते नाम

प्रस्तुति: मनोज त्रिपाठी

लकड़ी पर कारीगरी का कमाल

बरेली के फर्नीचर की दुनिया में पहचान

बरेली शहर की पहचान बांस से है, इसीलिए इसे बांस बरेली भी कहते हैं। आज भी बांस-बेंत के अलावा शहर में लकड़ी का कारोबार बड़े पैमाने पर है। कहने को आज समय के साथ डिजाइन और काम के तरीके में बदलाव आया है, लेकिन 80 फीसदी कार्य हाथों से होने की वजह से बांस और लकड़ी से बने उत्पाद आज भी दुनियाभर में लोगों की पसंद बने हैं। इसका अनोखा डिजाइन, उच्च गुणवत्ता और किफायती कीमतें होने से यूपी के अलावा दिल्ली, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, कोलकाता, जयपुर, मुंबई समेत अन्य राज्यों में आज भी जबर्दस्त मांग है।

शहर में सिकलापुर में फर्नीचर की सबसे पुरानी और बड़ी मार्केट है। जिसे देश की सबसे बड़ी फर्नीचर मार्केट माना जाता है। यहां आज भी 70 से 80 साल पुरानी कई दुकानें है। करीब सौ वर्षों से यहां फर्नीचर का कारोबार हो रहा है। कुमार टॉकिज मार्केट और शहदाना मार्केट में भी फर्नीचर का काम बड़े पैमाने पर होता है। कई दशकों से इस कारोबार से जुड़े कारोबारी बताते हैं कि बरेली में लकड़ी का काम अंग्रेजी हुकूमत के समय से चला आ रहा है, इसलिए यहां के फर्नीचर की पहचान बड़े-बड़े शहरों में बनी है। दिल्ली, जयपुर, मुंबई और कोलकाता जैसे राज्यों के मुकाबले यहां फर्नीचर सस्ते हैं। 80 प्रतिशत डिजाइन कारीगर हाथ से तैयार करते हैं। ऐसे भी कारीगर हैं, जो 50 साल से इस काम को कर रहे हैं। सबसे खास बात यह है कि यहां के फर्नीचर में प्लाईवुड का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। जिस फर्नीचर को तैयार किया जाता है, उसमें एक ही तरह की लकड़ी लगाते हैं। मिक्स नहीं करते हैं। बरेली जनपद उतराखंड से सटा होने के कारण तराई क्षेत्र में आता है। यहां साल, सागौन और शीशम की लकड़ी उतराखंड से आती है।

सालाना 500 करोड़ का कारोबार, 15 हजार को मिल रहा रोजगार

- सिकलापुर के अलावा सिविल लाइंस, कुमार टाकीज, पीलीभीत बाईपास, पुराना शहर, राजेंद्र नगर समेत कई स्थानों पर फर्नीचर के करीब 150 बड़े शोरूम हैं। जहां हर तरह की लकड़ियों से सामान तैयार किया जाता है। एक अनुमान के तौर पर यहां प्रतिवर्ष 500 करोड़ से ज्यादा का कारोबार होता है। वहीं, इस व्यवसाय से न सिर्फ एक परिवार की आजीविका चल रही है, बल्कि 15 हजार से अधिक लोग जुड़े हुए हैं। कई कारीगर ऐसे हैं जो सालों से एक ही फर्नीचर की दुकान में काम कर रहे हैं तो कुछ ने तो यहीं काम सीखकर खुद की छोटी दुकान भी खोल ली है।

प्रस्तुति: महिपाल गंगवार

शहर में बनने वाले फर्नीचर और उनकी खासियत

डाइनिंग टेबल : इसमें नक्काशी डिजाइन सबसे ज्यादा पसंद है। यह 20 साल से मार्केट में सबसे ज्यादा पसंद होने वाला डिजाइन है। इसमें भी हाथ की कारीगरी है। यह शीशम की लाल लकड़ी से बनती है।

सोफा सेट : यहां के नागफनी सोफा की सबसे अधिक डिमांड है। इसमें सभी कारीगरी हाथ से की जाती है। इसमें पूरी शीशम की लकड़ी लगी होती है।

डबल बेड : इसकी भी हाथ से कारीगरी की जाती है। यह पूरा लकड़ी का बना होता है, प्लाई का प्रयोग नहीं होता है। शीशम और सागौन की लकड़ी इसमें सबसे अधिक पसंद की जाती है।

ड्रेसिंग टेबिल : इसमें पसंद का डिजाइन बनाया जाता है। इसमें 35 से ज्यादा डिजाइन हैं। टेबल के अनुसार ही चेयर बनाई जाती है। यह सागौन की लकड़ी का अधिक बनता है।

आराम चेयर

यह गोल आकार में होती है। शीशम की बनती है। यह देखने में हल्की होती है, लेकिन एल आकार की चेयर के मुकाबले मजबूत होती है। इसमें बैठने में अधिक आराम मिलता है।

क्या कहते हैं फर्नीचर कारोबारी

यहां का वुड एंड फर्नीचर मार्केट बरेली देश का सबसे बड़ा मार्केट है। जहां सभी प्रकार का फर्नीचर खुद कारीगर तैयार करते हैं। मशीन का प्रयोग कम ही होता है। इसके बाद सहारनपुर और फिर दिल्ली के मार्केट का नाम आता है। यहां बड़े पैमाने पर छोटे कारीगर अपने घरों में भी फर्नीचर बनाने का काम करते हैं। बरेली के मार्केट में तैयार फर्नीचर यूपी के अलावा केरल, तमिलनाडु, चेन्नई समेत कई राज्यों में जाता है।

– रिंकू शर्मा, फर्नीचर कारोबारी, सिकलापुर

बरेली में फर्नीचर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई समेत दूसरे राज्यों के मुकाबले काफी सस्ता हैं। कारण यह है कि कारीगर पुराने हैं और घर-घर लकड़ी का काम होता है। यहां के फर्नीचर में डबल बेड, सोफा सेट, राकिंग चेयर डाइनिंग टेबल मुख्य हैं। दो लाख रुपए तक का फर्नीचर भी मार्केट में मौजूद है। जैसा डिजाइन, वैसा ही पैसा है। यहां जो सामान दो लाख रुपए का है, दूसरे बड़े शहरों में वह पांच से छह लाख रुपए का हो जाता है।

–प्रदीप गोयल, अध्यक्ष, बरेली फर्नीचर डीलर एसोसिएशन

बरेली में सिकलापुर ही सबसे बड़ी फर्नीचर मंडी है। इसकी खास बात यहां कि कारीगरों खुद फर्नीचर तैयार करते हैं। मशीनों का प्रयोग कम ही किया जाता है। मार्केट ने दशकों बाद भी विश्वास नहीं खोया। यहां के मार्केट ने जो पहचान आजादी से पहले बनाई थी, वह आज तक कायम है। यहां पुरानी दुकानों और दरवाजों में जो डिजाइन मिलते हैं, वह कहीं नहीं तैयार होते। इसलिए शौकीन लोग दूसरे राज्यों से यहां फर्नीचर के लिए आते हैं।

– सुजीत जायसवाल, फर्नीचर कारोबारी, सिकलापुर

ब्रिटिश शासनकाल से बरेली में लकड़ी का काम चल रहा है। 1942 में दुकान शुरू की थी। हम तीसरी पीढ़ी है। यहां बने फर्नीचर की अपनी अलग पहचान है। उत्तराखंड के नजदीक होने की वजह से बरेली में साल, सागौन, शीशम की लकड़ी पर्याप्त मात्रा में मिलती है। महानगरों के मुकाबले बरेली का फर्नीचर सस्ता और टिकाऊ होता है। कीमत में करीब 40 फीसदी का फर्क होता है। 15 से 20 साल तक पॉलिस चमकदार बनी रहती है। इस वजह से इसकी अलग पहचान है।

–रवि, फर्नीचर कारोबारी, सिकलापुर

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	82,186.81	25,060.90
गिरावट	13.53	29.80
प्रतिशत में	0.02	0.12

सोना 1,00,020 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,14,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 23 जुलाई 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

क्रिसिल का लाभ 14.3% बढ़कर 171.6 करोड़

नई दिल्ली। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल का अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ 14.3 प्रतिशत बढ़कर 171.6 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी का पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही में मुनाफा 150.1 करोड़ रुपये रहा था। रेटिंग एजेंसी एक जनवरी से 31 दिसंबर तक के वित्त वर्ष का अनुसरण करती है। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की एकीकृत कुल आय 6.3 प्रतिशत बढ़कर 866.6 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में यह 815.4 करोड़ रुपये थी। क्रिसिल के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अमीश मेहता ने कहा, हमारे रणनीतिक निवेश, डोमेन-आधारित समाधान के साथ मिलकर हमें इस जटिल परिदृश्य में आगे बढ़ने और उभरते अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बना रहे हैं।

एक्जिम बैंक ने सरकार को दिए 325 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) ने सरकार को बीते वित्त वर्ष 2024-25 के शुद्ध लाभ में से 325 करोड़ रुपये अंतरित किए हैं। एक्जिम बैंक ने मंगलवार को कहा कि भारतीय निर्यात आयात बैंक की प्रबंध निदेशक हर्षा बंगारी ने वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण को 2024-25 के लिए शुद्ध लाभ के तहत 325 करोड़ रुपये अंतरित किए जाने की रसीद सौंपी। 2024-25 के दौरान, बैंक का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 3,243 करोड़ रुपये रहा।

शांति गोल्ड का आईपीओ 25 को, मूल्य 189-199

नई दिल्ली। स्वर्ण आभूषण विनिर्माता कंपनी शांति गोल्ड इंटरनेशनल ने अपने आगामी 360 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 189 से 199 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि आईपीओ 25 जुलाई को खुलेगा और 29 जुलाई को संपन्न होगा। आईपीओ पूर्णतः 1.81 करोड़ नए शेयर पर आधारित है इसमें ब्रिकी पेशकश (ओएफएस) का काई घटक शामिल नहीं है। मुंबई स्थित शांति गोल्ड के स्वर्ण आभूषणों के 'डिजाइन' तैयार करने और उत्पादन में विशेषज्ञता रखती है।

संतुलित रुख के साथ लागू हो जीएसटी

नई दिल्ली। जीएसटी को संवेदनशीलता और संतुलित रुख के साथ लागू किया जाना चाहिए, क्योंकि यूपीआई लेनदेन मामले में आक्रामक जांच छोटे कारोबारियों को नकदी-आधारित अर्थव्यवस्था में वापस धकेल सकती है। एसबीआई रिसर्च ने मंगलवार को रिपोर्ट में यह कहा। कर्नाटक में छोटे व्यापारियों द्वारा जीएसटी नोटिस के कारण नकद लेनदेन को प्राथमिकता देने की खबरों के बीच यह रिपोर्ट आयी है।

बीआईएस ने दिया नौ कैरेट ज्वेलरी का विकल्प

नीरज मिश्र, लखनऊ

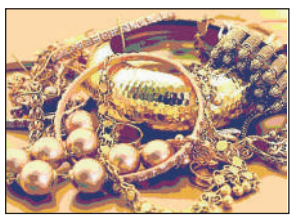

- आमजन को राहत, महंगे सोने का विकल्प बनेगी यह ज्वेलरी
- अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में की जाती है खास पसंद
- बढ़ती कीमतों से डूब रही सर्राफा एजेंसी को मिला बड़ा सहारा

अमृत विचार: वैश्विक पटल पर अनिश्चितता का माहौल और भंडारण से सोने और चांदी के भाव में तेज उछाल है। इसे देखते हुए बीआईएस (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड) ने नौ कैरेट ज्वेलरी को मंजूरी दे दी है। यह ज्वेलरी आम उपभोक्ता के लिए एक बेहतर विकल्प साबित हो सकती है। साथ ही तेजी से चढ़ती पीली धातु की कीमतों से डूब रही गोल्ड इंडस्ट्री के लिए यह एक बड़ा सहारा बनकर उभरेगी। इस विकल्प का फायदा यह होगा कि खरीदार का अगर बजट कम है तो भी वह शुद्ध ज्वेलरी खरीद सकेगा। धन एकत्र किया और थोड़ा-थोड़ा कर वह अपनी जरूरत के स्वर्णाभूषण आसानी से खरीद सकेगा।

सोने का भाव 1,00,400 प्रति दस ग्राम (24 कैरेट) है, वहीं चांदी 1,13,500 रुपये प्रति किलो का आंकड़ा छू चुकी है। ऐसे में इन दोनों धातुओं की खरीदारी आमजन की पहुंच से दूर होती जा रही है। आमजन की जरूरतों को देखते हुए 9 कैरेट की ज्वेलरी का विकल्प बनाया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में नौ कैरेट गोल्ड का चलन

सोने और चांदी को सबसे ज्यादा भरोसे का साथी माना जाता है। लेकिन लगातार कीमतों के नए कीर्तिमान गढ़ती पीली और सफेद धातु का यह ट्रेंड आमजन को ज्वेलरी से दूर करता जा रहा है। अगर लोगों को शादी में सोना और चांदी देना हो तो बजट बिगड़ जाता है। या तो वह शगुन के तौर पर जरूरी ज्वेलरी की खरीदारी करता है या फिर इन दोनों धातुओं को खरीदने से बच रहा था। इसे देखते हुए नौ कैरेट गोल्ड को चलन में लाने की अनुमति दी गई है। इसका चलन यूरोप और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी है। मध्यमवर्गीय परिवार को यह नया विकल्प काफी राहत देने वाला है।

– अनुराग रस्तोगी, नार्थ इंडिया हेड इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (इब्जा)

शुद्धता के अब ये होंगे मानक

इब्जा प्रदेश प्रमुख अनुराग रस्तोगी के मुताबिक अभी तक 14, 18, 20 और 22 कैरेट शुद्धता के सोने से जेवरात बनते हैं। अब इसमें 9 कैरेट का एक नया विकल्प दिया गया है। इसके शामिल होने से ऐसी ज्वेलरी तैयार होगी जो आमजन के बजट में होगी। नौ कैरेट से मुख्यतः कास्टिंग ज्वेलरी, डायमंड सेट, रत्न जड़ित अंगूठियां, हार, हस्त निर्मित आर्टिकिल आदि बनाए जा सकते हैं। हल्की ज्वेलरी के लिए खरीदार इस नए कैरेट का इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं भारी और ज्यादा कैरेट वाली ज्वेलरी के खरीदार अपने हिसाब से पहले भी खरीदारी कर सकते हैं।

जेब के हिसाब से काफी प्रभावी नौ कैरेट के नए मानक आमजन और मध्यवर्गीय लोगों के जेब के हिसाब से काफी प्रभावी होंगे। इससे बाजार में छाया सन्नाटा कम होगा। आमजन खरीदारी के लिए बाजार में अपनी आमद दर्ज कराएंगे।

–विनोद महेश्वरी, यूपी संयोजक ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन

आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण इंजन स्टार्टअप

बात काम की

स्टार्टअप आज विश्वभर में आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण इंजन बन गए हैं। ये नवाचार, रोजगार और निवेश के नए अवसर पैदा करते हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा और गति मिलती है। डिजिटल युग में टेक्नोलॉजी आधारित स्टार्टअप से पारंपरिक उद्योगों में भी बदलाव आ रहा है। भारत जैसे विकासशील देश में स्टार्टअप ग्रामीण क्षेत्रों को भी आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने में सहायक बन रहे हैं।

रोजगार सृजन में योगदान

स्टार्टअप कंपनियां बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करती हैं। पारंपरिक नौकरियों के विपरीत, ये लचीले, नवोन्मेषी व उच्च कौशल आधारित नौकरियों का सृजन करती हैं। भारत में 90,000 से अधिक स्टार्टअप हैं, जिन्होंने लाखों लोगों को रोजगार दिए।

नवाचार-प्रौद्योगिकी को बढ़ावा

स्टार्टअप का आधार नवाचार है। वे नई तकनीकों, उत्पादों व सेवाओं को विकसित कर प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता को बढ़ाते हैं। इससे डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया जैसे अभियानों को बल मिलता है।

निवेश और पूंजी प्रवाह को बढ़ावा

स्टार्टअप में घरेलू और विदेशी निवेशक आकर्षित हो रहे हैं। वेंचर कैपिटल, एंजेल इन्वेस्टर और पीई फंड्स द्वारा स्टार्टअप में किया निवेश पूंजी प्रवाह को सक्रिय करता है। इससे न केवल उद्यमिता को बढ़ावा मिलता है, बल्कि आर्थिक परिसंचरण भी बेहतर होता है।

ग्रामीण और क्षेत्रीय विकास

आज कई स्टार्टअप ग्रामीण क्षेत्र को ध्यान में रखकर काम कर रहे हैं, जैसे- एग्रीटेक, ग्रामीण ई-कॉमर्स, स्वास्थ्य आदि। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और पलायन पर अंकुश लग रहा है। टियर-2-3 शहरों से भी स्टार्टअप उभर रहे हैं।

महिला सशक्तीकरण-समावेशिता

कई स्टार्टअप महिलाओं को उद्यमिता और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे ला रहे हैं। महिला संचालित स्टार्टअप न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रहे हैं बल्कि सामाजिक संतुलन की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम हैं।

सरकारी सहयोग और नीतियां

भारत सरकार ने स्टार्टअप इंडिया, मुद्रा योजना, आत्मनिर्भर भारत योजना, डिजिटल इंडिया जैसे कई कार्यक्रम शुरू किए हैं जो स्टार्टअप को पूंजी, मार्गदर्शन, टैक्स छूट और कानूनी सरलता प्रदान करते हैं। इससे स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत हुआ है।

स्वचालन बढ़ा, स्वामित्व हो रहा है कम

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने कहा - ग्राहकों की शिकायतों को लेकर बैंक कर्मचारियों में संवेदना की कमी

मुंबई, एजेंसी

- बोले- ग्राहकों को अंतहीन ईमेल और हेल्पलाइन नंबर से जूझना पड़ रहा

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने धोखाधड़ी जैसे गंभीर पहलुओं पर ग्राहकों की बढ़ती शिकायतों के बीच बैंक कर्मचारियों में 'संवेदना की कमी' पर निराशा जताई है। आरबीआई प्रवर्तित एनआईबीएम (राष्ट्रीय बैंक प्रबंधन संस्थान) के कार्यक्रम में स्वामीनाथन ने कहा, स्वचालन बढ़ रहा है लेकिन स्वामित्व कम हो रहा है और ग्राहकों को 'अंतहीन' ईमेल और हेल्पलाइन नंबर से जूझना पड़ रहा है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर बैंक कर्मचारियों को व्यवस्था में लोगों का विश्वास बनाए रखना है, तो इन मुद्दों का समाधान जरूरी है। रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर मंगलवार को स्वामीनाथन के संबोधन को डाला गया। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि ग्राहकों की शिकायतों की संख्या, खासकर डिजिटल माध्यमों से हाल के वर्षों में काफी बढ़ी है। सोशल इंजीनियरिंग धोखाधड़ी (भरोसे में लेकर गड़बड़ी करना) से लेकर खराब शिकायत निवारण प्रणाली से जुड़ा नुकसान और निराशा वास्तविक है। अक्सर, समस्या उत्पाद या सेवा नहीं होती, बल्कि असली मुद्दा सहानुभूति की कमी है।

उन्होंने कहा कि आजकल, केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) समय-समय पर होने वाला एक 'रस्म' बनकर रह गया है। उन्होंने बैंक कर्मचारियों से डिजिटल संदर्भ में भी व्यक्तिगत जागरूकता और जिम्मेदारी वापस लाने का तरीका खोजने का आह्वान किया। स्वामीनाथन ने एटीएम पिन को लेकर वरिष्ठ नागरिकों की परेशानी, ग्रामीण क्षेत्र में कर्ज लेने वालों की ऑनलाइन ऋण चुकाने की चुनौतियों या यूपीआई भुगतान को लेकर छोटे-मोटे कारोबारियों की चिंताओं जैसे उदाहरणों का हवाला देते हुए कहा कि ये केवल सेवा अनुरोध नहीं हैं, बल्कि समय देकर और धैर्य के साथ पेशेवर रुख दिखाकर भरोसा अर्जित करने के अवसर हैं। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी लेन-देन को संभव बनाएगी। लेकिन केवल आप ही संबंध बना सकते हैं और केवल आप ही अपने संस्थान के लिए ग्राहकों का भरोसा अर्जित कर सकते हैं। यही चीज है जो एक 'बैंकर' (बैंक कर्मचारी) को एक ऐप से अलग करती है।

स्वामीनाथन जे. बोले- आज बैंकिंग पहले से कहीं ज्यादा जटिल

डिप्टी गवर्नर ने कहा कि एक 'बैंकर' को तेजी से काम करना होता है, अनिश्चितताओं को सहना होता है, असफलताओं से उबरना होता है और लंबे समय तक केंद्रित रहना होता है। उन्होंने बैंक क्षेत्र में में दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने वाले छात्रों से कहा, आपको तीव्र बदलाव के क्षणों का सामना करना पड़ेगा। इनमें संकट, समयसीमा, लेखा-परीक्षण, नीतिगत बदलाव शामिल हैं। लेकिन आपको धीमी, जटिल प्रक्रियाओं से निपटने के लिए अनुशासन और सहनशक्ति की भी आवश्यकता होगी, जो महीनों या वर्षों में सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि सहानुभूति, जिज्ञासा और ईमानदारी ही छात्रों की दीर्घकालिक सफलता निर्धारित करेगी। स्वामीनाथ ने कहा कि चीजें योजना के अनुसार नहीं चलेंगी, लेकिन अपरिचित परिस्थितियों को स्वीकार करने और अप्रत्याशित परिस्थितियों को सीखने के अनुभवों में बदलने की क्षमता एक छात्र को अलग पहचान दिलाएगी। स्वामीनाथन ने छात्रों से सतर्क रहने और समय रहते सही रास्ता अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज बैंकिंग पहले से कहीं ज्यादा जटिल है और साइबर खतरे, कृत्रिम पहचान, डीपफेक और तृतीय-पक्ष जोखिम जैसी नई चुनौतियां भी हैं।

रिजर्व बैंक का वित्तीय समावेश सूचकांक 4.3% बढ़ा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसका वित्तीय समावेश सूचकांक मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में 4.3% बढ़ा है। यह देश में वित्तीय समावेश यानी वित्तीय सेवाओं तक पहुंच की स्थिति में सुधार को दर्शाता है। आरबीआई ने सरकार सहित संबंधित पक्षों के परामर्श से समग्र वित्तीय समावेश सूचकांक (एफआई-सूचकांक) तैयार किया है। वार्षिक सूचकांक पहली बार वित्त वर्ष 2020-21 के लिए अगस्त, 2021 में प्रकाशित किया गया था। केंद्रीय बैंक ने कहा, मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष वर्ष के लिए सूचकांक संकलित किया गया है। मार्च, 2025 के लिए वित्तीय समावेश सूचकांक का मूल्य 67 है, जबकि मार्च, 2024 में यह 64.2 था। इसमें पहुंच, उपयोग और गुणवत्ता समेत सभी उप-सूचकांकों में वृद्धि देखी गई है। 2024-25 में वित्तीय समावेश सूचकांक में उपयोग और गुणवत्ता आयाम का नतीजा है। यह वित्तीय समावेश के दायरे में ज्यादा-से-ज्यादा लोगों को लाने और वित्तीय साक्षरता की दिशा में निरंतर उठाये गये कदमों को दर्शाता है।

निवेशकों के लिए बाजार में उतार-चढ़ाव एक चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

- वर्तमान में पूंजी बाजारों में निवेशकों की संख्या 13 करोड़ है जो 2020 में केवल 4.2 करोड़ थी

सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण ने मंगलवार को कहा कि पूंजी बाजारों में निवेशकों की बढ़ती संख्या के साथ बाजार में उतार-चढ़ाव व वित्तीय परिवेश में विश्वास की कमी इस बढ़ते निवेशक रुझान के लिए चुनौतियां पेश कर सकती हैं। देश में पूंजी बाजारों में निवेश करने वालों की संख्या बढ़कर 13 करोड़ है जो मार्च, 2020 में 4.2 करोड़ थी। अभी इसमें और वृद्धि की काफी गुंजाइश है।

नारायण ने निवेशकों की संख्या में वृद्धि की गति बनाए रखने के लिए चुनौतियों के समाधान पर कहा कि साइबर-डिजिटल धोखाधड़ी जैसे जोखिम गंभीर चिंताजनक हैं। गड़बड़ी करने वाले अक्सर परिष्कृत और संगठित होते हैं और भोले-भाले निवेशकों को शिकार बनाते हैं। इससे साइबर सुरक्षा ऐसा क्षेत्र बन जाता है, जिस पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के सदस्य ने कहा कि निवेशकों को बाजार की अस्थिरता के बारे में जागरूक रहने की जरूरत है। बाजार में उतार-चढ़ाव तय है और निवेशक अपने पोर्टफोलियो को व्यक्तिगत जोखिम क्षमता के अनुरूप बनाएं। नारायण ने कहा, हमें अस्थिरता और जोखिम के अर्थ को समझना और आत्मसात करना होगा। उन्होंने वित्तीय नियोजन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वित्तीय परिवेश में निवेशकों का भरोसा बनाए रखने की जरूरत बतायी।

नारायण ने कहा कि बाजार को मजबूत बनाए रखने में सेबी के साथ-साथ शेयर बाजारों और डिपॉजिटरी जैसे नियामकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने निवेश रणनीति के तहत निवेश परिसंपत्ति में विविधीकरण की जरूरत बताई। सेबी बॉण्ड व जिंस बाजारों की मजबूती पर काम कर रहा है ताकि अच्छे विकल्प मिल सकें।

राष्ट्रीय

भारत-ईयू के बीच अब तक 12 दौर की हो चुकी है वार्ता

लोकसभा को वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री प्रसाद ने बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-अमेरिका में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए मार्च 2025 में शुरू वार्ता के पांच दौर पूरे हो चुके हैं। सरकार ने मंगलवार को संसद में यह जानकारी दी।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा को बताया कि प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच 12 दौर की वार्ता हो चुकी है। अंतिम दौर की वार्ता 7 से 11 जुलाई तक ब्रसेल्स में हुई थी। प्रसाद ने बताया, भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर वार्ता मार्च 2025 में शुरू की गई थी। वार्ता के पांच दौर हो चुके हैं, जिनमें से अंतिम वार्ता 14-18 जुलाई तक वाशिंगटन में हुई थी। मंत्री ने बताया कि पांच वर्षों में बौद्धिक संपदा (आईपी) फाइलिंग 2020-21 में 4,77,533 से 44 प्रतिशत बढ़कर 2024-25 में 6,89,991 हो गई हैं। सबसे अधिक वृद्धि भौगोलिक संकेतक (जीआई) में देखी गई, जिसमें 380% की वृद्धि हुई, इसके बाद डिजाइन (266), पेटेंट (180), कॉपीराइट (83), ट्रेडमार्क (28) और सेमीकंडक्टर इंटीग्रेटेड सर्किट लेआउट-डिजाइन (एसआईसीएलडी) में 20% की वृद्धि हुई। हस्तशिल्प, कृषि और खाद्य जैसे क्षेत्रों में 697 जीआई पंजीकरण जारी किए जा चुके हैं।

मानसून सत्र

- जितिन प्रसाद बोले- भारत-अमेरिका में प्रस्तावित एफटीए के लिए पांच दौर की वार्ता हो चुकी है संपन्न

आपदा से 1.58 लाख हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा को बताया कि इस साल 1 अप्रैल से अब तक 12 राज्यों में ओलावृष्टि, बारिश और बाढ़ से 1.58 लाख हेक्टेयर से अधिक फसल क्षेत्र प्रभावित हुआ है। उन्होंने इस साल मानसून के मौसम के दौरान ओलावृष्टि/भारी बारिश/बाढ़ के कारण प्रभावित फसल क्षेत्र का विवरण साझा किया। प्रभावित क्षेत्र में कृषि और बागवानी, दोनों फसलें शामिल हैं।

पीएलआई योजनाओं के तहत 14 क्षेत्रों के लिए अब तक 806 आवेदन किए गए मंजूर

सरकार ने कहा कि अब तक 14 क्षेत्रों में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के तहत 806 आवेदनों को मंजूरी दी गई है। भारत की विनिर्माण क्षमताओं और निर्यात को बढ़ाने के लिए दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, कपड़ा और ऑटो सहित 14 प्रमुख क्षेत्रों के लिए 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ योजनाओं की घोषणा 2021 में की गई थी। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि अब तक 14 क्षेत्रों में पीएलआई योजनाओं के तहत 806 आवेदनों को मंजूरी दी गई है। मार्च 2025 तक 14 क्षेत्रों में 1.76 लाख करोड़ का वास्तविक निवेश प्राप्त हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप 16.5 लाख करोड़ से अधिक का उत्पादन/बिक्री हुई है और 12 लाख से अधिक (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों का) रोजगार सृजन हुआ।

एसडीआरएफ से दिए 22 राज्यों को 9578.40 करोड़

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा को बताया कि चालू वित्त वर्ष में 15 जुलाई तक राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) से केंद्रीय अंश के रूप में 22 राज्यों के लिए 9578.40 करोड़ रुपये जारी किए हैं। प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनजर एसडीआरएफ एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) के तहत वित्तीय सहायता राहत के रूप में है, न कि नुकसान की भरपाई के लिए है। मंत्री ने कहा, हिमाचल के लिए अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (आईएमसीटी) का गठन हुआ है, जो नुकसान का आकलन कर राज्य के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगा।

आधार, राशन कार्ड केवल पहचान के लिए हैः ईसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसआईआर अयोग्य को हटाकर बढ़ाता है चुनाव की शुचिता को

निर्वाचन आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को उचित ठहराते हुए कहा है कि यह सूची से अयोग्य व्यक्तियों को हटाकर चुनाव की शुचिता को बढ़ाता है।

बिहार से शुरू कर पूरे भारत में मतदाता सूची के एसआईआर का निर्देश 24 जून को दिया गया। इस निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका के संबंध में निर्वाचन आयोग के हलफनामे में कहा गया कि कानूनी चिंताओं के बावजूद आयोग एसआईआर-2025 प्रक्रिया के दौरान पहचान के सीमित उद्देश्य के लिए आधार, मतदाता और राशन कार्ड पर पहले से ही विचार कर रहा है। आयोग ने कहा, एसआईआर प्रक्रिया मतदाता सूची से अपात्रों को हटाकर चुनावों की शुचिता बढ़ाती है। मतदान का अधिकार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धाराओं 16 और 19 के साथ अनुच्छेद 326 व लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 62 से प्राप्त होता है।

स्वर्ण मंदिर पर श्रद्धा भरे बादल

अमृतसर में छाए घने काले बादलों ने स्वर्ण मंदिर की आभा को और भी बढ़ा दिया। जैसे मानों यह गुरुजन के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट कर रहे हों। प्रकृति के इस स्वरूप को देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। एजेंसी

हिमाचलः ट्रक पर चट्टान गिरी, 435 मार्ग अवरुद्ध

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भारी बारिश के दौरान पिकअप ट्रक पर चट्टान गिरने से उसका चालक व यात्री घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह हादसा लुहरी जाजर सड़क पर कानी नाले के पास सोमवार को हुआ।

राज्य में बारिश से तीन एनएच सहित कुल 435 सड़कें बंद हैं। इनमें से 260 सड़कें आपदा प्रभावित मंडी की हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, 534 बिजली वितरण ट्रांसफार्मर और 197 जलापूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। मंडी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 21, मंडी-कुल्लू मार्ग और राष्ट्रीय राजमार्ग 154 (मंडी-पठानकोट) अवरुद्ध हैं।

इकबालिया और गवाहों के बयानों में कॉपी पेस्ट पर अदालतों ने जताई चिंता

मुंबई, एजेंसी

- बम्बई हाईकोर्ट ने इस गतिविधि को खतरनाक प्रवृत्ति बताया

अदालतों ने आरोप पत्रों में इकबालिया और गवाहों के बयानों में 'कॉपी पेस्ट' संस्कृति को लेकर कई मौकों पर चिंता जतायी है। बम्बई हाईकोर्ट ने इसे खतरनाक प्रवृत्ति बताया है।

यह मुद्दा फिर सामने आया, जब हाईकोर्ट ने 2006 के मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया और कहा कि इकबालिया बयान अधूरे और सत्य नहीं पाए गए हैं, क्योंकि कुछ हिस्से एक दूसरे के कॉपी पेस्ट हैं। मई और जून में दो मामलों में, हाईकोर्ट ने गवाहों के बयान कॉपी पेस्ट किए जाने पर ध्यान दिया था और महाराष्ट्र सरकार को इस बढ़ती समस्या को दूर करने और दिशानिर्देश जारी करने का निर्देश दिया था।

ट्रेन विस्फोट मामले में सोमवार को दिए गए आदेश में, उच्च न्यायालय ने आरोपियों के इकबालिया बयानों में समानता को गंभीरता से लिया। अदालत ने कहा कि इकबालिया बयान विभिन्न आधारों पर सत्य और पूर्ण नहीं पाए गए और कुछ अंश एक जैसे और नकल किए हुए पाए गए।

मई में, एक अन्य मामले में, उच्च न्यायालय ने गंभीर अपराधों में भी गवाहों के बयानों को कॉपी पेस्ट करने की खतरनाक संस्कृति को लेकर चेतावनी दी थी और महाराष्ट्र सरकार से दिशानिर्देश जारी करने को कहा था। तब हाईकोर्ट ने कहा था कि उसके सामने ऐसे कई मामले आए हैं, जहां उसने गवाहों के बयान कॉपी-पेस्ट किए जाने को देखा है। पिछले महीने, हाईकोर्ट ने एक और आपराधिक मामले में इसी तरह की प्रवृत्ति पर ध्यान दिया था और राज्य सरकार को इस बढ़ते खतरे से निपटने का निर्देश दिया था।

मुंबई ट्रेन विस्फोट मामला

एसआईटी से दोबारा जांच कराने की आरोपियों ने की मांग

मुंबई। मुंबई ट्रेन बम विस्फोट मामले में विशेष अदालत द्वारा 2015 में बरी किए एकमात्र व्यक्ति अब्दुल वाहिद शेख ने मंगलवार को फिर से जांच के लिए हाईकोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की मांग की।

मुंबई हाईकोर्ट द्वारा मामले में सभी 12 आरोपियों को बरी करने के आदेश के बाद शेख ने यह मांग की है। न्यायायल ने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष मामले को साबित करने में विफल रहा है। महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते द्वारा शेख को गिरफ्तार करने के नौ साल बाद विशेष अदालत ने रिहा किया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटा दूसरा जत्था

पिथौरागढ़। कैलाश मानसरोवर यात्रियों का दूसरा दल कैलाश की परिक्रमा कर मंगलवार को वापस भारत लौट आया है और मंगलवार को उसने भारतीय सीमा में प्रवेश किया। पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी के अनुसार आईटीबीपी के जवानों द्वारा लिपुलेख में जत्थे का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसके पश्चात यह दल नाभीढांग के रास्ते कालापानी पहुंचा। इस दल में 44 यात्रियों समेत कुल 51 सदस्य शामिल हैं, जिनमें 4 सपोर्टिंग स्टाफ हैं। सभी यात्री स्वस्थ एवं सुरक्षित हैं। यह दल शीघ्र ही अगला पड़ाव गुंजी पहुंचेगा।

केरल से लौटा ब्रिटेन का लड़ाकू विमान

तिरुवनंतपुरम। केरल में एक महीने पहले तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया ब्रिटेन का लड़ाकू विमान 'एफ-35 बी' मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद मंगलवार को स्वदेश लौट गया। यह विमान पूर्वाह्न 10 बजकर 50 मिनट पर आस्ट्रेलिया के डार्विन के लिए रवाना हुआ। ब्रिटिश उच्चायोग के प्रवक्ता ने कहा, 14 जून को आपात स्थिति में उतारा गया ब्रिटेन का लड़ाकू विमान एफ-35 बी आज तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हो गया। छह जुलाई से तैनात ब्रिटेन की एक इंजीनियरिंग टीम ने मरम्मत और सुरक्षा जांच पूरी की, जिससे यह विमान फिर से सक्रिय सेवा में लौट सका। प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिटेन भारतीय अधिकारियों और हवाई अड्डे की टीम के सहयोग के लिए बहुत आभारी है, जिन्होंने विमान की मरम्मत और उसके ठीक होने में पूरा साथ दिया।

ट्रंप ने किया यूनेस्को से हटने का फैसला

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) से हटाने का फैसला किया है। उन्होंने इस संगठन पर ऐसे मसलों को समर्थन देने का आरोप लगाया है जो विभाजनकारी होते हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट अखबार ने व्हाइट हाउस की उप प्रवक्ता अन्ना केली के हवाले से कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने यूनेस्को से अमेरिका को हटाने का फैसला किया है। संयुक्त राष्ट्र का यह संगठन विभाजनकारी सांस्कृतिक और सामाजिक मुद्दों का समर्थन करता है और उन सामान्य नीतियों से पूरी तरह अलग है जिनके लिए अमेरिकियों ने नवंबर में मतदान किया था।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में फिर सेवाएं देंगी गीता गोपीनाथ

न्यूयॉर्क, एजेंसी

● सात वर्षों से आईएमएफ में थीं उप प्रबंध निदेशक पद पर कार्यरत

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में प्रथम उप प्रबंध निदेशक भारतीय-अमेरिकी अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा कि वह हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र की प्रोफेसर के रूप में पुनः सेवाएं देंगी।

आईएमएफ के इतिहास में पहली मुख्य महिला अर्थशास्त्री गोपीनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आईएमएफ में लगभग सात अद्भुत वर्षों के बाद मैंने अपनी शैक्षणिक जड़ों की ओर लौटने का फैसला किया है। गोपीनाथ एक सितंबर को हार्वर्ड के अर्थशास्त्र विभाग में अर्थशास्त्र की प्रथम 'ग्रेगरी और एनिया कॉफी प्रोफेसर' के रूप में फिर से सेवाएं देंगी। उन्होंने कहा कि वह आईएमएफ में बिताए गए समय के लिए वाकई आभारी हैं। वह आईएमएफ में पहले मुख्य अर्थशास्त्री थीं और फिर उन्होंने प्रथम उप प्रबंध निदेशक के रूप में सेवाएं दीं। उन्होंने कहा कि अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर में आईएमएफ के लिए काम करना जीवन में एक बार मिलने वाला मौका है।

विद्यार्थियों की आत्महत्याएं

दुनिया के देशों में दूसरे नंबर पर है भारत

भारतीय शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों की आत्महत्या की लगातार बढ़ती घटनाएं एक गंभीर और चिंताजनक सामाजिक समस्या का रूप ले चुकी हैं। आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाली परिस्थितियों से यूं तो दुनिया भर के विद्यार्थियों को जूझना पड़ रहा है लेकिन दुनिया के देशों में भारत का नंबर इस मामले में दूसरा है जो साफ बताता है कि यह समस्या यहां कितनी गंभीर हो चुकी है। आईसी-3 इंस्टीट्यूट की ओर से प्रकाशित एक रिपोर्ट 'स्टूडेंट सुसाइड : एन एपिडेमिक स्वीपिंग इंडिया' के अनुसार भारत में विद्यार्थियों के आत्महत्या करने की दर कुल आत्महत्या प्रवृत्तियों और जनसंख्या वृद्धि से कहीं ज्यादा है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कुल आत्महत्या के मामलों में दो प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है, जबकि विद्यार्थियों के आत्महत्या के मामले चार प्रतिशत वृद्धि के साथ बढ़े हैं।

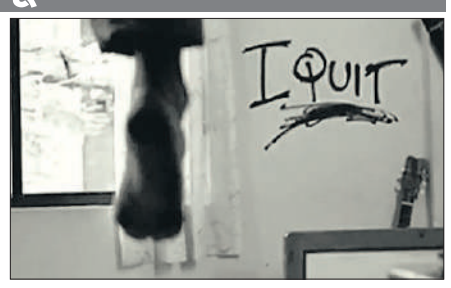

एनसीआरबी के आंकड़े

- नेशनल क्राइम ब्यूरो रिकॉर्ड के आंकड़ों के मुताबिक 2019-20 के दौरान देश में विद्यार्थियों की आत्महत्याओं में 20 प्रतिशत की अप्रत्याशित वृद्धि हुई।
- वर्ष 2021 में देश में विद्यार्थियों की आत्महत्या के करीब 12 हजार मामले सामने आए थे, 2023 में यह आंकड़ा 13 हजार से भी ज्यादा पहुंच गया।
- भारत में हर 42 मिनट में एक विद्यार्थी आत्महत्या कर लेता है। 2022 में कुल आत्महत्याओं में 53 प्रतिशत छात्र और 47 प्रतिशत छात्राएं थीं।

घटनाओं की गंभीरता

- वर्ष 2021 और 2022 के बीच पुरुष छात्र आत्महत्याओं में 6% की कमी आई लेकिन छात्राओं की आत्महत्याओं में 7 % की वृद्धि हुई।
- वर्ष 2021 में आत्महत्या के कुल मामले 164,033 और 2022 में 170,924 दर्ज हुए, जिसमें छात्र आत्महत्या के मामले क्रमशः 13,089 और 13,044 थे।
- कुल संख्या में 7.6% छात्र आत्महत्याएं हैं, ये दर श्रमिकों, किसानों, बेरोजगारों सहित कई और श्रेणियों के लोगों की आत्महत्याओं के बराबर है।

आत्महत्या की प्रवृत्ति

- आत्महत्या की सर्वाधिक प्रवृत्ति इंजीनियरिंग और मेडिकल के विद्यार्थियों में देखी गई है।
- कोचिंग हब कहे जाने वाले कोटा, हैदराबाद और दिल्ली एनसीआर में सर्वाधिक घटनाएं।
- आईआईटी, एनआईटी और एआईआईएमस में भी आत्महत्या की चिंताजनक स्थिति।

सुप्रीम कोर्ट की चिंता

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में आईआईटी खड़गपुर और शारदा विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की आत्महत्या का स्वतः संज्ञान लिया और उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई। अदालत ने दोनों विश्वविद्यालयों को चेतावनी दी कि अगर इन मामलों में एफआईआर दर्ज करने में कोई देरी हुई तो उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी।

दुनिया की स्थिति

- भारत में प्रति लाख विद्यार्थियों में 35 से 40 के आत्महत्या करने का औसत है।
- दक्षिण कोरिया में प्रति एक लाख में 60 से ज्यादा विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं।
- जापान में एक लाख विद्यार्थियों में से 30 से 40 विद्यार्थी ये फैसला करते हैं।
- अमेरिका में एक लाख में से 10 से 15 विद्यार्थी आत्मघाती कदम उठाते हैं।

पहलगाम हमले के आतंकियों के न पकड़े जाने से बढ़ीं सुरक्षा चिंताएं

आतंकी वारदात के तीन माह गुजरे, अब तक सिर्फ दो संदिग्ध की गिरफ्तारी

पहलगाम, एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले के तीन महीने बाद भी, इसे अंजाम देने वाले आतंकवादियों के फरार रहने के कारण क्षेत्र में सुरक्षा चूक को लेकर चिंता जताई जा रही है और जवाबदेही तय करने की मांग बढ़ रही है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 22 अप्रैल को हुई इस घटना के सिलसिले में अब तक दो गिरफ्तारियां की हैं। माना जा रहा है कि गिरफ्तार किये गए लोगों ने ही हमलावरों को साजोसामान उपलब्ध कराए थे, जबकि इस हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादी अब भी सुरक्षा एजेंसियों की जद में नहीं आए हैं।

अगले महीने पांच साल का कार्यकाल पूरा करने जा रहे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस घटना को 'सुरक्षा विफलता' माना है। उनकी इस स्वीकारोक्ति की मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सराहना की, लेकिन जवाबदेही की भी मांग की है। अब्दुल्ला ने हाल में कहा, मैं उपराज्यपाल के बयान की सराहना करता हूं, लेकिन विफलता स्वीकार करने के बाद कार्रवाई भी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा था, जब इतनी गंभीर चूक के कारण कीमती जानें चली जाएं, तो इसके लिये जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए। कश्मीर के लोगों को यह जानने का हक है कि क्या गलत हुआ और इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। अधिकारियों का कहना है कि खुफिया एजेंसियों को आतंकी हमले होने की संभावना के बारे में सतर्क किया गया था, लेकिन इन सूचनाओं का उपयोग हमले वाले स्थान से लगभग 90 किलोमीटर दूर किसी अन्य स्थान पर किया गया, जिसके परिणामस्वरूप सुरक्षा में बड़ी चूक हुई। एनआईए को इस मामले की जांच का जिम्मा सौंपा गया है और अब तक उसने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जिन पर हमलावरों को पनाह देने और भोजन की व्यवस्था करने का संदेह है।

एजेंसी ने 22 जून को पहलगाम के बटकोट निवासी परवेज अहमद जोथर और पहलगाम के हिल पार्क निवासी बशीर अहमद जोथर को गिरफ्तार किया था। एनआईए ने कहा था कि गिरफ्तार आरोपी वर्तमान में हिरासत में हैं। उन्होंने हमले में शामिल तीन हथियारबंद आतंकवादियों की पहचान का खुलासा किया है और यह भी पुष्टि की है कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे, जो प्रतिबंधित 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' से जुड़े हुए हैं। यह संगठन पाकिस्तान से संचालित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध है। एनआईए के अनुसार, परवेज और बशीर ने हमले से पहले तीन हथियारबंद आतंकवादियों को हिल पार्क स्थित एक झोपड़ी में पनाह दी थी। एजेंसी ने कहा कि दोनों लोगों ने आतंकवादियों को भोजन, आश्रय और साजो-सामान उपलब्ध कराया था, जिन्होंने घटना वाले दिन धार्मिक पहचान के आधार पर पर्यटकों की जान ली थी।

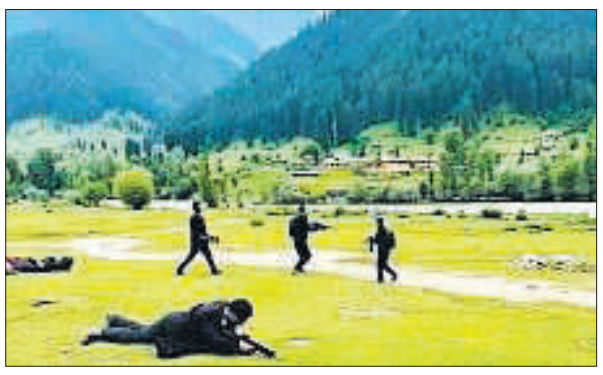

फाल्कन स्क्वाड के सदस्य थे हमलावर आतंकवादी

सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी, जो 'फाल्कन स्क्वाड' के नाम से जानी जाने वाली टीआरएफ इकाई के सदस्य हैं, सैन्य वर्दी में पहलगाम क्षेत्र में घुसे थे तथा उनके पास सेना जैसे हथियार और कैमरा-युक्त हेलमेट सहित अन्य संचार उपकरण थे। उन्होंने बताया कि हमले की साजिश कथित तौर पर सैफुल्लाह कसूरी उर्फ खालिद ने बनाई थी, जो लश्कर का शीर्ष कमांडर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घोषित आतंकवादी हाफिज सईद का निजी सहायक है। सुरक्षा अधिकारियों ने संकेत दिया कि हमलावरों का ऑनलाइन पता कराची और मुजफ्फराबाद में सीमा के पास स्थित सुरक्षित ठिकानों से लगाया गया था, जिससे पता चलता है कि हमलावर पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क से जुड़े हुए थे।

श्रद्धा सागर

श्रावण मास के दौरान कांवड़ यात्रा के समापन की पूर्व संध्या पर मंगलवार को दिल्ली-हरिद्वार एक्सप्रेसवे पर कांवड़ियों का रेला उमड़ पड़ा। कांवड़ियों की आवाजाही के कारण हजारों वाहन कई घंटे तक जाम में फंसे रहे। एजेंसी

तिरंगे के सियासी प्रयोग पर रोक की मांग खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्र ध्वज से मिलते-जुलते झंडों का चुनाव चिह्नों के साथ इस्तेमाल करने वाले राजनीतिक दलों के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध करने संबंधी जनहित याचिका पर सुनवाई करने से मंगलवार को इन्कार कर दिया। सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने संजय भीमशंकर थोबडे नामक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जो व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित हुए थे।

कांवड़ यात्रा: ढाबों पर क्यूआर कोड प्रदर्शन के निर्देश पर रोक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों के लिए 'क्यूआर' कोड संबंधी निर्देश पर रोक लगाने से मंगलवार को इन्कार कर दिया और इस मार्ग पर मौजूद सभी होटल मालिकों को निर्देश दिया कि वे वैधानिक आवश्यकताओं के अनुरूप अपने लाइसेंस एवं पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदर्शित करें।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि वह होटल या ढाबा मालिक का नाम और क्यूआर कोड प्रदर्शित करने के अन्य मुद्दों पर विचार नहीं कर रही, क्योंकि मंगलवार को कांवड़ यात्रा का अंतिम दिन है। पीठ ने कहा, 'हमें बताया गया है कि यात्रा का आज अंतिम दिन है, इसलिए इस स्तर पर हम केवल यह आदेश पारित कर सकते हैं कि सभी संबंधित होटल मालिक वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदर्शित करने के निर्देश का पालन करेंगे। शीर्ष अदालत ने शिक्षाविद अपूर्वानंद झा और अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया।

● सुप्रीम कोर्ट का इन्कार, लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन प्रदर्शित करने होंगे

सरकारी आवास पर लंबा कब्जा ठीक नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के एक पूर्व विधायक की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया जिसमें सरकारी बंगले में निर्धारित से अधिक समय रहने पर दंडस्वरूप 20 लाख रुपये की किराया मांग का विरोध किया गया था। कोर्ट ने कहा, किसी को भी सरकारी आवास पर अंतहीन कब्जा नहीं रखना चाहिए। सीजेआई बी आर गवई, जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस एन वी अंजारिया की पीठ पटना हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ पूर्व विधायक अवनीश कुमार सिंह की अपील पर सुनवाई कर रही थी।

छह दशक सेवा के बाद भारतीय वायुसेना से विदाई लेंगे मिग-21

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस निर्मित मिग-21 लड़ाकू विमान छह दशकों से अधिक समय तक सेवा में रहने के बाद सितंबर में भारतीय वायुसेना से सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

सूत्रों ने बताया कि 23वें स्क्वाड्रन के अंतिम मिग-21 विमान को 19 सितंबर को चंडीगढ़ वायुसेना अड्डे में एक समारोह में विदाई दी जाएगी। मिग-21 लंबे समय तक भारतीय वायुसेना का मुख्य आधार रहे। सेवा में 1960 के दशक में पहली बार शामिल किए जाने के बाद भारतीय वायुसेना ने

● चंडीगढ़ में 21 सितंबर को आखिरी उड़ान भरेगा लड़ाकू विमान

अपनी समग्र युद्ध क्षमता को बढ़ाने के लिए 870 से ज्यादा मिग-21 खरीदे। हालांकि इस विमान का सुरक्षा रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। मिग-21 विमान 1965 और 1971 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में प्रमुख लड़ाकू विमान थे।

भारत-ब्रिटेन में व्यापक साझेदारी की जरूरत

मोदी की यात्रा से पहले हिंद-प्रशांत रणनीति को नया स्वरूप देने का आह्वान

लंदन, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बहुप्रतीक्षित ब्रिटेन यात्रा और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर से पहले देश के प्रमुख थिंक टैंक ने मंगलवार को ब्रिटेन की हिंद प्रशांत रणनीति को नया स्वरूप देने का आह्वान किया। थिंक टैंक ने कहा कि यह रणनीति केवल व्यापार समझौते तक सीमित न रहकर भारत के साथ व्यापक साझेदारी को बढ़ावा देनी वाली होनी चाहिए।

'रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स'ने जिसे आमतौर पर 'चैथम हाउस' के नाम

से जाना जाता है, 'ब्रिटेन के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र को उच्च प्राथमिकता क्यों दी जानी चाहिए' शीर्षक से एक शोध पत्र जारी किया है। इस शोध पत्र में चेतावनी दी है कि यदि रणनीति केवल द्विपक्षीय संबंधों पर केंद्रित रही और व्यापक दक्षिण एशियाई क्षेत्र की अनदेखी की गई,जो भारत जैसी आर्थिक विकास गति पर नहीं है,तो यह ब्रिटेन के क्षेत्रीय हितों के लिए सीमित प्रभाव वाली साबित हो सकती है।

इसमें नई दिल्ली के साथ ब्रिटेन के घनिष्ठ संबंधों को और मजबूत करने के लिए फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका जैसे अन्य देशों को शामिल करते हुए अधिक त्रिपक्षीय सहयोग का भी आह्वान किया गया है। लंदन स्थित इस 'थिंक टैंक' के विश्लेषण में कहा गया है, दक्षिण एशिया में, भारत के साथ सीमित व्यापार समझौते को सफलतापूर्वक अंतिम रूप देने के बाद अब ब्रिटेन को चाहिए कि वह द्विपक्षीय सहयोग के दायरे को और विस्तृत करे, ताकि दोनों देशों की व्यापक विदेश नीति प्राथमिकताओं जैसे अमेरिका और वैश्विक दक्षिण के साथ जुड़ाव का बेहतर लाभ उठाया जा सके।

अपनी सिफारिशों में 'थिंक टैंक' ने ब्रिटेन से आग्रह किया है कि वह भारत के साथ महत्वपूर्ण राजनीतिक और आर्थिक संबंध विकसित करना जारी रखे, लेकिन साथ ही केवल द्विपक्षीय ब्रिटेन-भारत संबंधों तक सीमित रहने के बजाय व्यापक क्षेत्रीय एकीकरण और विकास को प्राथमिकता दे। कहा गया है, ब्रिटेन को भारत के साथ अपने संबंधों को हाल ही में संपन्न और लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापार समझौते से आगे ले जाना चाहिए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 जुलाई, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी, 24 जुलाई 02 .28 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

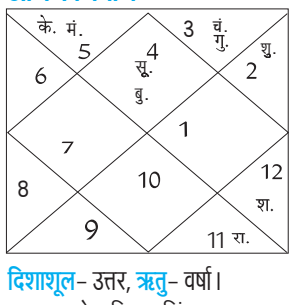

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर। ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र-आर्द्रा 17 .54 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज अपने प्रेमी को दिल की बात कहना चाह रहे हैं तो दिन बेहद अनुकूल है। अपनी रुचि के अनुसार काम करने से मन प्रसन्न रहेगा। परिजनों के व्यवहार से आप अत्यंत आनंद और गर्व की अनुभूति करेंगे। व्यापार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ होगा।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में अपनी योग्यता के अनुरूप प्रदर्शन करने में कठिनाई होगी। खांसी-जुकाम की समस्या हो सकती है। रिश्तेदार आपकी अवहेलना कर सकते हैं। आप अपनी समझदारी से उलझे मामलों को सुलझा लेंगे।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपको पुरस्कार दिया जा सकता है। व्यवसाय में बिक्री बढ़ेगी। गुरुजनों के साथ आप अच्छा समय बिता सकते हैं। आपकी सकारात्मक सोच लोगों के ऊपर विशिष्ट छाप छोड़ेगी। सहयोगी आपको बड़ा सहयोग देने का प्रयास करेंगे।

कर्क — आज कोई रुका हुआ काम आपको शीघ्र पूरा करना पड़ेगा। बाहरी लोग आपके निजी मामलों में हस्तक्षेप करने का प्रयास करेंगे। शाम को सिरदर्द की समस्या हो सकती है। मौसमी बीमारियों को लेकर परेशानी होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार के लिए लोग ताना दे सकते हैं।

सिंह — आज पारिवारिक जीवन में आनंद की अनुभूति करेंगे। संपत्ति में निवेश करना शुभ रहेगा। सरकारी कार्यों की बाधा दूर होगी। अपने व्यवहार में लचीलापन रखें। जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। धर्म-कर्म में आप अत्यधिक रुचि लेंगे।

कन्या — आज घर में मेहमान आ सकते हैं। व्यापार में अचानक बड़ा लाभ मिल सकता है। विदेश जाने के अवसर बन रहे हैं। प्रेम संबंधों को पारिवारिक सहमति मिल सकती है। प्रेमी जन के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

तुला — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। सभी कार्य समय पर होने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के साथ धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं। नया वाहन खरीदने का विचार बना सकते हैं। अपनी भविष्य की योजनाओं को किसी से न बोलें।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में आपको कठिनाई का अनुभव हो सकता है। बनते कार्यों में रुकावटें आने से अधिक भागदौड़ करनी पड़ेगी। पुरानी नकारात्मक बातों के उभरने से मन व्यथित हो सकता है। संतान के ऊपर ध्यान देने की आवश्यकता है।

धनु — आज पूरा दिन शांति से बीतेगा। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत शानदार रहने वाला है। नए प्रकल्पों पर आप काम शुरू कर सकते हैं। धन के लेन-देन में सावधानी अवश्य रखें। धार्मिक कार्यों में धन खर्च होगा।

मकर — आज यदि आपको कोई स्वास्थ्य समस्या है तो उसे हल्के में न लें। अविवाहितों के विवाह तय होने में देरी हो सकती है। परिजनों के साथ आज महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। कुसंगति से आपको बचना चाहिये। परिश्रम का सार्थक परिणाम प्राप्त होगा।

कुंभ — आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा है। जीवनसाथी आपका काफी ध्यान रखेगा। रिश्तों में मधुरता आने से आप अत्यन्त तनावमुक्त महसूस करेंगे। आज आप कार्यक्षेत्र में काम के मूड में कम रहेंगे। नये व्यवसायिक अनुबन्ध करने से पहले थोड़ी सावधानी रखनी जरूरी है।

मीन — आज आप घर पर रहना अधिक पसंद करेंगे। वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं। जॉब में आपको अतिरिक्त काम करना पड़ सकता है। अधिकारी इस समय आपके काम पर खास प्रसन्न नहीं हैं। इसीलिए ऐसा कोई कार्य न करें जिससे आपके अधिकारी नाराज हों।

सुडोकू-47

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

7	6			5		2		3
	3	9	6	1	8	5		
	5				7			
5	9						2	
	8			3			5	
	4						1	7
			4				3	
		4	2	7	3	9	6	
6		3		8			4	1

सुडोकू - 46 का हल

3	1	6	4	7	8	5	2	9
5	8	2	6	9	3	4	7	1
7	4	9	5	2	1	6	3	8
9	2	7	8	3	6	1	4	5
8	3	4	1	5	7	2	9	6
1	6	5	9	4	2	3	8	7
2	5	3	7	1	9	8	6	4
6	7	1	2	8	4	9	5	3
4	9	8	3	6	5	7	1	2

मुझे शुरू से ही वाशिंगटन का खेल पसंद रहा है। जब मैंने उसे पहली बार देखा तो मैंने कहा था कि वह कमाल का खिलाड़ी है और उसमें कई वर्षों तक भारत का अदद ऑलराउंडर बनने की क्षमता है।
–रवि शास्त्री

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 23 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

स्पोर्ट्स हाईलाइट

अल्काराज भी टोरंटो मास्टर्स में नहीं खेलेंगे

टोरंटो : दुनिया के दूसरे नंबर से खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने टोरंटो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। इससे अमेरिकी ओपन से पहले होने वाली इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता की चमक और फीकी पड़ गई है। इससे एक दिन पहले दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, छठे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और पांचवें नंबर के खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने अगले सप्ताह शुरू होने वाली इस हार्ड कोर्ट प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया था। अल्काराज ने कहा मैं अभी विंबलडन की थकान से उबर रहा हूं और इस कारण टोरंटो मास्टर्स में भाग नहीं ले पाऊंगा।

झेंग किनवेन अमेरिकी ओपन से हटीं

न्यूयॉर्क : ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने कोहनी की चोट के कारण वर्ष के अंतिम ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट अमेरिकी ओपन से नाम वापस ले लिया है। चीन की इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने दो दिन पहले घोषणा की थी कि उनकी दाहिनी कोहनी की लगातार दर्द के कारण आर्थोस्कोपिक सर्जरी हुई है। दुनिया में छठी रैंकिंग की खिलाड़ी झेंग पिछले महीने विंबलडन में पहले दौर में हार गई थीं। झेंग ने कहा कि उन्हें लग रहा था कि उन्हें ठीक होने में महीनों लगेंगे, इसलिए यह सुनिश्चित हो गया था कि वह 24 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन में भाग नहीं ले पाएगी।

दिल्ली प्रीमियर लीग दो अगस्त से

नई दिल्ली : दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) दो अगस्त से पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ शुरू होगी जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता 17 अगस्त से खेली जाएगी। पुरुषों का फाइनल 31 अगस्त को होगा। पुरुष वर्ग में चार-चार टीमों के दो ग्रुप बनाए गए हैं। ग्रुप ए में आउटर दिल्ली वॉरियर्स, सेंट्रल दिल्ली किंग्स, न्यू दिल्ली टाइगर्स और नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स जबकि ग्रुप बी में वेस्ट दिल्ली लायंस, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ और पुरानी दिल्ली 6 शामिल हैं।

भारत का विश्व कुश्ती में भाग लेना संदिग्ध

नई दिल्ली : भारतीय कैडेट कुश्ती टीमों पर 28 जुलाई से एथेंस में शुरू होने वाली प्रतिष्ठित अंडर 17 विश्व चैंपियनशिप से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि 47 सदस्यीय दल को शनिवार को रवाना होना है, लेकिन यूनान के दूतावास ने अभी तक उनके वीजा संबंधी अनुरोध का जवाब नहीं दिया है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने 10 जुलाई को वीजा के लिए मिलने का समय मांगा था, लेकिन 12 दिन बीत चुके हैं और दूतावास से अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

दिल्ली सरकार ने पुरस्कार राशि बढ़ाई

नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की है। यह जानकारी मंगलवार को मंत्री आशीष सूद ने दी। सूद ने बताया मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ऐतिहासिक फैसले लिए गए। ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं को पहले तीन करोड़ रुपये, दो करोड़ रुपये और एक करोड़ रुपये दिए जाते थे लेकिन खेल पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए अब ओलंपिक तथा पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को सात करोड़ रुपये, रजत पदक विजेताओं को पांच करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को तीन करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

प्रणय पांच मैच प्वाइंट बचाकर अगले दौर में

चांग्झू : भारतीय शटलर एचएस प्रणय ने पांच मैच प्वाइंट बचाए और एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मंगलवार को यहां जापान के कोकी वतनबे को हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। विश्व के 35वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने 18वें नंबर के वतनबे के खिलाफ 8-21, 21-16, 23-21 से जीत हासिल की। लेकिन लक्ष्य सेन का खराब प्रदर्शन जारी रहा। उन्हें चीन के ली शि फेंग से 21-14, 22-24, 11-21 से हरा दिया।

आजमाए गए फार्मूले से हटकर उतरेगी भारतीय टीम

इंग्लैंड को हराकर श्रृंखला बराबर करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगा भारत

मैनचेस्टर, एजेंसी

पिछले मैच में हार और कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल हो जाने के बावजूद भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाले चौथे टेस्ट क्रिकेट मैच में श्रृंखला में वापसी करने और ओल्ड ट्रैफर्ड में पहली बार जीत हासिल करने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भारत को हालांकि अभी तक आजमाए गए अपने फॉर्मूले से हटने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

लीड्स में पहले टेस्ट के बाद भारत ने अंतिम एकादश में तीन ऑलराउंडरों को शामिल किया था। इनमें नितीश रेड्डी भी शामिल थे, जो घुटने की चोट के कारण अब श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर जैसे दो स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर की मौजूदगी में भारत के पास आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने की गुंजाइश थी, लेकिन मैनचेस्टर में ऐसा शायद न हो, जहां भारतीय टीम अभी तक जीत हासिल नहीं कर पाई है। भारत ने यहां अभी तक नौ मैच खेले हैं जिनमें से चार में उसे पराजय का सामना करना पड़ा जबकि बाकी पांच मैच ड्रॉ रहे।

इंग्लैंड वर्तमान श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे चल रहा है और अगर भारत को पांच मैच की इस श्रृंखला को जीवंत बनाए रखना है तो उसे यहां हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। श्रृंखला का पहला टेस्ट मैच खेलने वाले शार्दुल ठाकुर को रेड्डी की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है लेकिन उनका बल्लेबाजी में उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है। अगर उन्हें टीम में लिया जाता है तो उन्हें गेंदबाजी में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा क्योंकि रेड्डी ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में महत्वपूर्ण अवसरों पर विकेट लिए थे। भारत लीड्स के संयोजन को फिर से आजमा सकता है, जहां उसके पास जडेजा के रूप में केवल एक स्पिनर था और छठे नंबर तक विशेषज्ञ बल्लेबाज थे, जिसमें करुण नायर और साई सुदर्शन दोनों अंतिम एकादश में थे। इसके अलावा नए तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा भी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं। अगर आकाश दीप कमर की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाते हैं, तो इनमें से कोई भी उनकी जगह ले सकता है। आकाश दीप की तरह, कंबोज भी अच्छी सीम मूवमेंट पैदा कर सकते हैं। वह भारत ए के इंग्लैंड दौरे का भी हिस्सा थे और इस तरह से यहां की परिस्थितियों से कुछ हद तक वाकिफ हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का अंतिम एकादश में जगह बनाना तय है। लॉर्ड्स में श्रृंखला में पहली बार भारतीय बल्लेबाज नहीं चल पाए थे और और अगर भारत को श्रृंखला में वापसी करनी है तो कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई वाली बल्लेबाजी लाइन-अप को फिर से अच्छा प्रदर्शन करना होगा। गिल तीसरे टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन इसके बावजूद श्रृंखला में उनके नाम पर 600 से अधिक रन दर्ज हैं। भारत के लिए उनका बड़ा स्कोर काफी मायने रखता है। जोफ्रा आर्चर ने टेस्ट क्रिकेट में अपनी सफल वापसी में यशस्वी जायसवाल को दो बार आउट किया और यह बाएं हाथ का बल्लेबाज इंग्लैंड के तेज गेंदबाज की अतिरिक्त गति से निपटने के लिए बेहतर तरीके से तैयार होगा। गिल ने भले ही श्रृंखला में भारत की तरफ से सर्वाधिक रन बनाए हैं लेकिन वह के एल राहुल हैं जो अधिक विश्वसनीय बल्लेबाज नजर आए। भारत को फिर से उनसे ठोस प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। मैच से पहले भारत के अभ्यास सत्र को देखकर लगता है कि ऋषभ पंत अपनी उंगली की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं और हमेशा की तरह अपनी दोहरी जिम्मेदारी निभाएंगे। अगर नायर को एक और मौका मिलता है, तो वह अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने के लिए बेताब होंगे।

विकेट कीपिंग का अभ्यास करते ऋषभ पंत। एजेंसी

शुभमन गिल।

- इंग्लैंड के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में चौथा टेस्ट मैच आज दोपहर 3:30 बजे से

हम पीछे हटने वाले नहीं हैं : स्टोक्स

मैनचेस्टर : इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम बुधवार से यहां शुरू हो रहे चौथे टेस्ट मैच में भारतीय खिलाड़ियों की किसी भी आक्रामकता का जवाब उन्हीं की भाषा में देगी। उन्होंने इस बात का संकेत दिया कि इस कड़ी टक्कर वाली सीरीज में जुबानी जंग थमने की संभावना नहीं है। इंग्लैंड पांच मैच की सीरीज में 2-1 से आगे है लेकिन भारतीय कप्तान शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, जैक क्रॉली, बेन डकेट, स्टोक्स और हैरी ब्रूक जैसे खिलाड़ी विपक्षी खिलाड़ियों के साथ कुछ बहस करने से पीछे नहीं हटे हैं। स्टोक्स ने ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर कहा मुझे नहीं लगता कि यह उन चीजों में से एक है जहां हम मैदान में उतरकर (छींटाकशी) शुरू कर देंगे। मुझे नहीं लगता कि दोनों टीम में से कोई भी असल में ऐसा करने की सोच रही है। मुझे लगता है कि टेस्ट सीरीज में हमेशा एक ऐसा पल आता है जब माहौल कुछ गर्म हो जाता है। यह एक बड़ी श्रृंखला है और दोनों टीम पर अच्छा प्रदर्शन करने का बहुत दबाव है। यह किसी विशेष स्थिति के प्रति स्वाभाविक प्रतिक्रिया हो सकती है लेकिन स्टोक्स ने स्पष्ट संकेत दिया कि प्रतिद्वंद्वी खेमे की आक्रामकता को हल्के में नहीं लिया जाएगा। स्टोक्स ने कहा जैसा कि मैंने कहा, यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे हम जानबूझकर मैदान पर जाकर शुरू करने की कोशिश करेंगे क्योंकि इससे हमारा ध्यान उस चीज से हट जाएगा जो हमें मैदान पर वास्तव में करने की जरूरत है। लेकिन किसी भी तरह से हम पीछे हटने वाले नहीं हैं और किसी भी विरोधी टीम को हमारे प्रति आक्रामक होने की कोशिश नहीं करने देंगे।

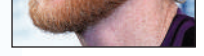

ओल्ड ट्रैफर्ड में अभ्यास करते भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह। एजेंसी

अपना सब कुछ झोंक दो या ठीक से आराम करो

मैनचेस्टर, एजेंसी

- जसप्रीत बुमराह को स्पष्ट संदेश दिया इरफान पठान ने

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान का तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को संदेश स्पष्ट है कि या तो टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक दो या फिर कार्यभार प्रबंधन के तहत चुनिंदा मुकाबलों में खेलने की जगह ठीक से आराम करो। इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट की पूर्व संध्या पर पठान ने बुमराह के असाधारण गेंदबाजी कौशल की प्रशंसा की लेकिन साथ ही उनसे जरूरत पड़ने पर 'अतिरिक्त प्रयास' करने का भी आग्रह किया। पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा मैं जसप्रीत बुमराह का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे उनका कौशल बेहद पसंद है। वह बेहतरीन हैं। हालांकि मेरा मानना है कि जब आप भारत के लिए खेलते हैं तो आपको अपना सब कुछ देना होता है।

उन्होंने कहा जब आप पांच ओवर के स्पैल की बात करते हैं तो जब रूट आते हैं तो आप छठा ओवर नहीं फेंक रहे होते। आपको अपना सब कुछ झोंकना होता है। या तो आप अपना सब कुछ झोंक देते हैं या फिर

इरफान पठान। एजेंसी

पूरी तरह आराम करते हैं। बाएं हाथ के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा जब बात किसी देश या टीम की आती है, जब आप किसी टीम के लिए खेलते हैं, तो आप उनके लिए खेलते हैं। टीम हमेशा पहले आती है।

पूर्व निर्धारित योजना के तहत बुमराह को दौरे पर पांच में से तीन टेस्ट मैच खेलने हैं लेकिन भारत श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और दो मैच और खेलने बाकी हैं। पठान ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की टीम के प्रति प्रतिबद्धता पर किसी भी तरह से सवाल नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कहा मैं यह सवाल नहीं उठा रहा कि उन्होंने प्रयास नहीं किए हैं। उन्होंने ओवर फेंके हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। हालांकि जब टीम के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की बात आती है तो आपको ऐसा करना ही पड़ता है।

पठान ने कहा अगर बुमराह भारत के लिए नियमित रूप से मैच जीतते रहे तो वह लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहेंगे। जब टीम को आपकी जरूरत हो तो आपको अतिरिक्त प्रयास करने होते हैं। बेन स्टोक्स ने ऐसा किया और जोफ्रा आर्चर ने चार साल बाद ऐसा किया। बुमराह ने श्रृंखला के पहले और तीसरे टेस्ट में हिस्सा लिया और लीड्स तथा लॉर्ड्स दोनों ही मैचों में प्रभावी गेंदबाजी की। पहले मैच की पहली पारी में बुमराह ने पांच विकेट चटकाए लेकिन इंग्लैंड के 371 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने के दौरान उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में बुमराह ने एक बार फिर पहली पारी में पांच विकेट चटकाए और फिर दूसरी पारी में दो विकेट लेकर मैच का अंत 112 रन पर सात विकेट के साथ किया।

भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले चौथे टेस्ट क्रिकेट मैच से पहले बारिश के बीच जाते इंग्लैंड के खिलाड़ी लियाम डॉसन। एजेंसी

जहीर और बुमराह जैसे तेज गेंदबाज हैं कंबोज

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर अश्विन ने अंशुल कंबोज की प्रशंसा की

पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने अंशुल कंबोज की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें जहीर खान और जसप्रीत बुमराह जैसा तेज गेंदबाज करार दिया जो न केवल अपने क्षेत्र का कुशल खिलाड़ी है बल्कि अपनी रणनीति की भी अच्छी समझ रखता है।

ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी तथा तेज गेंदबाज आकाश दीप और अर्शदीप सिंह की जोड़ी के चोटिल होने के बाद कंबोज को इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट के लिए पिछले सप्ताह भारतीय टीम में शामिल किया गया था। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा अंशुल की सबसे अच्छी बात यह है कि वह अपनी रणनीति को अच्छी तरह से समझता है। अगर आप उनसे उनकी रणनीति के बारे में पूछते हैं, तो वे खुद को अभिव्यक्त करना चाहते हैं और खेल का आनंद लेना चाहते हैं।

हरमनप्रीत का शतक भारत ने बनाए 318 रन

चेस्टर ली स्ट्रीट (इंग्लैंड), एजेंसी

कप्तान हरमनप्रीत कौर की 84 गेंद में 102 रन की पारी और जेमिमा रोड्रिग्ज के तेजतर्रार अर्धशतक की मदद से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मंगलवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच में पांच विकेट पर 318 रन बनाए।

हरमनप्रीत शानदार लय में नजर आईं और उन्होंने अपने कुल सातवें और इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे शतक के दौरान कुछ महत्वपूर्ण साझेदारियां भी की। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 14 चौके जड़े। यह इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में भारत का दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। टीम ने सितंबर 2022 में केंटरबरी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट पर 333 रन का सर्वोच्च स्कोर बनाया था। कप्तान ने ऑफ साइड में शानदार शॉट खेले और अपने अधिकतर चौके वहीं मारे।

स्मृति मंधाना एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

- **दुबई :** इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत की दीप्ति शर्मा बल्लेबाजों में 10 स्थानों की छलांग लगाकर 23वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने मंगलवार को जारी नवीनतम आईसीसी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ियों को इस रैंकिंग में फायदा हुआ है। दीप्ति ने शुरुआती एकदिवसीय में नाबाद 62 रन की पारी के साथ टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की थी। उन्होंने इसके बाद दूसरे एकदिवसीय में भी नाबाद 30 रन अहम का योगदान दिया था।

सहमति बीसीसीआई स्वायत्त निकाय बना रहेगा, लेकिन इससे जुड़े विवादों का निपटारा राष्ट्रीय खेल पंचाट करेगा

राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक का हिस्सा होगा बीसीसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक का हिस्सा होगा जिसे बुधवार को संसद में पेश किया जाना है। खेल मंत्रालय के एक विश्वसनीय सूत्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

बीसीसीआई भले ही सरकार से वित्तीय मदद पर निर्भर ना हो लेकिन उसे प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल बोर्ड से मान्यता लेनी होगी। सूत्र ने कहा सभी राष्ट्रीय महासंघों की तरह, बीसीसीआई को भी इस विधेयक के अधिनियम बन जाने के बाद देश के कानून का पालन करना होगा। वे मंत्रालय से वित्तीय मदद नहीं लेते लेकिन संसद का अधिनियम उन पर लागू होता है। सूत्र ने कहा बीसीसीआई अन्य सभी एनएसएफ की तरह एक स्वायत्त निकाय बना रहेगा लेकिन उनसे जुड़े विवादों का निपटारा प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल पंचाट करेगा। यह पंचाट चुनाव से लेकर चयन तक के खेल मामलों से जुड़े विवाद का समाधान निकाय बन जाएगा। उन्होंने कहा इस विधेयक का मतलब किसी भी एनएसएफ पर सरकारी नियंत्रण नहीं है। सरकार सुशासन सुनिश्चित करने में एक सूत्रधार की भूमिका निभाएगी।

क्रिकेट (टी20 प्रारूप) को 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया है और इस तरह से बीसीसीआई पहले ही ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा बन चुका है। खेल प्रशासन विधेयक का उद्देश्य समय पर चुनाव, प्रशासनिक जवाबदेही और खिलाड़ियों के कल्याण के लिए एक मजबूत खेल ढांचा तैयार करना है। राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) को पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा। इसके पास व्यापक अधिकार होंगे कि वह शिकायतों के आधार पर या 'अपने विवेक' से चुनावी अनियमितताओं से लेकर वित्तीय गड़बड़ी तक के उल्लंघनों के लिए खेल संघों को मान्यता प्रदान करे या निलंबित भी करे। इस विधेयक में प्रशासकों की आयु सीमा के पेचीदा मुद्दे पर कुछ रियायत दी गई है जिसमें 70 से 75 वर्ष की आयु के लोगों को चुनाव लड़ने की अनुमति दी गई है बशर्ते संबंधित अंतरराष्ट्रीय संस्थायें आपत्ति नहीं करें। एनएसबी में एक अध्यक्ष होगा और इसके सदस्यों की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी। यह नियुक्तियां एक खोज-सह-चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाएंगी।

चयन समिति में अध्यक्ष के तौर पर कैबिनेट सचिव या खेल सचिव, भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के महानिदेशक, दो खेल प्रशासक (जो किसी राष्ट्रीय खेल संस्था के अध्यक्ष, महासचिव या कोषाध्यक्ष के रूप में काम कर चुके हों) और एक प्रतिष्ठित खिलाड़ी शामिल होगा जो द्रोणाचार्य, खेल रत्न या अर्जुन पुरस्कार विजेता हो।

सूत्र ने कहा यह एक खिलाड़ी-केंद्रित विधेयक है जो स्थिर प्रशासन, निष्पक्ष चयन, सुरक्षित खेल और शिकायत निवारण के साथ राष्ट्रीय खेल संघों का वित्तीय लेखा-जोखा और बेहतर कोष प्रबंधन सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय खेल पंचाट यह सुनिश्चित करेगा कि अदालती मामलों में देरी के कारण खिलाड़ियों के करियर को कोई नुकसान न हो। अभी भी अदालतों में 350 विभिन्न मामले चल रहे हैं जहां मंत्रालय भी एक पक्ष है। इसे समाप्त करने की आवश्यकता है।

विधेयक ओलंपिक चार्टर के अनुरूप है

- सूत्र ने कहा अब सभी सहमत हैं। यह विधेयक स्पष्ट रूप से ओलंपिक चार्टर के अनुरूप है और यहां तक कि आईओसी भी महसूस करता है कि इसे तैयार करने में अच्छा काम किया गया है। प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल पंचाट का उद्देश्य 'खेल-संबंधी विवादों का स्वतंत्र, शीघ्र, प्रभावी और किफायती निपटान' प्रदान करना है। मंत्रालय के सूत्र ने कहा पंचाट के फैसले को केवल सर्वोच्च न्यायालय में ही चुनौती दी जा सकती है। पंचाट से जुड़ी नियुक्तियां केंद्र सरकार के हाथों में होंगी। यह एक ऐसी समिति की सिफारिशों पर आधारित होंगी जिसकी अध्यक्षता भारत के प्रधान न्यायाधीश या उनके द्वारा अनुशंसित उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश करेंगे।